3 राजधानी
तिहाड़ में टिल्लू और गोगी गैंग में छुरेबाजी

6 अभिमत
मोदी सरकार का संभावित एजेंडा

11 विदेश
इजराइली हमले में 30 से अधिक लोगों की मौत

12 स्पोर्ट्स
लक्ष्य इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 209
नई दिल्ली, शुक्रवार, 7 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

हमने प्रधानमंत्री मोदी को बिना शर्त दिया है समर्थन

राष्ट्रीय-10

नायडू व नीतीश को सरकार में चाहिए अहम हिस्सेदारी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 जून को तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने की संभावना के साथ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, जनता दल (सेक्युलर) और जनता दल (यूनाइटेड) ने भाजपा नेतृत्व को चिंता में डाल दिया है। यह पहली बार है कि मोदी अपनी पार्टी के पूर्ण बहुमत के बिना गठबंधन में शासन करेंगे। लगातार दो एनडीए शासनकाल के अनुभव को देखते हुए इस बार सरकार का पूरा नियंत्रण बीजेपी के हाथ में नहीं होगा क्योंकि उसके पास पूर्ण बहुमत नहीं है। हालाँकि, पार्टी प्रमुख मंत्रालयों पर नियंत्रण छोड़ने का विरोध कर रही है। उभरते परिदृश्य को देखते हुए, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को इन चुनौतियों से चतुराई से निपटना होगा। अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं और आरएसएस नेताओं ने बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर तौर-तरीकों पर चर्चा के लिए मुलाकात की।

क्रमशः 16 और 12 सीटें रखने वाली टीडीपी और जेडीयू की नजर अपने पसंदीदा मंत्रालयों पर है। टीडीपी चार-पांच कैबिनेट बर्थ और स्पीकर पद की मांग कर रही है, जबकि जेडीयू तीन मंत्रियों पर जोर दे रही है। इसके अतिरिक्त, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, 7 सीटों के साथ, और चिराग पासवान की एलजेपी, पांच सीटों के साथ, प्रत्येक को दो मंत्रालय मिलने की उम्मीद है। शुरुआती चर्चा के आधार पर सहयोगी दल हर चार सांसदों पर एक मंत्री की मांग कर रहे हैं। भाजपा ने कथित तौर पर रक्षा, वित्त, गृह और विदेश जैसे महत्वपूर्ण विभागों को बरकरार रखने पर जोर दिया है क्योंकि एनडीए में केंद्रीय मंत्रिमंडल के विभागों के वितरण पर कथित तौर पर विचार-विमर्श चल रहा है। लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के अलावा, टीडीपी की मांगों में पांच विभाग-शिक्षा, आईटी, वित्त राज्य मंत्री, ग्रामीण विकास, आवास और शहरी मामले, बंदरगाह और शिपिंग और सड़क परिवहन और राजमार्ग शामिल हैं।

रक्षा, वित्त, गृह और विदेश मामलों के अलावा, भाजपा बुनियादी ढांचे के विकास, कल्याण, युवा मामलों और कृषि से संबंधित मंत्रालयों को भी अपने पास रखना चाहेगी। ये पोर्टफोलियो चार महत्वपूर्ण मतदाता समूहों - गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों - के लिए योजनाओं को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। दलबदल विरोधी कानून के मद्देनजर नायडू की नजर लोकसभा अध्यक्ष पद पर भी है। स्पीकर के पद के कदम से गठबंधन सहयोगियों को भविष्य में किसी भी संभावित विभाजन से बचाने की संभावना है, लेकिन भाजपा इस मांग को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। टीडीपी आंध्र प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं और अपनी नई राजधानी अमरावती के निर्माण को पूरा करने के लिए अधिक धन की भी मांग कर रही है।

अब, वित्त राज्य मंत्री के टीडीपी के लिए एक महत्वपूर्ण पद होने की उम्मीद है, साथ ही दो-तीन अन्य पूर्ण मंत्रालय भी होंगे, जो आंध्र प्रदेश के विकास में मदद करते हैं, नागरिक उड्डयन मंत्री और आईटी राज्य मंत्री पहले टीडीपी से पार्टी तक थे। 2018 में एनडीए सरकार से बाहर हो गए थे।

इसके अतिरिक्त, भाजपा पिछली एनडीए सरकारों के तहत रेलवे और सड़क परिवहन आदि में बड़े सुधार करने का दावा करती है और पार्टी इसे सहयोगियों को देकर सुधारों की गति को धीमा नहीं करना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि रेलवे परंपरागत रूप से सहयोगी दलों के पास रहा और भाजपा काफी प्रयास से इसे अपने अधिकार क्षेत्र में वापस ले आई। पर्यटन, एमएसएमई, कौशल विकास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण जैसे अन्य मंत्रालय भी सहयोगियों को सौंपे जाने की संभावना है। जद (एस) नेतृत्व उम्मीद कर रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी को कृषि या कोई अन्य संबंधित विभाग दिया जा सकता है क्योंकि पार्टी का वोट आधार बड़े पैमाने पर ग्रामीण क्षेत्रों में है। 2014 और 2019 के चुनावों के बाद बनी नरेंद्र मोदी सरकारों में सहयोगियों का केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व था क्योंकि भाजपा के पास अपने दम पर पूर्ण बहुमत था। लेकिन इस बार, भाजपा को प्रत्येक सहयोगी दल द्वारा (शेष पेज 9)

इंडिया की चुनावी पिच पर नीतीश की बैटिंग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/पटना

एनडीए में बीजेपी के दूसरे सबसे बड़े गठबंधन सहयोगी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल (यूनाइटेड) ने बृहस्पतिवार को अग्निपथ योजना की समीक्षा की मांग की। साथ ही पार्टी जाति जनगणना के मुद्दे को आगे 'बढ़ाएगी' और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की समीक्षा की जाएगी। हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों में इंडिया गठबंधन के चुनावी वादों में ये मुद्दे शामिल थे। और इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल के लिए नरेंद्र मोदी को बिना शर्त समर्थन देने की प्रतिबद्धता के एक दिन बाद, पार्टी ने कहा कि वह एक मंत्री के फार्मूले के आधार पर 'तीन तक' कैबिनेट बर्थ के लिए बोली लगाएगी, चार सांसद पर एक मंत्री। जद (यू) सूत्रों ने कहा कि पार्टी रेलवे, ग्रामीण विकास, कृषि, जल संसाधन और भारी उद्योग जैसे विभागों को लेकर उत्सुक है।

जेडीयू प्रवक्ता और पूर्व राज्यसभा सांसद केसी त्यागी ने कहा, अग्निवीर योजना (अल्पकालिक सेना भर्ती) पर मतदाताओं में गुस्सा है। हमारी पार्टी उन कमियों को दूर करना चाहती है, जिन पर लोगों को आपत्ति है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी पार्टी जाति जनगणना पर जोर देगी, त्यागी ने कहा, देश में किसी भी पार्टी ने जाति जनगणना से इनकार नहीं किया है। बिहार ने रास्ता दिखाया है, प्रधानमंत्री ने भी विरोध नहीं किया... यह समय की मांग है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि जदयू समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विरोध में नहीं है, लेकिन इस पर सभी हितधारकों से सलाह ली जानी चाहिए। यूसीसी पर मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) ने विधि आयोग को लिखा था। हम यूसीसी के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन सभी हितधारकों, मुख्यमंत्रियों, राजनीतिक दलों और विभिन्न संप्रदायों के साथ परामर्श किया जाना चाहिए और एक समाधान निकाला जाना चाहिए। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सदस्य के रूप में भाजपा को समर्थन पर जदयू ने कहा, कोई पूर्व शर्त नहीं है, बिना शर्त समर्थन है। लेकिन यह हमारे मन और दिल में है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। (शेष पेज 9)

स्टॉक बाजार में बड़ा घोटाला, जेपीसी करे जांच: राहुल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई शेयर खरीदने की सलाह और फिर चुनाव के बाद आए झूठे एग्जिट पोल के कारण स्टॉक बाजार में सबसे बड़ा घोटाला हुआ है जिसमें निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपए डूब गए। उन्होंने कहा कि इस आपराधिक कृत्य में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री और एग्जिट पोल करने वालों की भूमिका की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाए।

राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, पहली बार हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक बाजार पर टिप्पणी की...फिर एक जून को झूठे एग्जिट पोल आए। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के आंतरिक सर्वे में 220 सीट मिल रही थी, लेकिन एग्जिट पोल में ज्यादा सीटें दिखाई गईं। राहुल गांधी का कहना था, 'तीन जून को स्टॉक बाजार सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है, चार जून को खटाक से नीचे चला जाता है। हजारों करोड़ रुपए का निवेश किया गया था। खुदरा निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपए डूब गए।' उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने निवेश की सलाह क्यों की? पांच करोड़ निवेशकों को शेयर खरीदने की सलाह क्यों दी गई? फायदा उठाने वाले विदेशी निवेशक कौन हैं? कांग्रेस नेता ने कहा कि यह स्टॉक बाजार सबसे बड़ा घोटाला है तथा आपराधिक कृत्य है और इस मामले की जांच के लिए जेपीसी का गठन होना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि इसमें प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और एग्जिट पोल करने वालों की भूमिका की जांच होनी चाहिए।

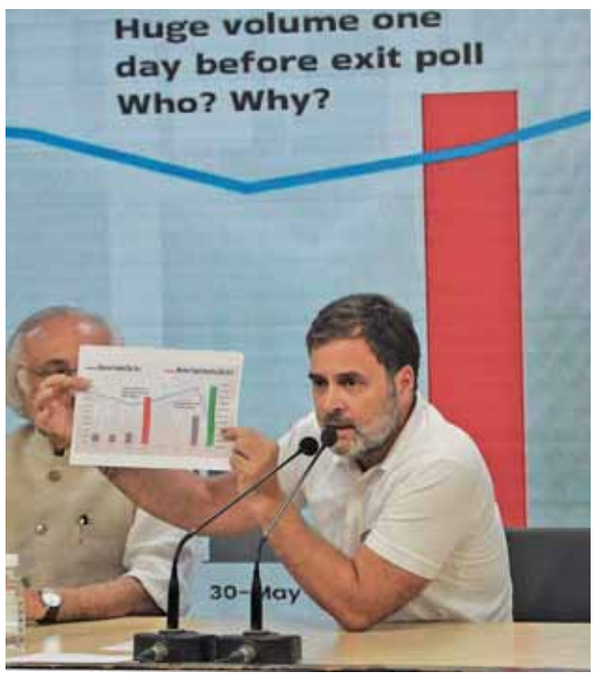

नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी। फोटो: रंजन डिमरी

पूर्व आईएएस अधिकारी ईएएस सरमा, जिन्होंने 1999-2000 में वित्त सचिव के रूप में कार्य किया था, ने भी चुनाव परिणामों के दिन 4 जून को शेयर बाजार में गिरावट की प्रवर्तन निदेशालय से जांच की मांग की थी, जिसमें निवेशकों की 31 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई थी। राहुल ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह अडानी मुद्दे से कहीं अधिक व्यापक मुद्दा है। यह अडानी मुद्दे से जुड़ा है लेकिन यह बहुत व्यापक है। यह सीधे तौर पर भारत के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री हैं जिन्हें वास्तविक चुनाव परिणामों के आंकड़ों की जानकारी है, जिनके पास आईबी की रिपोर्ट है, जिनके पास अपना डेटा है, और जो खुदरा निवेशकों को स्टॉक खरीदने की सलाह दे रहे हैं। काफी दिलचस्प बात ये है कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि पीएम ने शेयर बाजार पर कोई टिप्पणी की हो। ऐसा पहली बार हो रहा है और कई बार हो रहा है जब वह कह रहे हैं कि शेयर बाजार में तेजी आने वाली है। उनके पास जानकारी है कि एग्जिट पोल गलत हैं और वह जानते हैं कि आईबी डेटा और उनकी अपनी पार्टी के डेटा के कारण क्या होने वाला है।

वहीं आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ को लिखे पत्र में सरमा ने जानना चाहा कि क्या बाजार नियामक सेबी ने बाजार को शांत करने के लिए कोई कार्रवाई की है या 3 और 4 जून को शेयर बाजार की चाल में तेज उतार-चढ़ाव के पीछे के कारण का पता लगाने के लिए कोई जांच शुरू की है। 1999-2000 के बीच वित्त मंत्रालय में सचिव रहे सरमा ने कहा, यह परेशान करने वाली बात है कि कारकों के संयोजन ने 3 जून, 2024 को शेयर बाजार में उछाल ला दिया, जिसके बाद दिन के दौरान एक बड़ी गिरावट आई, जिससे छोटे और सीमांत निवेशकों द्वारा बाजार में निवेश की गई कड़ी मेहनत की बचत नष्ट हो गई, जिससे आज भी शेयर बाजार पूरी तरह से उबर नहीं पाया है। दूसरी ओर भाजपा ने पलटवार करते हुए गांधी पर निवेशकों को गुमराह करने की साज़िश रचने का आरोप लगाया। भाजपा के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राहुल लोकसभा चुनाव में विपक्ष की हार के बाद हताशा में ऐसे आरोप लगा रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

कंगना को एयरपोर्ट पर महिला सिपाही ने मारा थप्पड़

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़/नई दिल्ली

● सीआईएसएफ कांस्टेबल के खिलाफ केस दर्ज, निलंबित

हिमाचल के मंडी से सांसद बनी कंगना रनौत के साथ एक महिला सीआईएसएफ कर्मचारी ने बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर अभद्रता करते हुए उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। महिला सिपाही किसान आंदोलन के दौरान कंगना रनौत द्वारा किसानों के संबंध में दिए गए बयान से आहत थी। अधिकारियों ने बताया कि महिला सिपाही को निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

वहीं, कंगना ने एक वीडियो बयान जारी कर कहा कि दिल्ली जाते वक्त चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ की एक महिला सिपाही ने उन्हें थप्पड़ मारा और उनके साथ गाली-गलौज की। कंगना ने एक वीडियो बयान पोस्ट किया। कंगना ने वीडियो में कहा कि वह सुरक्षित और ठीक हैं, लेकिन पंजाब में बढ़ते आतंकवाद को लेकर चिंतित भी हैं। कंगना ने दिल्ली पहुंचने के बाद बयान जारी कर कहा कि महिला सिपाही उनकी ओर आई। कंगना ने कहा, उसने मुझे थप्पड़ मारा और मुझे गाली देनी शुरू कर दी। उन्होंने कहा, जब मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया, तो उस सिपाही ने कहा कि वह किसान आंदोलन का समर्थन करती है।

उधर, राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को कथित रूप से थप्पड़ मारने वाली केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की महिला सिपाही के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कंगना रनौत मंडी लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित होने के बाद आज वाया चंडीगढ़ दिल्ली जाने के लिए चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर पहुंची। सिक्योरिटी चैक के बाद कंगना अपनी सहयोगी के साथ वेटिंग लांज में बैठी हुई थी। इसी दौरान सीआईएसएफ की महिला कांस्टेबल वहां आई। कंगना ने वर्दी में होने के कारण उसे सहज लिया और सोचा कि शायद वह उनके साथ मुलाकात के लिए आगे बढ़ रही है। इसी दौरान सिपाही ने कंगना रनौत को थप्पड़ जड़ दिया। कंगना जब तक कुछ समझ पाती उनके साथ मौजूद स्टाफ ने महिला कांस्टेबल को पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलते ही सीआईएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और महिला कांस्टेबल को हिरासत में ले लिया। बहरहाल इस बीच कंगना ने चंडीगढ़ (शेष पेज 9)

विस चुनाव अकेले लड़ेगी आप: राय

● दिल्ली प्रदेश संयोजक ने कहा, आप-कांग्रेस गठबंधन सिर्फ लोस चुनाव के लिए था

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने अगले साल राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले विधानसभा चुनाव में अकेले उतरने का फैसला किया है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि कांग्रेस के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था और उन्होंने संकेत दिया कि सत्तारूढ़ पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अकेले ही चुनाव मैदान में उतरेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर पार्टी विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद राय ने कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव में इंडिया को पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए था। कई दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा था और आप भी इसका हिस्सा थी। फिलहाल दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कोई गठबंधन नहीं हुआ है।

दिल्ली में लोकसभा चुनाव में आप -कांग्रेस गठबंधन को एक भी

सीट नहीं मिली, जबकि भाजपा ने रिकॉर्ड तीसरी बार सभी सात संसदीय सीट पर जीत का परचम लहरा दिया। कांग्रेस के साथ गठबंधन में आप को दिल्ली लोकसभा चुनाव में एक भी सीट पर जीत नहीं सकती। हालांकि, 2019 के चुनावों में 18.2 प्रतिशत की तुलना में इसका वोट शेयर बढ़कर 24.14 प्रतिशत हो गया। 2014 के आम चुनावों में आप का वोट शेयर 33.1 प्रतिशत था। कांग्रेस उत्तर पूर्वी दिल्ली, उत्तर पश्चिमी दिल्ली और चांदनी चौक सीटों की सभी सीटें हार गई। पार्टी ने 18.94 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, जो 2019 के चुनावों में 22.6 प्रतिशत था। 2014 के चुनावों में पार्टी ने 15.2 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया था।

आप प्रमुख की गिरफ्तारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने फैसला किया है कि चूंकि केजरीवाल अभी भी जेल में हैं, इसलिए आप अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने आगे कहा, चूंकि पिछले दो महीनों से आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू थी, इसलिए दिल्ली में विकास कार्य रुका हुआ था। हमने तय किया है कि शनिवार और रविवार को सभी विधायक अपने विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे और विकास कार्यों की गति को तेज करेंगे। विधायक जनता के बीच रहेंगे। कोंडली विधायक कुलदीप कुमार और मालवीय नगर विधायक सोमनाथ भारती समेत आप के दो विधायक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में हार गए। राय ने यह भी कहा कि उन्होंने 13 जून को पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं की बैठक करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमने तय किया है कि 13 जून को दिल्ली में आप के सभी कार्यकर्ताओं की बैठक होगी। जिस तरह से देश दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल भेजने के खिलाफ लड़ रहा है, उसी तरह हम भाजपा की तानाशाही के खिलाफ लड़ते रहेंगे। वहीं दूसरी ओर एमसीसी लागू होने के कारण विकास परियोजनाएं रुकी हुई हैं, हम उसे तेज करने का काम करेंगे।

लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सात सीटों पर हार के बारे में गोपाल राय कहा, दिल्ली में हमने देखा है कि लोग लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में अलग-अलग तरीके से वोट करते हैं। यह पैटर्न इस आम चुनाव में भी दोहराया गया है और 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी दोहराया जाएगा। इसलिए हम विकास परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस के साथ अपनी पार्टी के (शेष पेज 9)

निर्वाचन आयोग ने आचार संहिता हटाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही 16 मार्च से लागू आदर्श आचार संहिता बृहस्पतिवार को हटा ली गई है। केंद्रीय कैबिनेट सचिव और राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे पत्र में निर्वाचन आयोग ने कहा कि लोकसभा चुनाव और अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, ओडिशा तथा आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से हटा ली गई है। आदर्श आचार संहिता सभी हितधारकों द्वारा सहमत और चुनावों के दौरान लागू परंपराओं का एक दस्तावेज है। राजनीतिक दल स्वयं चुनाव के दौरान अपने आचरण को नियंत्रित रखने और संहिता के भीतर काम करने पर सहमत हुए हैं। यह निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत दिए गए जनादेश को ध्यान में रखते हुए मदद करता है, जो उसे संसद और राज्य विधानमंडलों के लिए स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों की निगरानी एवं संचालन करने की शक्ति देता है। हालांकि इसे कोई वैधानिक समर्थन प्राप्त नहीं है लेकिन उच्चतम न्यायालय ने कई मौकों पर इसकी पवित्रता को बरकरार रखा है। वहीं मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने दो निर्वाचन आयुक्तों के साथ बृहस्पतिवार को (शेष पेज 9)

सीआरपीएफ में 85 साल बाद खानसामों की पदोन्नति

पीटीआई। नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 85 वर्ष के इतिहास में पहली बार कुल 2,600 खानसामों और जल वाहकों को पदोन्नत किया गया है। सीआरपीएफ की स्थापना 1939 में हुई थी और इसके पास दो विशेष वर्ग के कुल 12,250 कर्मी हैं जो बल के लगभग 3.25 लाख पुरुष एवं महिला कर्मियों के लिए रसोई, कैंटीन और अन्य प्रशासनिक कार्यों के व्यापक नेटवर्क को संभालते हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि बुधवार को एक आदेश के जरिए 1,700 खानसामों और 900 जलवाहक कर्मियों को उनके कांस्टेबल पद से पदोन्नत कर हेड कांस्टेबल नियुक्त किया गया है। सीआरपीएफ के 85 वर्ष के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। इस पद के कर्मी तब से इस बल का हिस्सा हैं जब से इसकी स्थापना हुई है। अधिकारी ने बताया कि 2016 में जब केंद्र सरकार ने सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू की थीं तब उन्हें कुक और वाटर कैरियर का विशिष्ट काडर नाम दिया गया था।

केंद्रीय सशस्त्र बल पुलिस (सीएपीएफ) के एक अधिकारी ने कहा कि इन कर्मियों को पदानुक्रम में सबसे निचले पायदान पर भर्ती किया गया था और इन्हें कभी पदोन्नत नहीं किया गया और औसतन लगभग 30-35 वर्षों की सेवा के बाद भी वे उसी पद से सेवानिवृत्त होते थे। सीएपीएफ के अधिकारी ने कहा कि खानसामें और जलवाहक कर्मी किसी भी बल के संचालन का एक अनिवार्य हिस्सा होते हैं। सीआरपीएफ के प्रत्येक बटालियन में करीब 45 ऐसे कर्मी हैं। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ ने इन कर्मियों को पदोन्नत करने के संबंध में एक प्रस्ताव तैयार किया था जिसे बाद में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने मंजूरी दी थी। उन्होंने बताया कि इस आदेश के तहत पदोन्नत किए गए 2,600 कर्मियों की भर्ती 1983 से 2004 के बीच की गई थी। अधिकारी ने बताया कि शेष कर्मियों को भी समय रहते पदोन्नत किया जाएगा।

नोएडा में 3379 फ्लैट बायर्स को मिलेगा मालिकाना हक

डेवलपर के 122 फ्लैट, 60 हजार वर्गमीटर में बने बिना बिके वाणिज्यिक भूखंड करेगा नीलाम, वसूलेगा 2409.77 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में 3,379 फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री का रास्ता अब साफ हो गया है। नोएडा प्राधिकरण अपना बकाया वसूलने के लिए दो परियोजनाओं के अनसोल्ड प्रॉपर्टी को नीलाम करेगा। इसमें डेवलपर की सेक्टर-46 जीएच-1 परियोजना में 122 फ्लैट और सेक्टर-75 जीएच इको सिटी के वाणिज्यिक भूखंड में बनी अनसोल्ड प्रॉपर्टी है। दोनों परियोजनाओं के डेवलपर पर 2409.77 करोड़ बकाया है।

दरअसल प्रदेश सरकार ने बायर्स की रजिस्ट्री के लिए अमिताभ कांत की सिफारिश लागू की थी। इसके तहत बिल्डर कुल बकाया का 25 प्रतिशत राशि जमा कर रिलीफ ले सकता था। एम्स मैक्स गार्डेनिया (कंसोर्शियम) और गार्डेनिया एम्स डेवलपर्स बिल्डर (कंसोर्शियम) ने सिफारिश पर अपनी सहमति दी। लेकिन लाभ नहीं लिया और न ही 25 प्रतिशत धनराशि जमा की। ऐसे में प्राधिकरण ने दोनों परियोजनाओं के डेवलपर पर बड़ा एक्शन लिया। हालांकि ये दोनों परियोजनाओं की ओरिजन कंपनी और प्रौपराइटर एक ही है।

प्राधिकरण ने बताया कि सेक्टर-75 इको सिटी के लिए 6 लाख वर्गमीटर जमीन एम्स मैक्स गार्डेनिया डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड और सेक्टर-46 में ग्रुप हाउसिंग 01 में 51 हजार 700 वर्गमीटर जमीन गार्डेनिया एम्स डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को आंवटित की। दोनों का आवंटन साल 2009- 2010 में किया गया। इन दोनों पर 31 दिसंबर 2023 तक 1717.29 करोड़ और दूसरी पर 692.48 करोड़ रुपए बकाया है। प्राधिकरण सेक्टर-75 इको सिटी में डेवलपर द्वारा कुल 6 लाख वर्गमीटर जमीन में से 60 हजार वर्गमीटर जमीन पर कॉमर्शियल निर्माणाधीन अनसोल्ड ब्लाक-ए, बी, सी एंड डी को अटैच कर नीलामी करेगा। बिल्डर कंसोर्टियम को किसी प्रकार का भूखंड आवंटित नहीं किया जाएगा।

सेक्टर-46 ग्रुव हाउसिंग भूखंड जीएच-1 गार्डेनिया एम्स डेवलपर से बकाया वसूलने के लिए सील 122 फ्लैट को नीलाम किया जाएगा। इको सिटी सेक्टर-75 में एम्स मैक्स गार्डेनिया प्रालि को 6 लाख वर्गमीटर जमीन आवंटित की गई।

इस जमीन का 50 प्रतिशत ग्रुप हाउसिंग, 5 प्रतिशत संस्थागत और 20 प्रतिशत वाणिज्यिक उपयोग के लिए था। यहां ग्रुप हाउसिंग में निर्माण किया जा चुका है। साथ ही लोग रह रहे है। डेवलपर ने वाणिज्यिक प्रयोग की भूमि करीब 60 हजार वर्गमीटर जमीन को 4 ब्लाक में बांटा और निर्माण कराया। इसमें कुछ प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है। कंपनी को 15 हजार 462 रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से आवंटन किया गया। जिसमें कंपनी के प्रौपराइटर ने समय समय पर सबलीज करते हुए करीब 2 लाख 20 हजार 639 वर्गमीटर जमीन 11 कंपनियों को बेच दी। इन कंपनियों ने पूरा पैसा एक्स मैक्स गार्डेनिया को दिया लेकिन डेवलपर ने पैसा प्राधिकरण में बकाया जमा नहीं कराया।

यही नहीं आवंटी ने संस्थागत का 30378 वर्गमीटर में से 17511 वर्गमीटर सरेंडर कर दिया। जिससे प्राधिकरण को 95 करोड़ मिला।

दो परियोजना को मिलेगा लाभ

यहां के ग्रुप हाउसिंग में 2566 यूनिट है। जिसमें 773 की रजिस्ट्री हई है। बाकी 1793 की रजिस्ट्री शेष है। इसी प्रकार सेक्टर-46 में गार्डेनिया एम्स डेवलपर को सेक्टर-46 में गरुप हाउसिंग बनाया। इनको बकाया के बारे में 5 जनवरी , 6 जनवरी 5 मार्च और 9 मई को बैठक में अवगत कराया। सेक्टर-46 में कुल 1586 फ्लैट है। जिसमें से एक भी फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं कराई गई।

वसुंधरा में एसी में धमाका फ्लैट में लगी भीषण आग

● घर का सामान जलकर खाक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के वसुंधरा इलाके में बृहस्पतिवार को एसी ब्लास्ट होने से फ्लैट में आग लग गई। एक फ्लैट का काफी सामान जल गया, जबकि दूसरा फ्लैट चपेट में आने से बाल-बाल बचा। फायर फाइटर्स ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया, वसुंधरा सेक्टर-1 में रहने वाले रणवीर सिंह ने गुरुवार सुबह सुबह 5 बजे फायर स्टेशन वैशाली को कॉल करके सूचना दी कि उनके फ्लैट में आग लग गई है। इस सूचना पर दो फायर टेंडर यूनिट के साथ रवाना किए गए। घटनास्थल पर जाकर देखा तो बिल्डिंग दो मंजिला थी। इसमें फर्स्ट फ्लोर पर एसी फटने की वजह से आग लगी हुई थी। खिड़कियों से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही थीं, जो सेकेंड फ्लोर पर बने फ्लैट तक पहुंच रही थीं। फायर यूनिट ने तत्काल होज लाइन फैलाई और फायर फाइटिंग शुरू की। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। इस अग्निकांड में रणवीर सिंह के फ्लैट में रखा सामान जल गया। वहीं आग की तपिश से कुछ सामान पिघलकर खराब हो गया। समय रहते दूसरे फ्लैट तक आग को पहुंचने से रोक लिया गया। इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई है। फ्लैट में रह रहा परिवार पहले ही बाहर सुरक्षित निकल आया था।

एल्डिगो सोसाइटी के 17वें फ्लोर पर लगी आग

नोएडा। सेक्टर-117 स्थित एल्डिगो सोसाइटी के 17वें फ्लोर की बालकनी में आग लग गई। आग एसी में शॉट सर्किट की वजह से लगी। जिस समय आग लगी घर सभी लोग मौजूद थे। मौके पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया। चुकी आग 17वें फ्लोर पर लगी थी। इसलिए वहां पर लगे फायर टिंडर से आग बुझाई गई। इसके बाद ठंडा करने के लिए नीचे से पाइप को ऊपर तक बिछाया गया।

अवैध निर्माण करने वाले 15 भू-माफिया के खिलाफ एफआईआर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● नोएडा के सोरखा गांव की है जमीन

नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित एवं कब्जा प्राप्त भूमि पर अतिक्रमण करने के मामले में सेक्टर-113 थाने में 15 भूमाफियाओं के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। केस नोएडा प्राधिकरण के अवर अभियंता की ओर से दर्ज कराया गया है।

आरोप है कि नामजद आरोपियों ने प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित एवं कब्जा प्राप्त भूमि पर सोरखा गांव में अतिक्रमण कर रखा है। बार-बार मना करने के बावजूद भूमाफिया मान नहीं रहे हैं। पुलिस ने अवर अभियंता की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अवर अभियंता निखिल मित्तल ने बताया कि सोरखा गांव जाहिदाबाद के खसरा संख्या-819 की अधिसूचित/अर्जित एवं कब्जा प्राप्त भूमि है।

इस भूमि पर विकास यादव, चिन्नू यादव, अमित, सचिन, महेश, सुरेश, रिंकू, सचिन, चेतन यादव, सोनू पहलवान, मिंदर यादव, रोहित, निशू यादव, अनिल यादव और रामू ने जबरन अवैध अतिक्रमण कर रखा है। भूमि पर 31 मई 2024 को मौके पर भूलेख विभाग के उच्चाधिकारी एवं संबंधित लेखपाल व वर्क सर्किल-6 द्वारा अवैध निर्माण को रुकवाया गया। आरोप है कि ये लोग रात के अंधेरे में अवैध रूप से निर्माण करा रहे हैं। इससे नोएडा का सुनियोजित विकास प्रभावित हो रहा है।

श्मशान घाट में गेट लगाने को लेकर विवाद, 12 के खिलाफ मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर जिले के थाना दनकौर क्षेत्र में जुनेदपुर गांव और झालड़ा गांव के ग्रामीणों के बीच श्मशान घाट का गेट लगाने को लेकर विवाद होने के बाद 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

दनकौर थाने के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि झालड़ा गांव के दाह संस्कार स्थल पर झालड़ा और जुनेदपुर के काफी लोग इकट्ठा हैं और उनमें विवाद हो रहा है। जांच के दौरान पता चला कि दाह संस्कार स्थल की दीवार और गेट का निर्माण करवा रहा है। लेकिन जुनेदपुर गांव के लोगों का कहना है कि चूंकि शमशान झालड़ा गांव का है अत: गेट उसी गांव की तरफ खोला जाना चाहिए।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भीमताल (नैनीताल)
दूरभाष कार्यालय:- 05942-247895 Email : eecd.btl@gmail.com

पत्रांक : 1854/535/21 | दिनांक : 05.06.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

अध्यक्ष, उत्तराखण्ड पेयजल निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा डिपॉजिट वर्क के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबंद निविदा, दिनांक 19.06.2024 अपरान्ह् 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी कार्यदिवस में अपरान्ह 03:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यालय में निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। उक्त दिनांकों में अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस को डाली/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	विकासखण्ड	योजना का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	भीमताल	खुटानी क्षेत्र हेतु श्रोत, जलाशय एवं तत्संबंधी कार्य।	28000.00	3 माह	500+ जी0एस0टी0 18%

नोट :-
1. नियम एवं अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक कार्यालय या नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।
2. ठेकेदार/ फर्म द्वारा **पाईप लाइन कार्य श्रेणी डी एवं उच्चतर श्रेणी** में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

अधिशासी अभियन्ता

"जल संचय -जीवन संचय" "कृपया जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये"
"जल स्त्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये" "जल स्त्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है"

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्ज़दार(रों) राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	मंतोष कुमार/ सुसिप्ता दास/ LBNOD00002372711/ LBNOD00005375768	फ्लैट नंबर टी13-2001, टॉवर नंबर 13, 20वीं मंजिल, "एक्सोटिका ड्रीमविले", प्लॉट नंबर जीएच-01/ए पर स्थित, सेक्टर-16सी, फेज-2, ग्रेटर नोएडा जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश नोएडा-201307/ जून 05, 2024	फरवरी 13, 2024 रु. 24,77,654/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	बुलंद अख्तर/ शहनाज अनसुम/ LBDEL00001692983	एल.आई.जी. (डीएस-II), फ्लैट नंबर 256-बी, प्रथम तल, ब्लॉक-बी में स्थित, सेक्टर-19, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश- 201301/ जून 05, 2024	फरवरी 28, 2024 रु. 4,97,021/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : जून 07, 2024
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्ज़दार(रों) राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	विनोद कुमार भसीन/ गुलशन कुमार भसीन/ कविता भसीन/ LBDEL00005696299/ LBDEL00005696633	संपत्ति संख्या-17/68-ए, दूसरी मंजिल, बिना छत के अधिकार के, ब्लॉक 17, तिलक नगर में स्थित नई दिल्ली- 110018/ जून 04, 2024	जनवरी 11, 2024 रु. 40,95,041/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	आयुष सिंह/दौलत सिंह/ साधना सिंह/ LBGHZ00005188692	फ्लैट नं. 3J-0606, टावर-3J, 6वीं मंजिल (बिना छत के अधिकार के), ब्लॉक-जे, निलय ग्रीन्स, खसरा नं. 1015, 1023/1MI, 1023/2MI, और 1023MI, गाँव मोरटा, राज नगर एक्सटेंशन,NH-58, परगना, जलालाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश- 200001/ जून 04, 2024	जनवरी 17, 2024 रु. 24,55,504/-	दिल्ली/ एनसीआर
3.	अर्चना सिंह/ सत्य प्रकाश सिंह/ LBDEL00002872265/ LBDEL00002872267	फ्लैट नंबर 1108, टॉवर-बी, 11वीं मंजिल, (बिना छत के), वार्ड नंबर 16/ लोनी, "एसजी होम्स" में आवासीय समूह आवास परिसर में स्थित, प्लॉट नंबर जीएच-04, सेक्टर- 3, वसुंधरा, गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश 201001/ जून 04, 2024	फ़रवरी 28, 2024 रु. 25,10,220/-	दिल्ली/ एनसीआर
4.	वाणी सिंह/ LBDEL00005957485/ LBGHZ00005981061	फ्लैट नंबर ए-1204-ए, 12वीं मंजिल, टावर ए, महक जीवन, एनएच-58, राज नगर एक्सटेंशन, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश- 201001/ जून 04, 2024	फ़रवरी 16, 2024 रु. 15,29,505/-	दिल्ली/ एनसीआर
5.	राजेंद्र प्रताप सिंह/ स्वैता/ LBDEL00005044535	संपत्ति संख्या ए-20, सामने की ओर/उत्तरी ओर तीसरी मंजिल पूरी छत के साथ, नारायणा विहार, दिल्ली 110075/ जून 04, 2024	फ़रवरी 13, 2024 रु. 4,00,79,291/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : जून 07, 2024
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

भाजपा की सीटें कम आने का ठीकरा अफसरों पर फोड़ा

● लोनी में विधायक बोले- नौकरशाहों ने सपा के एजेंट के रूप में काम किया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने भाजपा की कम सीटें आने का ठीकरा सीधे तौर पर यूपी की नौकरशाही पर फोड़ा है।

उन्होंने कहा है कि अधिकारियों ने सपा के एजेंट के रूप में काम किया। पार्टी इस पर मंथन करेगी। अगर हमसे पूछेगी तो प्रमाण भी दिए जाएंगे। नंदकिशोर गुर्जर ने कहा, यूपी में अधिकारी आज तक सिर्फ दो नेताओं के कब्जे में आए हैं। एक राजनाथ सिंह और दूसरे कल्याण सिंह। वो जानते थे कि अधिकारियों को कैसे ठीक करना है। सपा के लालजी वर्मा सम्मानित नेता हैं। पुलिस चुनाव वाले दिन उनके घर गई। जबकि घर से कुछ नहीं मिला। पुलिस को उसी दिन जाने की क्या जरूरत थी। ये काम मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी हो सकता था। पुलिस की कार्रवाई से पूर्वांचल के निर्णायक माने जाने वाले कुर्मी वोटर में गलत संदेश गया और वो ज्यादातर वोट सपा को शिफ्ट हो गया। नंदकिशोर गुर्जर ने कहा- लोकसभा चुनाव में कुछ अधिकारियों ने सपा के एजेंट के रूप में काम किया।

उदाहरण के तौर पर गाजियाबाद में पब्लिक के 10 हजार लोगों की गाड़ियां अधिकारियों ने चुनाव में लगा दीं। गाड़ियां जब्त होने के डर से वो उत्तराखंड भाग गए। भाजपा का गढ़ माने जाने वाले राजनगर जैसे पॉश एरिया में वैश्य समाज की महिलाओं तक को मुचलका पाबंद कर दिया गया। इस तरह अधिकारियों ने गाजियाबाद में भाजपा की करीब डेढ़ लाख वोटों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। क्षत्रिय वोटरों को भी जान बूझकर उकसाया गया।

महेश शर्मा ने जीत का श्रेय युवाओं को दिया

नोएडा। *लोकसभा चुनाव 2024 में गौतमबुद्धनगर से डा. महेश शर्मा को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश पदाधिकारियों ने कैलाश सभागार जाकर डा. महेश शर्मा को बड़ा हार पहनाकर स्वागत किया। सबसे पहले डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि यह विजय युवाओं की विजय है। उन्होंने कहा कि यह रिकॉर्ड जीत मोदी जी के साथ साथ युवाओं की भी देन है। सोसायटियों में मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए डॉक्टर महेश शर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन की प्रशंसा की।*

इंडियन बैंक Indian Bank इलाहाबाद ALLAHABAD

दिलशाद गार्डन शाखा
एफ-12, दिलशाद गार्डन, नई दिल्ली-110095
ई-मेल आईडी: d643@Indianbank.co.in

कब्जा सूचना (अचल सम्पति हेतु)
(नियम-8(1) देखें)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन इंडियन बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधारकर्ता **श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा निवासी एलजीएफ-13, बेसमेंट देविका चैंबर आरडीसी राज नगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201001 और: ए-269, सेक्टर 23, संजय नगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201001** को एक मांग सूचना दिनांक **11.04.2022** को जारी की गई थी जिसमें सूचना मे उल्लेखित राशि **रु. 4,44,643.00** (रु. चार लाख चौवालीस हजार छः सौ तैंतालीस मात्र, **रु. 52,946/- का एमओआई सहित) और FITL का रु. 46,961/-** (रु. छियालीस हजार नौ सौ इकसठ हजार मात्र, **रु. 5,961/- का एमओआई सहित) प्लस दिनांक 19.01.2022 से अंचार्ज ब्याज भुगतान की तिथि तक और बैंक द्वारा अर्जित खर्चे इत्यादि** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/गारंटर उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये है इसलिये एतदद्वारा कर्जदार/गारंटर तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्तियों/आस्तियों का कब्जा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) के नियम 8 साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप धारा (4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित संपत्ति पर दिनांक **05.06.2024** को कब्जा ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदार/गारंटर तथा सामान्य रूप से जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्तियों के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन बैंक, दिलशाद गार्डन शाखा के प्रभार वास्ते बकाया राशि **रु. 6,66,923/-** (रु. छः लाख छियासठ हजार नौ सौ तेईस मात्र, **रु. 2,76,226/- का एमओआई सहित) और और FITL का रु 64,153.00** (रु. चौसठ लाख एक सौ तिरेप्पन मात्र, **रु. 24,153/- का एमओआई सहित) और संविदात्मक दर पर ब्याज, लागत, प्रभार एवं पूर्ण भुगतान की तिथि तक खर्चे इत्यादि सहित के अधीन होगा।**

कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13(8) के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

साम्यिक बंधक निर्मित व्यवसायिक दुकान एलजीएफ-13, बेसमेंट, प्लॉट नं. ए-14, एलजीएफ-13, बेसमेंट, प्लॉट नं. ए-14, देविका चैंबर ।।, आरडीसी, राज नगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में स्थित, कुल क्षेत्रफल 84.50 वर्ग फीट (7.85 वर्ग मीटर), प्लॉट नं. ए-14 की चौहदी: दुकान की चौहदी: उत्तर में - प्लॉट नं. ए-13, उत्तर में - दुकान नं. एलजीएफ-14, पूरब में - प्लॉट नं. ए-16 पूरब में - गालियारा, दक्षिण में - प्लॉट नं. ए-15, दक्षिण में - इलेक्ट्रिक पैनल पश्चिम में - सड़क 7.5 मीटर चौड़ी

दिनांक: 05.06.2024 | स्थान: दिल्ली | हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी) इंडियन बैंक

थानाध्यक्ष निलंबित, 11 दरोगा लाइन हाजिर

● चुनावों के दौरान इलाके में घटनाओं की रोकथाम नहीं करने पर हुई है कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

आचार संहिता हटते ही गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट हरकत में आ गया। बुधवार रात एक थानाध्यक्ष को सस्पेंड करते हुए 11 सब इंस्पेक्टरों को लाइन हाजिर कर दिया गया। वहीं दो महिला सब इंस्पेक्टरों को नई तैनाती दी गई है। कहा जा रहा है कि आचार संहिता के दौरान ये सब इंस्पेक्टर अपने-अपने इलाकों में स्नेचिंग की घटनाएं नहीं रोक पाए। जिसकी वजह से उन पर ये कार्रवाई की गई है। सब इंस्पेक्टर रविता चौधरी को निवाड़ी और रीतू त्यागी को महिला थानाध्यक्ष बनाया गया है। महिला थानाध्यक्ष प्रगति सिंह को लाइन हाजिर किया गया है। अभी तक निवाड़ी थानाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने लूट की एक घटना को चोरी में दर्ज किया। जिसके चलते उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है। इसके अलावा थाना विजयनगर से सब इंस्पेक्टर विकास अग्निहोत्री, सिहानी गेट से गोविंद सिंह, नंदग्राम से धर्मवीर सिंह, थाना कौशांबी से देवेश कुमार सिंह, ट्रोनिका सिटी से सोहन गोला व लोनी बॉर्डर थाने से विनोद कुमार पांडेय को पुलिस लाइन भेजा गया है।

इंदिरापुरम थाने के चार सब इंस्पेक्टर लाइन हाजिर किए गए हैं। इसमें विनोद कुमार, सौरभ राठौर, रानू चौधरी और हरेंद्र मलिक हैं। सूत्रों ने बताया कि गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारी आचार संहिता हटने का इंतजार कर रहे थे।

उसके तुरंत बाद ये 13 सब इंस्पेक्टरों की पहली लिस्ट आई है। बताया जा रहा है कि जल्द कुछ और थाना प्रभारी बदले जा सकते हैं।

पिस्टल दिखाकर एमआर से दो बदमाशों ने की लूट

गाजियाबाद। मोदीनगर के गंगनहर पटरी पर बाइक सवार दो बदमाशों ने पिस्टल के बल पर एमआर से बाइक नकदी व मोबाइल लूट लिया। लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने युवक को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। एक सप्ताह में क्षेत्र में चार लूट की वारदात हो चुकी है।

कस्बा पतला निवासी हिमांशु दवाई कंपनी में एमआर पद पर कार्यरत है। हिमांशु बाइक से गाजियाबाद से पतला गंग नहर पटरी मार्ग से जा रहे थे। जब वह गंगनहर पटरी पर आगे पहुंचे तो दो बदमाशों ने ओवरटेक कर हिमांशु को रोक लिया। इसके बाद पिस्टल की नोंक पर मोबाइल और बाइक लूट ली।

धनशोधन मामले में सुपरटेक मालिक को जमानत मिली

● आरके अरोड़ा पिछले साल हुए थे गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक अदालत ने धनशोधन मामले में बृहस्पतिवार को सुपरटेक के चेयरमैन आर.के. अरोड़ा को जमानत दे दी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार जांगला ने अरोड़ा को राहत प्रदान करते हुए कहा कि उनके मुकदमे से भागने या जांच को प्रभावित करने की कोई आशंका नहीं है। अरोड़ा को पिछले साल जून में गिरफ्तार किया गया था।दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), हरियाणा पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस ने सुपरटेक लिमिटेड और समूह की कंपनियों तथा अरोड़ा के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में 26 प्राथमिकी दर्ज की थीं। उनपर कथित तौर पर कम से कम 670 मकान खरीदारों से 164 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

एक सप्ताह में 36 की संदिग्ध हालात में मौत

● प्रचंड गर्मी और हीट वेव के प्रकोप को भी बता रहे हैं कारण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एनसीआर में पड़ रही प्रचंड गर्मी के चलते नोएडा में 5 दिनों के अंदर 36 लोगों की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है। लोग चलते-चलते सड़क पर गिर जा रहे हैं। लू की चपेट में आकर मूर्छित हो रहे हैं।

कुछ लोग घरों में मृत पाए जा रहे हैं। लोगों में चर्चा है कि यह मौतें हीट वेव के चलते हुई है। वहीं कुछ लोग लोगों कहना है कि हृदय घात के चलते भी कई लोगों की मौत हुई है। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में रहने वाले जावेद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कल थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में ही रहने वाले सोनू कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। बुधवार को थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में रहने वाले राजेंद्र पुत्र मंगल सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मंगलवार को जनपद के विभिन्न जगहों पर रहने वाले 9 लोगों की संदिग्ध हालात मे मौत हो गई है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना ईकोटेक-प्रथम क्षेत्र में रहने वाले मनोज कुमार (35 वर्ष) की अज्ञात कारण से मौत हो गई है। उनके परिजनो के अनुसार वह ज्यादा शराब के सेवन करते थे।

उन्होंने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र में रहने वाले एक अज्ञात व्यक्ति जिसकी उम्र 25 वर्ष है, उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि बिसरख थाना क्षेत्र में रहने वाले प्रेमचंद उम्र 36 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना बादलपुर क्षेत्र में रहने वाले महेंद्र पाल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सूरजपुर क्षेत्र के घंटा चौक पर एक 27 वर्षीय व्यक्ति का शव पुलिस को मंगलवार को मिला है। उसकी पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में रहने वाले अमित कौशिक उम्र 42 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

हिमाचल छोड़े 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी : कोर्ट

● शीर्ष अदालत ने कहा, पानी को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए

उच्चतम न्यायालय ने राजधानी में जलसंकट को देखते हुए दिए निर्देश

चाणक्यपुरी इलाके में पानी के टैंकर का इंतजार करती बच्ची।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में जारी जल संकट के बीच उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिए कि हिमाचल प्रदेश 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़े और हरियाणा दिल्ली की तरफ पानी के प्रवाह को सुगम बनाए। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि पानी को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

न्यायमूर्ति पी.के. मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार उसके पास उपलब्ध 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दिल्ली के लिए छोड़ने को तैयार है। एक क्यूसेक (घन फुट प्रति सेकंड) प्रति सेकंड 28.317 लीटर तरल प्रवाह के बराबर होता है। पीठ ने कहा, क्योंकि हिमाचल प्रदेश को कोई आपत्ति नहीं है और वह उसके पास उपलब्ध अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए तैयार है, इसलिए हम निर्देश देते हैं कि हिमाचल प्रदेश उसके पास उपलब्ध अतिरिक्त पानी में से 137 क्यूसेक पानी छोड़े, ताकि पानी हथिनीकुंड बैराज और फिर वहां से दिल्ली पहुंच सके।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पीठ ने हिमाचल प्रदेश को निर्देश दिया कि वह हरियाणा को पूर्व सूचना देकर सात जून को पानी छोड़े। इसने कहा है कि ऊपरी यमुना नदी बोर्ड (यूवाईआरबी) हथिनीकुंड में आने वाले अतिरिक्त पानी को मापेगा ताकि इसे वजीराबाद और दिल्ली तक पहुंचाया जा सके। पीठ ने आदेश दिया, जब भी हिमाचल प्रदेश पूर्व सूचना के साथ हरियाणा की तरफ अतिरिक्त पानी छोड़ेगा तो हरियाणा अतिरिक्त पानी के प्रावह को हथिनीकुंड और वजीराबाद तक सुगम बनाए रखने में मदद करेगा ताकि यह निर्बाध रूप से दिल्ली तक पहुंचे और दिल्ली के लोगों को पेयजल के लिए पानी उपलब्ध कराया जा सके। इसने कहा, सोमवार को इस अदालत के समक्ष एक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

न्यायालय ने दिल्ली सरकार से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी को मिलने वाला पानी व्यर्थ न हो। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि दिल्ली सरकार और हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश सहित प्रतिवादी सोमवार तक अपना अनुपालन हलफनामा दाखिल करेंगे।

न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 जून की तारीख तय की। शीर्ष अदालत दिल्ली सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें हरियाणा को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह हिमाचल प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय राजधानी को उपलब्ध कराया जाने वाला अतिरिक्त जल छोड़े ताकि वहां जारी जल संकट को कम किया जा सके। इस मामले में तीन जून को सुनवाई करते हुए न्यायालय ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पांच जून को यूवाईआरबी की एक आपात बैठक बुलाने को कहा था।

यूवाईआरबी का गठन 1995 में किया गया था और इसके मुख्य कार्यों में यमुना नदी के पानी का लाभार्थी राज्यों के बीच आवंटन को नियंत्रित करना और दिल्ली में ओखला बैराज समेत सभी परियोजनाओं की समीक्षा एवं प्रगति पर नजर रखना भी है। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) दिल्ली शामिल हैं। बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि पांच जून को एक बैठक बुलाई गई थी और दिल्ली में जल संकट से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

पीठ ने कहा, बोर्ड की ओर से दर्ज की गई चर्चाओं से यह स्पष्ट है कि बैठक में भाग लेने वाले सदस्योंहितधारकों ने इस बात का खंडन या सवाल नहीं उठाए कि दिल्ली में असाधारण गर्मी के हालात हैं जिससे पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

अदालत ने कहा कि बोर्ड ने दर्ज किया कि हरियाणा भी इसी प्रकार की भीषण गर्मी के हालात से जूझ रहा है परन्तु न्यायालय के समक्ष ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है कि हरियाणा में पेयजल का गंभीर संकट है। पीठ ने कहा कि बोर्ड ने आखिरकार सिफारिश की कि मौजूदा गर्मी के मौसम के दौरान या 30 जून को मानसून के आगमन से पहले पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार मानवीय आधार पर 150 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने पर विचार करने के लिए हरियाणा को औपचारिक अनुरोध भेज सकती है।

पीठ ने कहा कि यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि बोर्ड का मानना है कि दिल्ली की पेयजल की मांग को पूरा करने के लिए उसको 150 क्यूसेक अतिरिक्त पानी की आवश्यकता है। इसने कहा, दस्तावेज में हिमाचल प्रदेश के पास उपलब्ध अतिरिक्त पानी का ब्योरा दिया गया है जिसके अनुसार मार्च से जून की अवधि के बीच हिमाचल प्रदेश के पास 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी उपलब्ध है। दिल्ली सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा, हमने हाथ जोड़कर निवेदन किया था और हिमाचल प्रदेश को कोई आपत्ति नहीं है लेकिन हरियाणा आपत्ति जता रहा है। बोर्ड ने अंत में कहा कि चूंकि हरियाणा को आपत्ति है, इसलिए आप (दिल्ली) हरियाणा को अनुरोध भेजें। हमने हरियाणा से अनुरोध किया, लेकिन हमें कोई जवाब नहीं मिला। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) विक्रमजीत बनर्जी से कहा, यह एक अस्तित्वपरक (भौगोलिक कारणों के चलते) समस्या है। एएसजी ने बैठक के विवरण का हवाला दिया और कहा कि हरियाणा ने भी यह बात कही है कि वहां भी इसी प्रकार की असाधारण गर्मी के हालात हैं जिसके कारण ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पानी की अत्यधिक मांग है। पीठ ने हरियाणा की ओर से पेश अधिवक्ता से कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्वीकार किया है कि उनके पास अतिरिक्त पानी उपलब्ध है।

उपराज्यपाल आवास पर एलजी विनय सक्सेना से मिलने पहुंचे दिल्ली के सातों नवनिर्वाचित भाजपा सांसद।

भोज पर मिले एलजी व नवनिर्वाचित सांसद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली से नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी सात सांसदों ने बृहस्पतिवार को राज निवास में उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज निवास के अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल ने राष्ट्रीय राजधानी के नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को बधाई दी और उनके लिए दोपहर भोज का आयोजन किया।

राज निवास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली से लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों ने आज माननीय उपराज्यपाल से मुलाकात की। राज निवास की ओर से पोस्ट में भाजपा सांसदों के साथ उपराज्यपाल सक्सेना की तस्वीर भी साझा की गई।

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और आप गठबंधन के उम्मीदवारों को हरा कर लगातार तीसरी बार दिल्ली की सभी सीट पर जीत हासिल की है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज, दक्षिण दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी, पश्चिम दिल्ली से कमलजीत सहरावत, पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा, उत्तर-पश्चिम दिल्ली से योगेन्द्र चंदोलिया और चांदनी चौक से प्रवीण खंडेलवाल ने उपराज्यपाल से मुलाकात की। इस दौरान विजेताओं ने एक दूसरे से अपनी रणनीति साझा की।

तिहाड़ में टिल्लू और गोगी गैंग में छुरेबाजी

● एक बदमाश को सुआं घोपकर किया घायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तिहाड़ जेल संख्या 3 में टिल्लू ताजपुरिया और गोगी गिरोह के सदस्यों के बीच हुई भिड़ंत में एक कैदी को नुकीला सुआं घोपकर घायल कर दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार हत्या के मामले में विचाराधीन कैदी हितेश घायल हुआ है और उसे उपचार के लिए दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि जेल के अंदर बुधवार सुबह करीब 11:15 बजे गोगी गिरोह के सदस्य हितेश और टिल्लू ताजपुरिया गिरोह के दो अन्य सदस्यों के बीच कथित तौर पर झगड़ा हुआ था। एक पुलिस सूत्र ने बताया कि हितेश को बर्फ तोड़ने वाला नुकीला सुआ घोपा गया है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विचित्र वीर ने बताया, "बुधवार को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल की ओर से हरि नगर पुलिस थाने को सूचना मिली कि तिहाड़ जेल से एक घायल व्यक्ति को अस्पताल लाया गया है। इस सूचना पर स्थानीय पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की पड़ताल की। उन्होंने कहा, "हितेश पर हमला करने वालों के नाम गौरव लोहरा और गुरिंदर के तौर पर सामने आए हैं। फिहलाल हमलावरों की पहचान की पुष्टि जांच का विषय है। हितेश घायल हुआ है और उसे दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अधिकारी ने बताया कि हितेश वर्ष 2019 से जेल में है, जबकि गौरव और गुरिंदर पर हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में मुकदमा चल रहा है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने कहा, जख्मों को देखते हुए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। जेल के अंदर के सूत्रों ने बताया कि हितेश अन्य कैदियों के साथ बात कर रहा था, तभी दोनों वहां पहुंचे और उससे बहस शुरू कर दी। जल्द ही बहस हाथापाई में बदल गई और आरोपियों में से एक ने उस पर बर्फ तोड़ने वाले सुए से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि जेल संख्या 3 में कोई वीआईपी नेता बंद नहीं है। गैंगस्टर ताजपुरिया की पिछले साल मई में इसी जेल में प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। तिहाड जेल में कैदियों के बीच झगड़े की वारदात आए दिन हो रहीं हैं। अप्रैल महीन में जेल नंबर-3 में कैदियों के दो गुट आपस में भिड़ गए थे। कैदियों ने एक दूसरे पर सुऐ से हमला कर दिया था। इस हमले में चार कैदी घायल हुए थे। इससे पहले तिहाड़ जेल नंबर-1 में एक ने दूसरे कैदी पर चाकू और खपरैल से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इन सभी कैदियों को इलाज के लिए दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती किया गया था।

न्यायालय के आदेश का जल मंत्री आतिशी ने किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय राजधानी के लिए अधिक पानी छोड़ने का निर्देश देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का बृहस्पतिवार को स्वागत किया और इसे दिल्ली की जनता की जीत बताया।

आतिशी ने एक्स पर लिखा, मैं इस अभूतपूर्व जल संकट के दौरान दिल्ली की जनता के साथ खड़ा होने के लिए उच्चतम न्यायालय को सलाम करती हूं। ऐसे समय में सभी चीजों से ऊपर समन्वित प्रयासों की जरूरत है और उच्चतम न्यायालय का आदेश दिल्ली की जनता और पानी के उनके अधिकार की जीत है। उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश सरकार को निर्देश दिया था कि उसके पास उपलब्ध 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दिल्ली के लिए छोड़ा जाए।

सीएम गंभीर बीमारी से ग्रस्त नहीं: अदालत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● जमानत अर्जी खारिज कर कोर्ट ने कहा, चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री ने व्यापक प्रचार किया

दिल्ली की एक अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार करते हुए कहा है कि उन्होंने जिस तरह व्यापक (चुनाव) प्रचार किया एवं अन्य संबंधित गतिविधियों में भाग लिया, उससे संकेत मिलता है कि वह किसी गंभीर या जानलेवा बीमारी से ग्रस्त नहीं हैं। केजरीवाल को एक और झटका देते हुए अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग संबंधी उनका आवेदन बुधवार को खारिज कर दिया।

विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने जिस तरह व्यापक प्रचार किया तथा संबंधित बैठकें व कार्यक्रम किए, जैसा कि बहस के दौरान बताया गया, वे संकेत देते हैं कि वह किसी गंभीर या जानलेवा बीमारी से ग्रस्त नहीं हैं, ऐसे में वह इस लाभ के हकदार नहीं हैं। न्यायाधीश बावेजा ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 19 जून तक के लिए बढ़ा दी। अदालत इस मामले में वैधानिक जमानत की मांग संबंधी उनकी अर्जी पर सात जून को सुनवाई करेगी।

अपने आदेश में न्यायाधीश ने कहा कि यह निर्धारित करने के लिए कि क्या उच्च कीटोन स्तर या वजन के कथित रूप से घटने से मधुमेह कीटोएसिडोसिस हो सकता है, परीक्षण कराने की खातिर अंतरिम जमानत प्रदान करने का आधार चिकित्सीय जरूरत से भी अधिक कमजोर है। न्यायाधीश ने कहा, प्रत्यक्ष तौर पर, जैसा कि आवेदक ने अनुमानित बीमारी की नैदानिक जांच के लिए अंतरिम जमानत की मांग की है।

भाजपा ने दलित इलाकों में बनाई पैठ अल्पसंख्यक क्षेत्रों में 'इंडिया' का दबदबा

● राजधानी की विस सुरक्षित सीटों पर भाजपा ने आप पर बनाई बढ़त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली की अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित विधानसभा क्षेत्रों में अपनी पैठ बनाई है, जबकि इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के उम्मीदवारों ने मुस्लिम समुदाय के प्रभाव वाले क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया है भाजपा ने लगातार तीसरी बार दिल्ली की सभी सातों लोकसभा सीट पर जीत हासिल की है और इंडिया गठबंधन में शामिल आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस को करारी शिकस्त दी। दिल्ली की कुल 70 विधानसभा सीट में से 13 अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित हैं। इन सभी सीट का प्रतिनिधित्व फिलहाल आप के विधायक कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी की प्रत्येक लोकसभा सीट के अधीन 10 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। दिल्ली के सात विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी है और ये इलाके चांदनी चौक, उत्तर-पूर्वी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्रों के तहत आते हैं। दिल्ली के विधानसभा चुनावों में इन सुरक्षित सीट पर भाजपा का रिकॉर्ड बेहद खराब है। पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से जीतने वाले भाजपा उम्मीदवार हर्ष मल्होत्रा को अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित कोंडली और त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आप के कुलदीप कुमार से अधिक मत हासिल हुए हैं। दिल्ली विधानसभा में कोंडली सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले कुमार को इस सीट पर मल्होत्रा से भी कम वोट मिले। कुमार को 57,985 और मल्होत्रा को 59,551 वोट हासिल हुए। उत्तर-पूर्वी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार को हराकर जीत हासिल करने वाले मनोज तिवारी को गोलकपुरी (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में 80,757 वोट मिले जबकि कन्हैया कुमार 70,159 वोट ही बटोर पाए। सीमापुरी (सुरक्षित) सीट से कुमार को तिवारी की तुलना में थोड़े अधिक वोट मिले। कुमार को जहां 66,604 वोट हासिल हुए, वहीं तिवारी 61,017 मत प्राप्त करने में कामयाब रहे। उत्तर पश्चिम दिल्ली (सुरक्षित) लोकसभा सीट पर भाजपा के योगेंद्र चंदोलिया ने कांग्रेस के उदित राज को 2.9 लाख से अधिक मतों से हराया। चंदोलिया को लोकसभा सीट के अधीन आने वाली अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित बवाना, नांगलोई जाट और मंगोलपुरी विधानसभा क्षेत्रों में भी अधिक वोट मिले, जबकि राज को सुल्तानपुरी (सुरक्षित) सीट पर ही ज्यादा वोट मिल पाए। नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार बांसुरी स्वराज को करोलबाग (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में 52,562 वोट मिले, जबकि आप उम्मीदवार सोमनाथ भारती को 45,416 वोट ही मिले। पटेल नगर (सुरक्षित) सीट पर भी स्वराज को भारती से ज्यादा वोट मिले पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट के अधीन आने वाले मादीपुर (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में कमलजीत सहरावत को भी अधिक वोट मिले। उन्होंने आप के महाबल मिश्रा को 1.9 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया।

दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के विजयी उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी ने भी देवली (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में आप के उम्मीदवार सही राम से ज्यादा वोट बटोरे। इंडिया के उम्मीदवारों का प्रदर्शन उन विधानसभा क्षेत्रों में बेहतर रहा जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी थी। कांग्रेस के कन्हैया कुमार को सीलमपुर, बाबरपुर और मुस्तफाबाद क्षेत्रों में भाजपा के तिवारी से कहीं अधिक वोट मिले।

विस चुनाव में विकल्प बनी भाजपा: सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि राष्ट्रीय राजधानी की जनता अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए विकल्प ढूंढ रही है।

भाजपा ने 2014 और 2019 की तरह इस बार भी दिल्ली की सभी सात सीट पर जीत हासिल की है। सचदेवा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे विरोधी कहते थे कि वोटों के बंटने से लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत का रास्ता साफ होता है, लेकिन इस बार दोनों दलों आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को गठबंधन होने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम बताते हैं कि दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी (आप) के भ्रष्टाचार को नकार दिया है और वह 2025 के विधानसभा चुनाव में एक विकल्प तलाश रही है।

उन्होंने कहा, वह विकल्प भाजपा है। दिल्ली में पिछले दो विधानसभा चुनावों में भाजपा को आप के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। 2015 के विधानसभा चुनाव में आप को कुल 70 में से 67 जबकि भाजपा को तीन सीट पर जीत मिली थी जबकि 2020 के चुनाव में आप ने 62 जबकि भाजपा ने आठ सीट जीती थीं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मौजूदा हालात पर बुलाई पार्टी की बैठक

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के मौजूदा हालात पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई, जिसमें भविष्य की रणनीति के लिए रोड मैप भी तैयार किया गया। बैठक में कांग्रेस महासचिव दिल्ली प्रभारी दीपक भी मौजूद थे।

देवेन्द्र यादव ने राजधानी में पानी की चल रही किल्लत पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकारों को राजनीति से उपर उठकर भीष्ण गर्मी में दिल्ली की जनता को जल संकट से निजात दिलाने के लिए काम करना चाहिए।

उन्होंने ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया प्रदर्शन सराहनीय रहा और पिछले चुनावों के मुकाबले राजधानी में कांग्रेस का वोट प्रतिशत बढ़ने के साथ कई विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवारों को भारी समर्थन से स्पष्ट संकेत मिला है।

संसद में सेंध लगाने वालों पर चलेगा केस, एलजी ने दी मंजूरी

● यूएपीए कानून के तहत 2023 में किया गया था गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने संसद की सुरक्षा में सेंध लगाए जाने की घटना में कथित संलिप्तता के लिए छह लोगों पर सख्त गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है।

संसद पर 2001 के आतंकवादी हमले की बरसी के दिन पिछले साल 13 दिसंबर को सुरक्षा में सेंधमारी की बड़ी घटना उस वक्त सामने आई थी जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग सदन के भीतर कूद गए थे और केन के जरिए पीले रंग का धुआं फैला दिया था। इस मामले में छह लोगों मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे, नीलम, ललित झा और महेश कुमावत आरोपी हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने उपराज्यपाल से यूएपीए की धाराओं 16 और 18 के तहत उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का अनुरोध किया था।

उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। राजनिवास के एक अधिकारी ने कहा, दिल्ली पुलिस ने यूएपीए के तहत आवश्यक मंजूरी के लिए अनुरोध किया था और इस वर्ष 30 मई को समीक्षा समिति ने भी जांच एजेंसी द्वारा एकत्र किए गए संपूर्ण साक्ष्यों की पड़ताल की थी और मामले में आरोपियों की संलिप्तता पाई थी। उन्होंने कहा, इसके अनुसार समीक्षा समिति ने टिप्पणी की कि प्रथमदृष्टया आरोपियों के विरुद्ध यूएपीए के तहत मामला बनता है।

संक्षिप्त समाचार

फसलों में मौसम की मार की चिंता खत्म

नई दिल्ली/वाराणसी। बीते कुछ वर्षों में मौसम में अचानक बदलाव देखने में आने लगे हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी को भुगतना पड़ता है, तो वो हैं देश के किसान है। ऐसे में, यदि किसानों के पास उचित बीमा योजना हो, तो फसलों में खराबी की वजह से होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसानों को राहत दिलाते हुए, क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने सुकृति नाम के फसल बीमा की शुरुआत की है। अब, भारत की जीडीपी में लगभग 15 प्रतिशत योगदान देने वाले किसान अपनी फसलों का बीमा करवा सकते हैं, क्योंकि मानसून के आगमन के साथ ही खरीफ की बुवाई का समय शुरू हो जाता है। सुकृति 20 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्धहै। यह किसानों को नौ जोखिमों में से एक मुख्य और एक सहायक परिस्थिति का चयन करने का विकल्प देती है।

कार में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के नेल्सन मंडेला मार्ग पर एक कार में आग लग गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार रात हुई थी। कार में आग लगने के तुरंत बाद वाहन में सवार लोग बाहर निकल गए, जिससे इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को रात 10.30 बजे इसकी सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया।

एनडीएमसी ने मनाया 'विश्व पर्यावरण दिवस'

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने पर्यावरण के लिए सतत जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई प्रभावशाली कार्यक्रमों के साथ नई दिल्ली में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। विश्व पर्यावरण दिवस की पहल में एनडीएमसी के अध्यक्ष अमित यादव, उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय और नई दिल्ली को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए समर्पित विभिन्न सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। जनपथ मार्केट से सिंगल-यूज प्लास्टिक (एसयूपी) को खत्म करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, एनडीएमसी ने जनपथ मार्केट में बैंक ऑफ बड़ौदा के पीछे स्थित आइडिएशन सेंटर का उद्घाटन किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने बिधूड़ी को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्य रामवीर सिंह बिधूड़ी को बृहस्पतिवार को जब विधानसभा भवन पहुंचे तो उनका हार्दिक स्वागत किया गया। विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल और भाजपा विधायकों ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। यह संयोग है कि विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी दिल्ली की पहली विधानसभा के लिए 1993 में सदस्य चुने गए थे और अब भी दोनों विधायक हैं।

निजी कार्यकर्ताओं के बल पर जीता चुनाव: इंद्रजीत

सांसद राव बोले, शहर तक ही सीमित रहे पार्टी कार्यकर्ता, मेरा दिल नहीं मान रहा था 400 पार की बात

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

राव इंद्रजीत सिंह ने चुनाव के बाद जहां अपनी जीत का श्रेय अपने निजी कार्यकर्ताओं को दिया है, वहीं भिवानी-महेंद्रगढ़ से धर्मबीर सिंह की जीत का श्रेय खुद लिया है। उन्होंने चुनाव में गुड़गांव में भाजपा कार्यकर्ताओं को शहर तक सीमित बताया। उनके इस वक्तव्य पर जहां कार्यकर्ताओं ने उत्साहित होकर तालियां बजाई, साथ ही उन्हें भावी सीएम कहकर नारे भी लगाए।

रेवाड़ी में अपने कार्यकर्ताओं के बीच राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी वाले जो वर्कर थे, शहर तक ही सीमित रहे। बादशाहपुर तक सीमित रहे। लेकिन गांवों के अंदर मेरे वर्कर ने ही काम किया है। अगर हमारे पास देहात में हमारे खुद के 3-4 लाख वर्कर, वोटर नहीं होते तो ये इलेक्शन मैं हार गया था। टिकट मिलने को भी उन्होंने

नवनिर्वाचित सांसद राव इंद्रजीत सिंह।

वर्कर की ताकत बताते हुए कहा कि अगर मेरे इतने वर्कर नहीं होते तो मुझे टिकट नहीं मिलता, ये भी सुन लो। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि हमारे यहां पर इंफ्लूएंस उलट था। हमारी सीटें घटी हैं। वे बोले, मैं नाम नहीं लेना चाहता किसी का। दो-चार समुदाय ऐसे हैं, जो तितर-बितर हुए हैं।

राव इंद्रजीत सिंह ने भिवानी-महेंद्रगढ़ से जीत का श्रेय लेते हुए कहा कि एक कमाल की बात और है। धर्मबीर के क्षेत्र में हमारे बगल वाले चार हलके पड़ते हैं। वे सारे के सारे हार रहे थे। मेरे जाने के बाद इन चार हलकों के अंदर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार चौधरी धर्मबीर जीत करके निकले। धर्मबीर के खुद के लोगों ने तो वोट दिया नहीं, हमारे लोगों ने दूसरी बार जिताया है।

राव इंद्रजीत सिंह ने 400 पार के नारे को लेकर भी अहम बात कही। वे बोले, लोकसभा के चुनाव में सब कह रहे थे 400 पार-400 पार-400 पार। उनसे मीडिया भी पूछ रहा था। मैंने कहा कि जो भगवान चाहेंगे वो होगा। मैं झूठ कैसे बोल सकता था। मेरा दिल ही नहीं मान रहा था कि 400 पार होंगे।

आज के दिन हमारी सरकार बन रही है। मिली-जुली सरकार बन रही है। पहले जैसी सरकार नहीं बन रही। मेरा क्या होगा, मुझे नहीं पता पर अच्छा होगा।

मुद्दों को संसद में प्रभावी ढंग से उठाएं नवनिर्वाचित सांसद: एचपी यादव

गुरुग्राम। एनसीआर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष एच.पी. यादव ने संसदीय चुनाव में जीत के लिए दीपेंद्र सिंह हुड्डा, राव इंद्रजीत सिंह, वरुण चौधरी, नवीन जिंदल, कुमारी शैलजा, जय प्रकाश, मनोहर लाल, सतपाल ब्रह्मचारी, धर्मबीर सिंह और कृष्ण पाल को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधि हरियाणा में उद्योगों की बेहतरी के लिए मिलकर काम करेंगे। एच.पी. यादव ने अनुरोध किया कि उभरते औद्योगिक परिदृश्य में उन्हें संसद में उद्योगों विशेष रूप से एमएसएमई के सामने आने वाले मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाना चाहिए। जीएसटी की दर में कटौती, कर अनुपालन के सरलीकरण आदि के संदर्भ में उन्हें और अधिक रियायतें देने की वकालत करनी चाहिए। वित्तीय संस्थान और बैंक कभी भी विभिन्न वित्तीय जरूरतों के लिए एसएमई का समर्थन नहीं करते हैं। इसलिए ऋण प्रक्रिया में सरलीकरण और एसएमई के प्रति बैंकरों के नकारात्मक दृष्टिकोण में भारी बदलाव बहुत जरूरी है। यादव ने कहा कि उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अनैतिक प्रवर्तन और कानून की अतार्किक व्याख्या के खिलाफ उद्योग का पक्ष लेंगे, जो भ्रष्टाचार की ओर ले जाता है। एच.पी. यादव ने औद्योगिक मुद्दों के प्रति अधिक व्यावहारिक और दयालु दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके बारे में उनका मानना है कि ये नए सांसद ऐसा करने में सक्षम होंगे।

जूही बब्बर के इंस्टाग्राम वीडियो से ली गई उनकी खास कुर्ते वाली तस्वीर।

जूही बब्बर ने खास अंदाज में जताया आभार

● अभिनेत्री बोलीं, हमने कुछ लोगों की सियासत हिला दी... पापा गुरुग्राम में रहेंगे, हम सब भी आते-जाते रहेंगे

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

लोकसभा 2024 के चुनाव इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के तौर पर गुड़गांव सीट से चुनाव में उतरे राज बब्बर ने बेहतरीन चुनाव लड़ा। इसमें कोई दोराय नहीं है कि उन्होंने मात्र 20 दिन में ही चुनाव को बहुत ही फाइट में लाकर खड़ा कर दिया। चुनाव को लेकर उनकी बेटी जूही बब्बर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो डालकर अपनी फीलिंग सांझा की हैं। गुड़गांव का आभार जताने के साथ उन्होंने अपने पापा राज बब्बर के गुड़गांव में रहने को लेकर भी बातें कही हैं।

जूही बब्बर ने जो वीडियो जारी किया है, उसमें वे एक ब्राउन कलर का कुर्ता पहने हैं। कुर्ते के आगे लिखा है-दिल से, दिल में, दिल पे राज। कुर्ते के पीछे लिखा है-थैंक यू गुड़गांव...। फिल्मी अंदाज में जूही बब्बर ने यह वीडियो तैयार किया है। पहले वे पीछे की तरफ से थैंक यू गुड़गांव वीडियों में दिखाती हैं और पीछे घूमते हुए आगे की तरफ मुड़ जाती हैं। वे कह रही हैं कि अब आप ये सोच रहे होंगे कि राज बब्बर तो जीते ही नहीं हैं। फि क्यों गुड़गांव थैंक यू। यह कुर्ता पहना इसलिए है कि किसी ने बहुत प्यार से बनाया है मेरे लिए। पहना इसलिए है, क्योंकि इसपे जो लिखा है वो हुआ है। मैंने आपसे कहा था ना राज बब्बर जी गुड़गांव के दिल में रहेंगे। दिल पे राज करेंगे और गुड़गांव दिल से मेरे पापा का साथ देगा। और वही हुआ। जूही ने कहा-हमने जो 20 दिन में जो किया है-हिस्ट्री। मैं हर कार्यकर्ता, हर वोटर, पूरे इंडिया से जो मेरे इंस्टाग्राम फॉलोवर्स हैं, आप सबसे कहना चाहूंगी-दैट वी हैव क्रिएट हिस्ट्री। ओनली ट्वेंटी डेज।

मात्र 20 दिन में हमने इतिहास बनायाः जूही

यानी हमने 20 दिन में इतिहास बनाया है। जो यहां से 4-5 लाख वोटों से जीतते आए हैं, उनके सामने। वे कहती हैं कि गुड़गांव बहुत बड़ी लोकसभा थी। हमारे पास केवल 20 दिन थे। हम पहुंचे सबके दिल तक। हमारा मार्जिन 70 हजार का रहा है। 70 हजार क्या होता है। जीतने के लिए चाहिए थे 40 हजार वोट। 40 हजार वोट तो हमें दो गांव से मिल जाते, किसी कस्बे से मिल जाते। इतना प्यार है लोगों के दिल में पापा के लिए। मगर हमारे पास समय नहीं था। सब जगह नहीं पहुंच पाए। जो होना था वो हो गया। हमने कुछ लोगों की सियासत हिला दी। मेरे पापा ने वाकई में गुड़गांव के दिल में दिव्य राज किया है। दिल से आप जुड़े हैं। मेरा वादा है कि राज बब्बर जी दिल से यहां रहेंगे। हम भी परिवार के साथ गुड़गांव आते-जाते रहेंगे। एक बेटी, दोस्त, बहन के नाते मेरी तरफ से आप सबका दिल से शुक्रिया। इस तरह से जूही बब्बर ने गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र के लोगों का भारी समर्थन के लिए आभार जताया है।

पर्यावरण के लिए घातक है सिंगल यूज प्लास्टिकः बलप्रीत

● मेरी बोतल-मेरा बैग कार्यक्रम में अतिरिक्त निगमायुक्त बोले, बंद करें पॉलीथीन का प्रयोग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम द्वारा इकोथॉन के तत्वावधान में स्थानीय एंबियंस मॉल में मेरी बोतल-मेरा बैग कार्यक्रम का आयोजन कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया गया।

इस मौके पर अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक व पॉलीथीन केवल मानव ही नहीं,

मेरी बोतल-मेरा बैग कार्यक्रम में लोगों को सम्मानित करते अतिरिक्त निगमायुक्त।

बल्कि पशु-पक्षियों के जीवन तथा पर्यावरण के लिए बहुत ही घातक है। हम सब अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए धड़ल्ले से सिंगल यूज प्लास्टिक विशेषकर पानी की बोतल तथा पॉलीथीन कैरीबैग का इस्तेमाल करते हैं। उससे होने वाले नुकसान की जानकारी होने के बावजूद परवाह नहीं करते। उदाहरण के तौर पर हम सिंगल यूज पानी की बोतल का उपयोग करते हैं। इससे हमारे पानी की जरूरत तो पूरी हो जाती है, लेकिन खाली हुई प्लास्टिक बोतल का फिर से उपयोग करने की बजाए उसे इधर-उधर फेंक देते हैं।

यही प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान करता है। उन्होंने आह्वान किया कि अभी से सिंगल यूज प्लास्टिक बोतल व पॉलीथीन कैरीबैग का उपयोग बंद करेंगे तथा अपने साथ बार-बार उपयोग की जा सकने वाली बोतल तथा बैग रखना शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मानसून में प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा पौधा लगाने के लिए ऐसे स्थान का चयन करें, जहां पर आप प्रतिदिन उसकी देखभाल कर सकें क्योंकि पौधा लगाकर उसकी देखभाल करना बहुत ही आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति अपने व अपने बच्चे के जन्मदिन तथा शादी की सालगिरह आदि मौके पर एक पेड़ अवश्य लगाए। उन्होंने इस सफलतम कार्यक्रम के लिए नगर निगम की टीम, कार्यक्रम सहयोगी यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन, मार्गम नृत्यालय, राजकीय विद्यालय चक्करपुर, रेयान इंटरनेशनल स्कूल सोहना रोड, टीन्स ऑफ गॉड एनजीओ, नवकल्प फाऊंडेशन, कलर कोड फाउंडेशन तथा एंबियंस मॉल प्रबंधन की सराहना व धन्यवाद किया।

निगम ने द्वारका एक्सप्रेस वे से हटाए अवैध विज्ञापन

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रदर्शित करने से पूर्व निर्धारित फीस जमा करके स्वीकृति लेना आवश्यक है। बिना स्वीकृति के लगाए जाने वाले अवैध विज्ञापनों के विरुद्ध निगम द्वारा व्यापक अभियान की शुरुआत कर दी गई है। गुरुवार को निगम टीमों ने द्वारका एक्सप्रेस-वे पर अवैध विज्ञापनों को हटाने की कार्रवाई की। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शित किए गए होर्डिंग बोर्ड, फ्लेक्स-बैनर आदि को हटाया गया। निगमायुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ के निर्देश पर सहायक अभियंता प्रेम सिंह व कनिष्ठ अभियंता सचिन कुमार की टीम ने काफी संख्या में अवैध बैनरों को हटाया। कार्रवाई के दौरान अधीक्षण अभियंता विकास मलिक टीम के साथ संपर्क में रहकर जरूरी दिशा-निर्देश जारी करते रहे। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

जिला जेल में लोक अदालत के दौरान बंदियों की सुनवाई करते न्यायाधीश।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने लगाई लोक अदालत

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला जेल भोंडसी में लोक अदालत लगाई गई। इस दौरान न्यायाधीश ने कई बंदियों के विषयों पर सुनवाई की। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने न्यायमूर्ति अरुण पल्ली न्यायाधीश पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय और कार्यकारी अध्यक्ष हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता व सुभाष महला जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के दिशा-निर्देश में जिला जेल भोंडसी में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। रमेश चन्द्र मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने बताया कि जेल लोक अदालत महीने में दो बार लगाई जाती है, जिसमें पैट्टी ऑफेंस संबंधित मामले लिए जाते हैं। पांच जून को आयोजित हुई जेल लोक अदालत में ऐसे 7 मामले लिए गए जिनमें से 4 का निपटारा किया गया।

दो लाख रुपए चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा 85 की टीम ने बीड़ी सिगरेट के खोखे से 2 लाख रुपये चोरी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम उमेश है जो खेड़ीपुल के इंदिरा कंपलेक्स का रहने वाला है। 5 जून को खेड़ीपुल थाने में चोरी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमें आरोपी उमेश ने खेड़ीपुल में बीडी सिगरेट का खोखा लगाने वाले एक व्यक्ति के धोखे से 3 जून की रात 2 लाख रुपए चोरी किए थे। पीड़ित ने बताया कि उसने किसी काम के लिए 2 लाख रुपए रखे थे और रात को वह पैसे खोखे में ही छोड़कर चला गया जो आरोपी उमेश उसकी दुकान पर आता जाता था और उसने उसे पैसे रखते हुए देख लिया। पीड़ित की शिकायत पर नामजद आरोपी के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज करके उसकी तलाश की गई जिसमें क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को सेक्टर 17 पुल से गिरफ्तार कर मौके से उसके कब्जे से 1.10 लाख रुपए बरामद किए। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने पैसे रखते हुए देख लिए थे जिससे वह लालच में आ गया और उसने पैसे चोरी कर लिए।

डेरावाल भवन में लगेगा स्वास्थ्य जांच शिविर

गुरुग्राम। मानवता की सेवा में लगे आर्टेमिस अस्पताल एवं भारतीय पंजाबी युवा एकता मंच के संयुक्त तत्वाधान में आगामी 9 जून रविवार को निःशुल्क मल्टीस्पेशलिटी विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। रविवार को गुरुग्राम के प्रताप नगर स्थित डेरावाल भवन में लगने वाले इस विशेष कैंप में सुबह 10 बजे से दोपहर 01 बजे तक लोग अपने स्वास्थ्य की निशुल्क जांच करा सकेंगे। शिविर में सामान्य से लेकर गंभीर बीमारियों तक की निःशुल्क जांच की जाएगी। इसके अलावा शिविर में लोगों को ईसीजी, ब्लड शुगर, बीपी टेस्ट, नेत्र एवं दंत जांच, मैनकाइंड फार्मा लिमिटेड द्वारा दवाइयों की भी निशुल्क सुविधा मिलेगी। इसलिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर लोग इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ उठा सकते है। इस शिविर का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र यादव व भारतीय पंजाबी युवा एकता मंच के चेयरमैन बोधराज सीकरी करेंगे। शिविर में आर्टेमिस अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम अपनी सेवाएं देगी।

हत्या में वांछित पांच हजार का इनामी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वर्ष-2022 में गांव दमदमा में रंजिश रखते हुए लाठी डंडों से पीटकर एक व्यक्ति की हत्या करने के मामले में वांछित 5 हजार का इनामी बदमाश पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसीपी क्राइम वरुण दहिया ने गुरुवार को बताया कि आरोपी द्वारा हत्या करने की वारदात को अंजाम देने में प्रयोग किया गया एक डंडा भी आरोपी के कब्जा से बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार 11 नवम्बर 2022 को थाना सदर सोहना में एक निजी अस्पताल से गांव दमदमा में हुए लड़ाई-झगड़े में लगी चोटों के कारण अर्जुन निवासी गांव दमदमा की मौत को लेकर

दमदमा गांव में रंजिशन हत्या करने का आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

सूचना मिली। सूचना पर थाना सदर सोहना पुलिस अस्पताल पहुंची। जहां मृतक के भाई ने एक लिखित शिकायत देकर कहा कि 10 नवम्बर 2022 को कुछ व्यक्तियों ने लाठी-डंडों, रॉड, पत्थर से इसके भाई के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान लगी चोटों से इसके भाई की मृत्यु हो गई। थाना सदर सोहना में केस दर्ज हुआ। इस मामले में निरीक्षक आसीन खान इन्चार्ज अपराध शाखा सिकंदरपुर पुलिस ने फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी पवन कुमार को गांव सहदरा नोएडा यूपी से काबू किया है।

एटीएम मशीन में टेप लगाकर रुपये चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● पकड़े गए युवक से 13000 रुपये व एक स्कूटी बरामद

एटीएम मशीन में टेप लगाकर रुपये चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। उसके खिलाफ डीएलएफ फेज-3 थाना में केस दर्ज है। पुलिस के अनुसार 4 जून को एचडीएफसी बैंक के मैनेजर ने थाना डीएलएफ फेज-3 में शिकायत देकर कहा था कि मौलसरी आर्केड डीएलएफ फेज-3 में स्थित एटीएम मशीन के साथ किसी व्यक्ति द्वारा छेड़छाड़ की है। इस शिकायत पर थाना डीएलएफ फेज-3 में केस दर्ज किया गया। थाना डीएलएफ फेज-3 पुलिस ने आरोपी को यू-ब्लॉक नाथूपुर से काबू किया। आरोपी की पहचान अजीत कुमार निवासी कुतुब बिहार फेज-1, गोयल डेयरी छावला दिल्ली के रूप में हुई। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि यह एटीएम मशीन में कैश ट्रे (जहां से नगदी निकलती है) के अंदर टेप लगा देता था। जिससे रुपये बाहर निकलने की बजाय बीच में ही अटक जाते थे। एटीएम मशीन खराब है, ऐसा मानकर वहां से चला जाता था। ग्राहक के जाने के बाद यह एटीएम मशीन से रुपये निकाल लेता था।

पर्यावरण दिवस पर महिलाओं को किया सम्मनित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्योर हार्ट्स के एक प्रयास से 11,000 से अधिक महिलाएं अब तक मेंस्ट्रूअल कप अपना चुकी हैं। इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान देने वाली इन महिलाओं के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर प्योर हार्ट्स संस्था द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्योर हार्ट्स संस्था और गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग ने मिलकर पर्यावरण दिवस के मौके पर फर्रुखनगर स्थित सरकारी अस्पताल में महिलाओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला

स्वास्थ्य विभाग गुरुग्राम व प्योर हट्र्स संस्था की ओर से महिलाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मानित करते सीएमओ।

स्वास्थ्य विभाग के सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव और विशिष्ट अतिथि डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. जे. पी. राजलीवाला ने शिरकत की। डा. वीरेंद्र यादव ने कहा कि प्योर हार्ट्स मेरी पहचान द्वारा 11 हजार महिलाएं जुड़ी हैं, जोकि बहुत खुशी की बात है। आगे भी और महिलाएं जुड़ेंगी, उसकी उम्मीद है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पूरी मदद की जाएगी। यह हमारे पर्यवारण के लिए अभी बेहद जरूरी है।

आईटीआई में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरूः जयदीप

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग पंचकुला द्वारा दाखिले का शेडयूल जारी कर दिया गया है। दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी 21 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन विभागीय वेबसाइट पर स्वीकार किए जाएंगे।

संस्थान के प्रधानाचार्य जयदीप कादियान ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम में दाखिले के लिए सीटें उपलब्ध हैं। दाखिले के लिए इच्छुक अभ्यर्थी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, आकार संपर्क कर सकते हैं। दाखिले से संबंधित दिशा-निर्देश के लिए विवरण पत्रिका, संस्थानों की सूची और दाखिले के लिए उपलब्ध संस्थान वार सीटों की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। आईटीआई में दाखिला विभिन्न चरणों के लिए मेरिट एवं सीट अलॉटमेंट जारी होने के पूर्ण कार्यक्रम के बारे मे सूचना वेबसाईट पर 7 जून से उपलब्ध होगी। विद्यार्थियों का शैक्षिणीक योग्यता, आरक्षण व स्थाई निवासी आदि मूल-प्रमाण पत्रों की स्कैन प्रतिया दाखिला फॉर्म के साथ ही अपलोड करनी होगी।

विद्यालयों में लगाए जाएंगे स्वास्थ्य जागरुकता व टीकाकरण शिविर

गुरुग्राम। बच्चों में बीमारियों की संभावना कम करने के लिए विद्यालयों में व्यापक स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया जाना चाहिए। शिक्षा विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा विद्यालयों में सेहत के प्रति जागरुकता के कैंप लगाकर हर बच्चे के टीकाकरण चक्र को पूरा किया जाए। यह बात अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा ने कही। वे टीकाकरण अभियान के लिए डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस आयु में बच्चे को जो टीका लगाया जाता है, वह यदि छूट गया है तो उसे अब लगाना सुनिश्चित करें।

पर्यावरण है तो हम हैं: बोधराज सीकरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में माधव आश्रम, नारी तू नारायणी एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि गुरुग्राम के कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-46 के सामुदायिक केंद्र में वायु शुद्धिकरण एवं पर्यावरण के प्रति समाज के लोगों के जागरण अग्निहोत्र हवन यज्ञ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 हवन कुंडों पर हवन किया गया।

कार्यक्रम में अग्निहोत्र की जानकारी माधव आश्रम भोपाल की संचालिका नलिनी माधव ने दी। समाज सेवी बोध राज सीकरी ने पर्यावरण पर विचार व्यक्त किए। वेदों ग्रंथों का माध्यम से सिद्ध किया कि विश्व के सबसे बड़े पर्यावरणविद्ध मर्यादा पुरुषोत्तम राम और योगिराज कृष्ण थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण वह है जो कि प्रत्येक जीव के साथ जुड़ा हुआ है और हमारे चारों तरफ वह हमेशा व्याप्त होता है। सामान्य अर्थों में यह हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सेक्टर-46 के सामुदायिक केंद्र में हवन यज्ञ में भाग लेते लोग।

और अजैविक तत्वों, तथ्यों, प्रक्रियाओं और घटनाओं के समुच्चय से निर्मित इकाई है।

बता दें कि इस कार्यक्रम में स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा भी कुछ विशेष प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें मिट्टी के बर्तनों का उपयोग, मिलेट्स (मोटे अनाज), थैला बैंक, बायो एंजाइम, कचरे का पुनः उपयोग, गर्म हवाओं से बचने का उपाय की जानकारी दी गई।

सभी घरों तक नहीं पहुंच रही कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां

● लोग सार्वजनिक स्थलों पर फेंकने को विवश हैं घरों का कूड़ा, फैल रही गंदगी

● समस्या को लेकर निगमायुक्त से मिले मंगतराम बागड़ी, व्यवस्था में सुधार का मिला आश्वासन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम वार्ड 10, नया घोषित वार्ड 33 के पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मंगत राम बागड़ी ने वार्ड अंतर्गत लक्ष्मण विहार व सेक्टर-4 आदि इलाकों में सीवर लाइनों और जीटियों आदि की सफाई की मांग को लेकर निगम आयुक्त से मुलाकात की। मांग पत्र सौंपने के दौरान दिनेश रावत अध्यक्ष (गढ़वाल सभा, गुरुग्राम), लल्लू सिंह, दीपक शर्मा, पूरन सिंह आदि मौजूद रहे।

निगम कार्यालय पहुंचे पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी ने निगम आयुक्त को मांग पत्र सौंप कर क्षेत्र की सफाई समस्या से अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था में काफी कमियां हैं, कूड़ा कलेक्शन के लिए गाड़ियां लोगों के घरों तक नियमित रूप से नहीं पहुंच पा रही हैं। इसके कारण लोग अपने घरों का कूड़ा सार्वजनिक स्थलों पर फेंकने को विवश होते हैं और इससे वार्ड में गंदगी फैल रही है। निगमायुक्त ने सीवर लाइनों, जीटियो और मेन होल की सफाई एक्स ई एन अधिकारी की निगरानी में कराने के निर्देश दिए।

कूड़ा कलेक्शन व अन्य मुद्दों को लेकर निगमायुक्त को पत्र सौंपते पूर्व पार्षद मंगतराम बागड़ी।

बहुमत में आएगी हरियाणा की नायब सरकार

मुख्यमंत्री व मनोहर लाल से मिले जेजेपी के दो विधायक दे सकते हैं इस्तीफा, गोपाल कांडा ने भी की मुलाकात

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

जननायक जनता पार्टी के विधायक जोगी राम सिहाग तथा राम निवास सुरजाखेड़ा मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात के दौरान।

लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष के हाथों से बड़ा मुद्दा छीनने के लिए नायब सैनी सरकार ने अल्पमत से बहुमत में आने की कवायद तेज कर दी है। मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की जोड़ी ने इस दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं। बुधवार की रात से सीएम आवास पर शुरू हुआ बैठकों का दौर गुरुवार की शाम तक चलता रहा। नायब सरकार के अल्पमत में होने को लेकर कांग्रेस फील्ड में जमकर प्रचार कर रही है।

इस उठापटक के बीच जननायक जनता पार्टी के विधायक जोगी राम सिहाग तथा राम निवास सुरजाखेड़ा ने चंडीगढ़ पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ मुलाकात की। करीब एक घंटा चली इस मुलाकात को विधायकों द्वारा भले ही सामान्य मुलाकात करार दिया जा रहा है लेकिन इसे लेकर नई चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। जेजेपी के दोनो विधायकों द्वारा लोकसभा चुनाव के दौरान करनाल में भाजपा को समर्थन दिया गया था।

इसके बाद जेजेपी द्वारा दोनों के खिलाफ विधानसभा स्पीकर के पास दलबदल के तहत कार्रवाई की मांग को लेकर याचिका दायर कर दी गई। हरियाणा विधानसभा के सामान्य चुनाव अक्टूबर माह में होने हैं। ऐसे में बीच का रास्ता निकालते हुए दोनों विधायकों द्वारा जल्द ही इस्तीफा देकर भाजपा के लिए काम करने की चर्चा है। सीएम हाउस के सूत्रों के अनुसार दोनों विधायकों द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद सदन में विधायकों की संख्या कम होकर 85 रह जाएगी। जिसके बाद सरकार को बहुमत के लिए 43 विधायकों की जरूरत होगी। नायब सैनी के विधायक बनने के बाद भाजपा के सदन में 41 विधायक हो गए हैं।

एक निर्दलीय तथा एक हरियाणा लोकहित पार्टी के विधायक भाजपा को समर्थन दे रहे हैं। बदले हुए घटनाक्रम के बीच गुरुवार को सिरसा के विधायक गोपाल कांडा भी मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिलने के चंडीगढ़ आवास पर पहुंचे। गोपाल कांडा ने सिरसा की विकास परियोजनाओं को लेकर उनके साथ बातचीत की और सरकार को दिए जा रहे समर्थन को लेकर अपनी तरफ से भरोसा दिया। दो विधायकों के इस्तीफा देते ही नायब सैनी सरकार पर लगा अल्पमत वाला टैग हट जाएगा। जिसकी कवायद शुरू हो गई है।

हरियाणा विधानसभा के सदस्य बने नायब सिंह सैनी, ली शपथ

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी हरियाणा विधानसभा के सदस्य बन गए हैं। विधानसभा स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने गुरुवार को विधानसभा सचिवालय में नायब सैनी को बतौर विधायक पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही विधानसभा में विधायकों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। नायब सैनी ने करनाल विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल की है। जिसके बाद राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की तरफ से बुधवार को नायब सैनी की जीत का पत्र विधानसभा स्पीकर को भेजा गया था। इसके बाद नायब सैनी गुरुवार सुबह विधानसभा सचिवालय पहुंचे जहां स्पीकर ने उन्हें शपथ दिलाई। इस दौरान लोकसभा चुनाव में सिरसा हलके में कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा के लिए प्रचार करने वाले जननायक जनता पार्टी के विधायक देवेंद्र बबली भी यहां पहुंचे।

जजपा-इनेलो को जनता ने नकारा

- इनेलो ने सात सीटों पर चुनाव लड़ा, वोट शेयर रहा 1.74 फीसदी
- जजपा ने 10 सीटों पर लड़ा चुनाव, कुल एक लाख वोट ही मिले

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

क्षेत्रीय दलों में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) का वर्चस्व ढह रहा है। कभी केंद्र की सत्ता की धुरी रही, इनेलो अब राजनीति में हाशिये पर पहुंच गई है। क्षेत्रीय दलों के तौर पर इनेलो की न केवल केंद्र की सत्ता में हिस्सेदारी होती थी, बल्कि इनेलो के जनक चौधरी देवीलाल देश के उपप्रधानमंत्री भी रहे हैं। मगर पिछले 5 सालों में इनेलो के लिए सियासी समीकरण विपरीत साबित हो रहे हैं। इनेलो के ढोल में न केवल पोल घटा है, बल्कि क्षेत्रीय दल के तौर चुनाव चिन्ह छिनने की नौबत तक आ गई है।

2024 के लोकसभा चुनाव में इनेलो ने सात सीटों पर चुनाव लड़ा। करनाल सीट पर एनसीपी के वीरेंद्र मराठा को समर्थन दिया। वहीं भिवानी-महेंद्रगढ़ और रोहतक में इनेलो ने प्रत्याशी नहीं उतारा। जबकि इनेलो से टूटकर बनी जननायक जनता पार्टी ने सभी 10 सीटों पर प्रत्याशी जरूर उतारे, लेकिन सभी पर प्रदर्शन निराशाजनक ही रहा। महज 1 लाख 13 हजार 827 वोटों के साथ वोट शेयर 0.87 फीसदी पर सिमट गया, जबकि 2019 में जजपा का वोट शेयर तकरीबन पांच फीसदी था।

इनेलो को 1.74 फीसदी वोट शेयर के साथ 2 लाख 26 हजार 975 वोट मिले। इनमें से इनेलो के एक प्रत्याशी को नोटा से कम वोट मिले तो चार प्रत्याशी चौथे स्थान रहे और कुरुक्षेत्र व सिरसा प्रत्याशियों का प्रदर्शन संतोषजनक जरूर रहा, मगर वह अपनी जमानत नहीं बचा पाए।

बसपा का वोट शेयर गिरा

बसपा ने सभी 10 सीटों पर प्रत्याशी उतारे, मगर रोहतक प्रत्याशी ने अपना पर्चा वापस लेते हुए कांग्रेस प्रत्याशी दीपेंद्र हुड्डा का समर्थन किया। 9 सीटों पर बसपा के खाते में 16 लाख वोट आए, जिससे वोट शेयर 1.28 फीसदी पर सिमट गया, जोकि 2019 के मुकाबले 2 फीसदी कम है।

इनेलो का सिरसा और कुरुक्षेत्र में संतोषजनक प्रदर्शन रहा। सिरसा प्रत्याशी संदीप लोट को 92 हजार 453 वोट मिले तो कुरुक्षेत्र से अभय चौटाला को 78 हजार 708 वोट हासिल हुए। इसके साथ ही अंबाला में गुरप्रीत सिंह को 8986, फरीदाबाद में सुनील तेवतिया को 8085, गुरुग्राम में सौराब खान को 4917 (नोटा से कम), सोनीपत में अनूप दहिया को 11523 वोट मिले। हिसार के रण में देवीलाल परिवार के तीन सदस्य आमने-सामने थे। रणजीत चौटाला ने भाजपा की ओर से चुनाव लड़ा और कांग्रेस प्रत्याशी जेपी को कड़ी टक्कर दी। वहीं हिसार में देवरानी और जेठानी का मुकाबला भी रोचक रहा। इनेलो प्रत्याशी सुनैना चौटाला 22 हजार 303 वोटों के साथ चौथे नंबर पर रहीं, जबकि उनकी जेठानी और बाढडा से मौजूदा विधायक नैना चौटाला को महज 22 हजार 32 वोट ही मिले। इस लिहाज से देवरानी यानी सुनैना चौटाला को 271 वोट अपनी जेठानी नैना चौटाला से ज्यादा मिले, जबकि उनके चाचा ससुर रणजीत चौटाला को पांच लाख 7 हजार वोट मिले, जोकि कांग्रेस प्रत्याशी जेपी से 63 हजार 381 वोटों से हार गए।

मंत्रियों ने अफसरों से मांगी योजनाओं की स्टेटस रिपोर्ट

- मंत्री बनने के बाद पहली बार ली बैठक

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मंत्री अब एक्शन मोड में आ गए हैं। प्रदेश में हुए फेरबदल के बाद लगी आचार संहिता के कारण नए मंत्री कामकाज शुरू नहीं कर पाए थे। मंत्रियों ने गुरुवार से अपने दफ्तरों का कामकाज संभाल लिया।

उद्योग मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा आगामी तीन माह में लंबित परियोजनाओं को तेजी देगी। वहीं उन्होंने चुनाव परिणामों पर स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने भ्रम फैलाया है। संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने पर कांग्रेस ने जनता के सामने झूठ बोला, क्योंकि कांग्रेस का काम झूठ बोलना है। कांग्रेस ने पिछले 60 सालों में इतने विकास कार्य नहीं किए, जितने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 10 सालों में हुए हैं।

खेल राज्यमंत्री संजय सिंह ने कहा कि भाजपा को जनसमर्थन मिला है। हालांकि भाजपा अपना 400 पार का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई, लेकिन फिर भी तीसरी बार केंद्र में एनडीए की सरकार बनी है।

वित्तमंत्री जेपी दलाल ने कहा कि लोकसभा चुनावों के नतीजों की समीक्षा की गई है। भाजपा ने 44 हलकों में जीत दर्ज की है, जहां पर भाजपा कमजोर रही है, वहां मजबूत रणनीति के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू की जाएंगी। विकास परियोजनाओं को गति देने और आमजन के लंबित कामों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। वित्त मंत्री ने माना कि किसान आंदोलन और विपक्ष का संविधान बचाने के मुद्दे से भी चुनाव प्रभावित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाया गया, जिससे जनता भ्रमित हुई।

विधानसभा भंग कर चुनाव कराएं राज्यपाल: हुड्डा

- पूर्व मुख्यमंत्री ने 10 जून को बुलाई कांग्रेस विधायक दल की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

अपने आवास पर संवाददाताओं को संबोधित करते पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है। अल्पमत की सरकार को नैतिकता के आधार पर स्वयं इस्तीफा दे देना चाहिए। राज्यपाल को विधानसभा भंग कर नए चुनाव कराने चाहिए। इस मुद्दे पर चर्चा के लिए 10 जून को कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। हुड्डा गुरुवार को अपने निवास पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. उदयभान, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश, अंबाला के नवनिर्वाचित सांसद वरुण मुलाना, सोनीपत से नवनिर्वाचित सांसद सतपाल ब्रह्मचारी की मौजूदगी में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मतदाताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि 2019 के चुनाव में कांग्रेस को 28 फीसद वोट मिला था जो इस बार बढ़कर करीब 48 फीसद हो गया। वहीं भाजपा का वोट प्रतिशत जो पिछले चुनाव में करीब 58 फीसद था वो घटकर 46 फीसद रह गया। 2019 के चुनाव में जहां कांग्रेस को एक भी लोकसभा सीट नहीं मिली थी, वहीं इस बार 10 में से 5 सीटों पर न सिर्फ जीत हुई, बल्कि 46 हलकों में कांग्रेस आगे रही। ये स्पष्ट संकेत हैं कि राज्य में आने वाली सरकार कांग्रेस पार्टी की बनेगी।

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में 15 जून तक करें आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में शैक्षिणक सत्र 2024-2025 में दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 23 मई से जारी है जिसकी अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई है। संस्थान के निदेशक प्रो. अनिल मित्तल ने बताया कि विद्यार्थी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) और मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए - 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रैक्टिस ओरिएंटेड प्रोग्राम में ऑनलाइन पंजीकरण आईयूएमएस पोर्टल पर कर सकते हैं। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि दोनों कार्यक्रमों में सिर्फ 60-60 सीटें उपलब्ध हैं। उम्मीदवारों का चयन एक सामान्य प्रवेश परीक्षा, समूह चर्चा (जीडी) और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन 22 जून को प्रात: 10 बजे किया जायेगा।

सिविल सचिवालय में दो माह बाद आए मंत्री

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद हरियाणा सिविल सचिवालय में रौनक लौट आई है। गुरुवार को चौथे फ्लोर से लेकर आठवीं मंजिल पर खूब गहमा-गहमी रही। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुरुवार सुबह विधायक पद की शपथ लेने के बाद चौथे फ्लोर पर अफसरशाही के साथ बैठक कर आगामी 100 दिनों के विकास कार्यों का रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। यही नहीं मुख्यमंत्री ने संत कबीर कुटीर सीएम आवास पर भी जनसमस्याएं सुनीं। लोकसभा चुनाव के नतीजे चौकाने वाले रहे। भाजपा और कांग्रेस के खाते में पांच-पांच सीटें आई। लिहाजा भाजपा- कांग्रेस ने हार पर मंथन शुरू कर दिया है।

अब रूठे कार्यकर्ताओं को मनाएगी भाजपा

- पांच सीटों पर हार के बाद याद आए पुराने वर्कर
- विधायक, मंत्री, सीएम करेंगे गांवों में प्रवास

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

लोकसभा चुनावों में पांच सीटों पर मिली हार के बाद भारतीय जनता पार्टी एक्टिव मोड पर आ गई है। हार से सबक लेते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी विधायकों को 90 दिन का टास्क देकर फील्ड में उतार दिया है। वह स्वयं भी फील्ड में ही रहेंगे। बुधवार की रात मुख्यमंत्री ने आनन-फानन में विधायक दल की बैठक बुलाई। यह बैठक देररात तक चली जिसमें सभी विधायकों ने लोकसभा चुनाव के बारे में अपना-अपना फीडबैक दिया। बैठक में यह बात सामने आई कि दूसरे दलों से आने वाले लोगों को सरकार में खास स्थान देने तथा पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी के कारण इस चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। दूसरे दलों से आए हुए नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भाजपा की रीति-नीति के अनुसार काम नहीं किया और पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता अपने घरों में रहे।

बैठक में यह फैसला लिया गया है कि पार्टी के सांसद, विधायक तथा मंत्री अपने-अपने हलकों में रूठे हुए कार्यकर्ताओं को मनाने के लिए उनके साथ मुलाकात करेंगे और उन्हें दोबारा पार्टी के साथ जोड़ेंगे। बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ कि अक्टूबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले गांवों में प्रवास किए जाएंगे। लोगों के साथ केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं पर संवाद होगा। समर्पित कार्यकर्ताओं के घर जाकर उन्हें मान सम्मान दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर समर्पित व निष्ठावान कार्यकर्ताओं को सरकार व संगठन में अहम पदों पर जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। रात्रि प्रवास के दौरान कार्यकर्ताओं के साथ सरकार और संगठन के मंत्री, पदाधिकारी मन की बात कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। बैठक में शामिल विधायक जगदीश नायर ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि अब सभी विधायक, मंत्री अपने-अपने हलकों में रात्रि प्रवास करेंगे।

फरवरी-मार्च में बजट सत्र के चलते विकास कार्य प्रभावित हुए थे। इसके बाद लम्बी आचार संहिता की वजह से नये कार्यों की शुरूआत नहीं हो पाई। सीएम ने सभी विधायकों को कहा है कि वे रुके हुए कार्यों को जल्द पूरा करवाएं। साथ ही, नये कार्यों की भी जल्द मंजूरी करवा कर उन पर काम शुरू करवाने को कहा है। उन्होंने ग्राउंड पर आम लोगों को प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान-पत्र या किसी भी वजह से आ रही दिक्कतों को जल्द ठीक करवाने को कहा है। विधायकों ने बताया कि चुनाव के दौरान अधिकारियों ने भाजपा नेताओं को जरूरी परमिशन देने में भी आनाकानी की।

कुरुक्षेत्र विवि की नई टीम ने संभाला कार्यभार

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार आईआईएचएस के प्रो. महासिंह पूनिया ने लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक व आईआईएचएस की डॉ. जिम्मी शर्मा ने लोक सम्पर्क विभाग के उपनिदेशक का कार्यभार संभाला। वहीं सोशल वर्क विभाग के प्रो. रमेश कुमार भारद्वाज ने प्रॉक्टर का कार्यभार गुरुवार को संभाला। आईआईएचएस के प्रो. विवेक चावला ने गुरुवार को युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक का कार्यभार संभालते हुए विवि को लोककला एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अग्रणी बनाने की बात कही। सभी नवनियुक्त अधिकारियों ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार प्रकट किया। इस मौके पर प्रो. परमेश कुमार, प्रो. अनिता दुआ, डॉ. अमित कम्बोज, कुवि एलुमनी एसोसिएशन के संयुक्त सचिव सौरभ चौधरी, डॉ. मधुदीप, डॉ. आबिद अली, डॉ. कंवरदीप, डॉ. कुलदीप, डॉ. सुशील टाया मौजूद थे।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर अमृतसर में हालात तनावपूर्ण

- दरबार साहिब में गूंजे खालिस्तानी नारे, भिंडरावाले के पोस्टर लहराकर उठाई खालिस्तान की मांग

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

दरबार साहिब परिसर में भिंडरावाले के पोस्टर लहराते खालिस्तानी समर्थक।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के मौके पर अमृतसर में हालात तनावपूर्ण बन गए हैं। कई गरमपंथी सिख संगठनों ने बृहस्पतिवार को अमृतसर बंद का ऐलान किया है। उधर दरबार साहिब परिसर में अखंड पाठ साहिब के भोग डाले गए। दरबार साहिब के हैड ग्रंथी ने अरदास करवाई।

इस कार्यक्रमों के आयोजन के बीच खडूर साहिब से सांसद कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह की मां बलविंदर कौर तथा फरीदकोट से सांसद चुने गए सरबजीत सिंह खालसा जब दरबार साहिब पहुंचे तो भारी संख्या में मौजूद नौजवानों ने हाथों में भिंडरावाले के पोस्टर लेकर तलवारें लहराते हुए उनका स्वागत किया। यहां करीब एक घंटे तक खालिस्तानी समर्थकों ने नारे लगाते हुए खालिस्तान की मांग की। अमृतपाल की मां बलविंदर कौर पहले ही वहां से चली गईं लेकिन नए सांसद खालसा ने यहां रहकर एसजीपीसी के पदाधिकारियों के साथ मुलाकात की। आप्रेशन ब्लू स्टार की बरसी के मौके पर सरबजीत सिंह खालसा व अमृतपाल के परिवार को सम्मानित भी किया गया। अमृतसर बंद की कॉल को देखते हुए यहां पुलिस ने दरबार साहिब की तरफ जाने वाले सभी रास्तों पर नाकाबंदी की हुई है।

पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर स्वयं शहर में गश्त की अगुवाई कर रहे हैं। अकाल तख्त साहिब पर अरदास के बाद सिख संगठनों ने दल खालसा के बैनर तले शहर में मार्च भी निकाला। इस दौरान जहां खालिस्तानी नारे गूंजे वहीं कई युवा हाथों में भिंडरावाले की तस्वीरें लिए हुए थे।

PUBLIC NOTICE

The Public at large is hereby informed that Late Shri Vineet Chawla S/o Late Shri P.L Chawla R/o 33,Surya Niketan, Delhi 110092 was having residential property in joint ownership along with his wife Smt Neeti Chawla, in our project - Vatika India Next which his legal heirs Jiya Chawla, Advittyaa Chawla and Neeti Chawla requested the company to be transfer to Mrs Neeti Chawla and Mr. Advittyaa Chawla. Any person having any objection on this please may contact the company officer details as under within 15 days after which No Claim would be accepted.

Vatika Limited
A-002, Ground Floor, Block A,
Vatika INXT City Centre, Sector-83,
Gurugram, Haryana, INDIA - 122012

PUBLIC NOTICE

It is informed to the public at large that the Jammu and Kashmir Bank Ltd., Sector-18, Noida. (IP) is desirous of sanctioning Housing Loan Facility in favour of Sh. Kulwant Singh S/o Sh Gopal Singh and Smt Rita Rautela W/o Sh. Kulwant Singh, for purchasing built-up Flat No 4101. Tenth Floor. Sapna Ghar CGHS Ltd.. Plot No. 6B, Sector 11, Dwarka, New Delhi. If anyone has any objection or claim the title/rights of the said property, please contact the undersigned within 7(Seven) days of this Public Notice.

The Jammu and Kashmir Bank Ltd.
Sector-18, Noida, (U.P.) M.No. 9958335360

PUBLIC NOTICE

"It is to inform to the public at large that Mr. Shadi Lai has acquired Plot area measuring 300 sq. yrds., Khewat No. 62/56, Khatoni No. 75, Mu. No. 45, Kila No. 4(8-0), situated at Village Agwanpur, Tehsil & Distt. Faridabad, Haryana vide regd. GPA dt. 21.11.2014 executed by Mr. Ashwani Goyal, Now Mr. Shadi Lai is the undisputed owner of above said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Giri (Advocate) "H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi 110024"

PUBLIC NOTICE

"It is to inform to the public at large that Mrs. Bharti Aggarwal has acquired One Flat on Left Side Portion of Third Floor with roof rights, Built up Property No. 544, area 98 sq. yrds., Khasra No. 58/4, situated in the area of Village Khujeji Khas, Guru Ram Dass Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi vide Regd. GPA dt. 13.05.2005 executed by Mr. D.K. Bhargava and Mr. Narender Goel along with ATS, Now Mrs. Bharti Aggarwal is the undisputed owner of above said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Giri (Advocate) "H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi 110024"

PUBLIC NOTICE

"It is to inform to the public at large that Mr Shailendra Nigam has acquired Built up Upper Ground Floor without roof rights area 61 sq. yrds., Built up Property bearing No. 80. Khasra No. 67/8 & 67/9, situated at Village Hastsal Delhi, colony known as Om Vihar. Phase-V, Uttam Nagar. New Delhi vide Sale Deed dt. 25.08.2020 executed by Mr. Prashant Goel. Now Mr. Shailendra Nigam is the undisputed owner of above said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client

Ajay Giri (Advocate) "H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi 110024"

PUBLIC NOTICE

"It is to inform to the public at large that Mr. Pawan Kumar has acquired Plot No. 20, area 27 sq. yrds., Khasra No. 524, situated in the colony known as Sadh Nagar, Palam Colony in the area of Village Nasirpur Delhi vide GPA dt. 12.06.2001 executed by Mrs. Renu Saini, Now Mr. Pawan Kumar is the undisputed owner of above said property.

OR

Any person / firm / institution I company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Giri (Advocate) "H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi 110024"

प्रारूप संख्या आई एन सी- 25A

सार्वजनिक कंपनी को निजी कंपनी में संपरिवर्तन के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाने वाला विज्ञापन

क्षेत्रीय निदेशक, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय उत्तरी क्षेत्र के समक्ष, नई दिल्ली कंपनी अधिनियम, 2013 के मामले में, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 का नियम 41 के मामले में

और

मेसर्स क्लियरहेड कंसल्टेंट्स लिमिटेड (CIN: U74110UP1995PLC199374) के मामले में जिसका पंजीकृत कार्यालय यूनिट नंबर 620, टॉवर एस्ट्रालिस बिल्डिंग, सुपरनोवा सेक्टर -94, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर -201301 यूपी में है।

आवेदक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यह कंपनी उपरोक्त नियमावली के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 के तहत केंद्र सरकार के पास आवेदन करने तथा ऐसे रूपांतरण को प्रभावी करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए 24 मई, 2024 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित होने की इच्छुक है। कंपनी के प्रस्तावित परिवर्तन थ् स्तिथि के कारण, यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होने कि सम्भावना है, तो वह व्यक्ति, इसका कारण देते हुए आपत्ति हलफनामे में उल्लेख करत हुए, जिसमे उनके हित थ् विपक्ष के आधार हों, इस सूचना के छपने के चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, बी -2 विंग, दूसरा तल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ काम्प्लेक्स, नई दिल्ली -110003 को पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित करें तथा इसकी कॉपी आवेदक कंपनी को पंजीकृत पते 620, टॉवर एस्ट्रालिस बिल्डिंग, सुपरनोवा सेक्टर -94, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर -201301 में भी भेज दें।

आवेदक के लिए और उसकी ओर से
मैसर्स क्लियरहेड कंसल्टेंट्स लिमिटेड, हस्ता/-
मीना सिंह (निदेशक)
डीआईएन: 07186789

तारीख: 04/06/2024
स्थान: नोएडा"

पंजीकृत कार्यालय का पूरा पता: यूनिट नंबर 620, टावर एस्ट्रालिस बिल्डिंग, सुपरनोवा सेक्टर-94, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301 उ.प्र

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Suman W/o Virender Singh and D\o Badlu Ram Yadav bearing permanent Account Numer (PAN), KRKPS2825G resident of House No.256, Kapashera, South West Delhi-110037, I hereby declare that Suman and Hirnwati is the one and the same person. Hanceforth I shall be known as Suman for all future purpose.

PD(501)C

I, Mahipal Singh S/o Narendra Singh Bhandari R/o Flat No. B-106D, Rajat Vihar, Sector-62, Noida, UP-201301 have changed my name to Mahipal Singh Bhandari for all purposes.

PD(502)C

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Veena Manglik, Gaurav Manglik & Saurabh Manglik claims to be owner and in possession of Flat No. 504, Dwarka-4, Tower No. 20 in Gulmohur Garden, Raj Nagar Extn. Ghaziabad, U.P. (herein after called the said property) having inherited half undivided share in the said property after the death of Ajay Kumar Manglik who expired on 10.04.2023, said Ajay Kumar Manglik and Veena Manglik were the Joint owners of the said property vide Sale deed dated 15.01.2020 reg. vide doc no. 557 & said Veena Manglik, Gaurav Manglik & Saurabh Manglik have agreed to sell the said Property to Jagan Sharma & Meenu Sharma and said Jagan Sharma & Meenu Sharma has agreed to create a mortgage in favour of our clients Axis Bank Limited , Axis House Sector 128, Noida U.P.,any person/s having claim against the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, lien or otherwise howsoever, are hereby intimated to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Vishal Diwan (Advocate)
For Diwan and Company LLP
H. No.2 (LGF), NRI Complex New Delhi-19
Mobile No. 9818399999

आंचल AANCHAL

पशु आहार निर्माण शाला, रूद्रपुर
किच्छा बाईपास रोड, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) फोन नं: 05944-242552
Email: aanchalcattlefeed@gmail.com Web Site: www.ucdfaanchal.org

Ref No. : 724-27/निविदा सूचना/2024-25 Date : 06 June, 2024

E-Procurement Notice
Tender Notice no. 01/CFP/SilagePro/JobWork/ 2024-25, Date-06.06.2024

E-tender are invited by the undersigned, from only experienced, reputed and financially sound Silage Manufacturers for the following Work so as to reach this office on or before 17.06.2024 up to 5.00 PM. The tenders will be opened on 18.06.2024 at 11.00 AM.

S.N.	Name of work	Details
1.	Production of Silage (50-60 kg Pack) Work Charges/Job Work Basis at Cattle Feed Factory Rudrapur.	Tender Fee & EMD, T&C and other related details can be seen on E-tender portal

Tender documents may be downloaded/uploaded from E-Tender Portal http://www.uktenders.gov.in. Tender documents available in http://www.uktenders.gov.in from 07.06.2024.

General Manager
Cattle Feed Factory
Rudrapur

चुनाव परिणाम
जटिल व्याख्या

चुनाव परिणाम की व्याख्या बहुत जटिल है। भारतीय राजनीति के बारे में पूर्वानुमान करना मानसून की भविष्यवाणी या अगले विश्व कप विजेता पर दांव लगाने जैसा है। आमतौर से चुनाव परिणाम परंपरागत समझ को खारिज करते हैं और वे सबसे ज्यादा चालाक राजनीति शास्त्रियों को भी आश्चर्यचकित कर देते हैं। अकेली सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा पूर्ण बहुमत से थोड़ा पीछे रह गई है, जबकि 100 से थोड़ा पीछे रह जाने वाली कांग्रेस इसे ही अपनी 'नैतिक विजय' बता कर उत्सव मना रही है। कांग्रेस नीत विपक्ष ने पूरे चुनाव प्रचार में भाजपा के खिलाफ जनता में भ्रम पैदा करने तथा संविधान और लोकतंत्र के 'खतरे' में होने का शोर मचाया। वह मतदाताओं के एक हिस्से में यह भ्रम पैदा करने में भी सफल हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी 400 सीटें पाने के बाद 'आरक्षण' समाप्त कर सकते हैं। यह दुष्प्रचार इतना अधिक था कि भाजपा को रक्षात्मक स्थिति में आना पड़ा। उसने कहा कि पिछले दो कार्यकाल में पूर्ण बहुमत प्राप्त होने के बावजूद भाजपा ने आरक्षण पर यथास्थिति बनाए रखी है। भाजपा ने यह मुद्दा भी उठाया कि कांग्रेस शासित राज्यों ने एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण में मुस्लिम जातियों को शामिल कर उनको नुकसान पहुंचाया है, जबकि संविधान धर्म-आधारित आरक्षण की इजाजत नहीं देता है। कोलकाता उच्च न्यायालय ने इस संबंध में उल्लेखनीय निर्णय दिया था, लेकिन संभवत: समय कम होने के कारण भाजपा अपनी बात पूरी तरह मतदाताओं तक पहुंचा नहीं पाई।

विपक्ष के दुष्प्रचार तथा कुछ अन्य कारणों से संसद में अधिकांश सीटों पर कब्जा करने के बावजूद भाजपा पिछले दो लोकसभा चुनावों की तुलना में

अपनी सीट संख्या बढ़ाने में विफल रही। इस परिघटना को अनेक आयामों से जोड़ा जा सकता है, जिसमें सत्ता-विरोधी भावनायें, मतदान पैटर्न में क्षेत्रीय विविधतायें व 'इंडिया' समूह का उभार, जनता की आर्थिक कठिनाइयां तथा अनेक अन्य चीजें शामिल हैं। विपक्ष तथा उसके समर्थक बुद्धिजीवी इसे भाजपा की 'विजय के बावजूद पराजय' बता रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस पिछले दो लोकसभा चुनावों की तुलना में अपनी शक्ति बढ़ाने में सफल हुई है, पर लगातार तीसरी बार सत्ता से वंचित होने के बावहूद इसे वह अपनी 'नैतिक विजय' मानती है। कांग्रेस ने 'राजग' में शामिल तेदेपा नेता चंद्रबाबू नायडू तथा जदयू नेता नीतीश कुमार पर डोरे डालने के प्रयास किए, पर इन प्रयासों में विफल होने के बाद अंतत: उसने फिलहाल अपनी 'सत्ता की दावेदारी' छोड़ दी है। राजग ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना नेता चुन लिया है और वे तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इस प्रकार मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की बराबरी कर लेंगे जो लगातार तीन बार सरकार बनाने में सफल हुए। चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनके अगले कार्यकाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई और तेज होगी तथा वे भारत को 'विकसित' देश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। विडंबना है कि विपक्ष अब भी शेखचिल्ली की तरह राजग में मतभेद विकसित होने की उम्मीद में है। राजग में शामिल अन्य परिपक्व नेताओं की तरह चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार 'विकसित भारत' की इस यात्रा में भाजपा के मजबूत साथी हैं। भाजपा ने तेदेपा के साथ मिल कर आंध्र प्रदेश में सरकार बनाई है और नीतीश कुमार बिहार के विधानसभा चुनाव में राजग का मुख्यमंत्री चेहरा हैं। ऐसे में राजग की मजबूती पर किसी शक तथा मोदी पर सहयोगियों के 'दबाव' की कल्पना का कोई औचित्य नहीं है।

मोदी सरकार का संभावित एजेंडा

मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में परिवर्तनकारी व महत्वाकांक्षी कदम उठाएगी ताकि भारत के समक्ष उपस्थित अनेक चुनौतियों का सामना कर अवसरों का लाभ उठाया जा सके।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग की सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में परिवर्तनकारी व महत्वाकांक्षी कदम उठाएगी ताकि भारत के समक्ष उपस्थित अनेक चुनौतियों का सामना कर अवसरों का लाभ उठाया जा सके। हालांकि, वर्तमान लोकसभा चुनाव परिणामों ने बहुत से लोगों को आश्चर्यचकित किया है, पर इसके पहले भी अनेक चुनावों में आश्चर्यजनक परिवर्तन सामने आए हैं। भारत का स्थायित्व इस बात पर निर्भर है कि देश में सत्ता हस्तांतरण बहुत सहज ढंग से करने की क्षमता मौजूद है। वर्तमान लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आ गए हैं और विजेता की घोषणा हो गई है। अपने लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए भारत को स्थिर सरकार की जरूरत है। इसके साथ ही विपक्ष का भी मजबूत होना जरूरी है। भारतीय मतदाताओं ने इस बार भी मजबूत विपक्ष देने के साथ ही स्थिर व मजबूत सरकार बनाने में सफलता पाई है। लोकसभा चुनाव में सात चरणों में मतदान के बाद 4 जून को घोषित परिणामों से स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। हालांकि, अनेक क्षेत्रीय पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' ने भी चुनावों में तुलनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन किया, पर वह सत्ता से बहुत दूर रह गया है।

भारत में चुनाव परिणाम अक्सर आश्चर्यचकित करते रहे हैं। 2004 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन 'संप्रग' ने सरकार बनाई थी जो तत्कालीन भाजपा सरकार के 'इंडिया शाइनिंग' अभियान के विफल होने से संभव हुआ था। इन चुनाव परिणामों के बावजूद सत्तारूढ़ पार्टी तथा विपक्षी समूह को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दावा किया है कि उनकी पिछले दस साल की सत्ता केवल 'झांकी' थी और 'असली फिल्म' उनके तीसरे कार्यकाल में दिखाई देगी। मोदी ने कहा है, 'तीसरे कार्यकाल में बड़े निर्णयों की प्रतीक्षा करें। मैं पहले से ही ऐसे रोडमैप पर काम कर रहा हूं जिसे जल्दी पूरा किया जाएगा।'

मोदी के तीसरे कार्यकाल की महत्वाकांक्षा न केवल सभी क्षेत्रों में अपनी विरासत छोड़ना है, बल्कि वे अनेक साहसी कदम उठाना चाहते हैं। वे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के तीन कार्यकाल में हुए कामों का रिकार्ड भी तोड़ने का प्रयास करेंगे। लेकिन उनकी इस महत्वाकांक्षा के समक्ष अनेक चुनौतियां भी हैं। इनमें जनता की राय और पार्टी की आंतरिक गत्यात्मकतायें भी हैं जिनसे राजनीतिक परिदृश्य काफी सीमा तक प्रभावित हो सकता है। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के पिछले दो कार्यकालों की काफी उपलब्धियां हैं, पर 'मोदी-3' सरकार के समक्ष अनेक चुनौतियां भी होंगी। इनमें कोरोनावायरस वैश्विक महामारी के दुष्प्रभावों से निपटने, सामाजिक अशांति के कुछ कारकों को संबोधित करने तथा विदेश नीति संबंधी मुद्दों से निपटने के साथ ही मतदाताओं के विविधतापूर्ण समूहों की उम्मीदें पूरी करना शामिल है। मोदी को अभी भाजपा के कुछ प्रमुख मुद्दों को लागू करना बाकी है। इन मुद्दों में 'समान नागरिक संहिता' और 'एक देश एक चुनाव' लागू करना शामिल है। इसके साथ ही भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना तथा भूमि और श्रम नीतियों में लगातार आवश्यक परिवर्तन जारी रखना भी शामिल हैं। पिछले तीन महीनों से मोदी सरकार, अगली सरकार बनने पर लागू करने वाली '125 दिवसीय योजना' पर काम कर रही थी। शुरुआत में 100 दिन की कार्ययोजना बनाई जा रही थी, पर बाद में उसका विस्तार 25 दिन और कर दिया गया। इस योजना में नौजवानों को केन्द्र में रखा गया है। इस एजेंडे में 50 से 70 प्रमुख लक्ष्य शामिल होंगे जिनको नई सरकार की दिशा और प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया जाएगा। इसके साथ ही मोदी के नेतृत्व में भाजपा रणनीतिक रूप से विरोधियों पर निशाना लगा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विरोधियों को बदनाम करने तथा संभवत: विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन तोड़ने का प्रयास कर सकते हैं। मोदी चाहते हैं कि देश में स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय चुनाव तक सभी एकसाथ हों जिसे वे 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का नाम देते हैं। इस परिवर्तन से चुनाव व्यवस्था ज्यादा सक्षम एवं संगठित हो जाएगी। लेकिन आशंका है कि इससे सत्तारूढ़ पार्टी के हाथ में सत्ता केन्द्रित हो जाएगी तथा चुनावों की बारंबारता घट जाएगी।

मोदी ने पहले ही अपने इस प्रस्ताव के लिए जमीनी काम कर लिया है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में एक समिति पहले ही लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एकसाथ कराने की संस्तुति कर चुकी है।

लेकिन इसके लिए परिसीमन करना होगा जिसके अंतर्गत संसदीय तथा विधानसभा चुनाव क्षेत्रों की सीमायें तय करनी होंगी। इसके पहले हर दशक में होने वाली जनगणना भी पूरी करनी होगी। परिसीमन के महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव होंगे। यह खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों के लिए महत्वपूर्ण होगा। सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत एक शपथपत्र के अनुसार परिसीमन के बाद लोकसभा सदस्यों की संख्या वर्तमान 543 के बजाय 888 तथा राज्यसभा सदस्यों की संख्या वर्तमान 250 से बढ़ कर 384 हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पिछले कार्यकाल में संसद की नई इमारत बनवा कर यह सुनिश्चित कर दिया है कि नई संसद में इतने लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों के बैठने और कामकाज करने की समुचित सुविधा होगी।

विडंबना है कि विपक्ष ने न केवल नई संसद इमारत की निर्माण परियोजना का विरोध किया था और सर्वोच्च न्यायालय तक इसके निर्माण के खिलाफ दरवाजा खटखटाया था, बल्कि उसने नई संसद के उद्घाटन में भी भाग नहीं लिया था। वैसे दक्षिण भारत को परिसीमन के बारे में चिन्ता है। दक्षिण भारतीय राज्यों में जनता द्वारा स्वैच्छिक रूप से परिवार नियोजन व्यापक रूप से स्वीकार करने के कारण उनकी जनसंख्या में कमी आई है। इसके कारण संभवत: परिसीमन प्रक्रिया के अंतर्गत दक्षिण भारत से आने वाले सांसदों की संख्या में 100 की कमी आएगी। इस समस्या के कारण 'उत्तर-दक्षिण विभाजन' जैसी स्थिति पैदा हो सकती है जिससे दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दलों में टकराव बढ़ेगा। भाजपा भारत के सभी नागरिकों पर लागू होने वाली 'समान नागरिक संहिता' पर जोर दे रही है, भले ही उनका धर्म चाहे जो हो। भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड ने इसके क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाए हैं तथा अन्य भाजपा शासित राज्य भी शीघ्र इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

भले ही समान नागरिक संहिता विभिन्न समुदायों की महिलाओं और बच्चियों को अनेक समस्याओं से मुक्ति दिलाने वाली सिद्ध हो सकती है, लेकिन इसके बावजूद बहुत से कट्टरपंथी इसका विरोध कर रहे हैं। इससे समाज में टकराव तथा कुछ धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों का विरोध सामने आ सकता है। चुनाव अभियान में विपक्ष के अनेक नेताओं ने चिन्ता प्रकट की थी कि भाजपा संविधान में परिवर्तन कर 'पंथनिरपेक्ष' शब्द हटा सकती है। उनका आरोप था कि प्रचंड बहुमत वाली मोदी सरकार संविधान की उद्देशिका में परिवर्तन कर 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्षता' शब्द हटा देगी जिनको 42वें संशोधन से जोड़ा गया था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

मोदी 'विकसित भारत' के माध्यम से भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं और इसके लिए विनिर्माण, तकनीक, ढांचागत संरचना तथा हरित ऊर्जा पर जोर देना चाहते हैं। लेकिन फंडिंग, क्रियान्वयन तथा सार्वजनिक स्वीकार्यता इसकी सफलता तथा भारतीय राजनीतिक परिदृश्य प्रभावित कर सकते हैं। विपक्षी दलों ने पिछले वर्षों में एक संयुक्त मोर्चा बनाने में सफलता पाई है। लेकिन इसके बावजूद वे तीसरी बार मोदी को सत्ता तक पहुंचने से रोकने में विफल रहे हैं। भाजपा के अपने दम पर पूर्ण बहुमत न पाने के बाद देखना होगा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने राजग सहयोगियों के साथ कितनी योजनाओं को जमीनी स्तर पर मूर्त रूप देने में सफल होंगे। मोदी की सभी योजनाओं तथा नई सरकार की '125 दिवसीय' कार्ययोजना पर सबकी सहमति जरूरी होगी।

केरल सरकार की विवादास्पद मदिरा नीति

"केरल में शराब के कारोबार के राष्ट्रीयकरण के बाद, शराब पीने वालों को अपनी दैनिक शराब की खुराक पाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।"

कुमार चेलप्पन
(लेखक, दि पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता हैं)

राज्य के सभी बार मालिकों से मांग की जा रही है कि वे सरकार के उस आदेश को रद्द करने के बजाय प्रति प्रतिष्ठान 2.5 लाख रुपए का भुगतान करें, जिसके तहत हर महीने की पहली तारीख को सभी बार बंद करने और अधिक बार होटल खोलने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया गया है। इससे यह राय स्पष्ट होती है कि केरल सरकार को शराब के कारोबार से बाहर आ जाना चाहिए।

आबकारी विभाग के कानूनों में बदलाव के लिए सत्ताधारियों द्वारा बार मालिकों से रिश्वत के रूप में अत्यधिक धनराशि की मांग के बारे में नवीनतम विवाद यह स्थापित करता है कि माकपा के नेतृत्व वाली एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ बारी-बारी से राज्य को ठग रही हैं, यह आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में अपने चुनावी भाषणों के दौरान बार-बार लगाया है। सरकार का कारोबार करने का कोई काम नहीं है और शराब के कारोबार के मामले में तो यह और भी अधिक है। अन्य राज्यों के विपरीत, केरल और तमिलनाडु शराब की नीतियों का पालन करते हैं जो उच्च-स्तरीय भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। इन दोनों राज्यों की सरकारें शराब के कारोबार में एकाधिकार रखती हैं। केरल के बेवरेजेज कॉरपोरेशन और तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन, राज्य के स्वामित्व वाली संस्थाएं ही ऐसी संस्थाएं हैं जो शराब खरीद और बेच सकती हैं।

निजी क्षेत्र के स्वामित्व वाले बार रेस्तरां को इन दोनों संस्थाओं द्वारा आपूर्ति की गई शराब खरीदनी चाहिए। बहुत पहले इन राज्यों में निजी शराब की दुकानें थीं जो खूब कारोबार कर रही थीं।

केरल में शराब के कारोबार के राष्ट्रीयकरण के बाद, शराब पीने वालों को अपनी दैनिक शराब की खुराक पाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें उन ब्रांडों का सेवन करने के लिए भी मजबूर होना पड़ रहा है जो उन पर 'थोपता' है। पहले, शराब पीने वालों के पास अपने पसंदीदा ब्रांड खरीदने और पीने का विकल्प था। सरकार द्वारा शराब के कारोबार को अपने हाथ में लेने के बाद, राज्यों में बेचे जाने वाले ब्रांड सत्ता में रहने वाली पार्टी द्वारा तय किए जाते हैं और दुकानों या रेस्तराँ (बार) के माध्यम से कारोबार की जाने वाली शराब के चयन में कोई पारदर्शिता नहीं है। सत्ताधारी दलों को पैसे देने वाले शराब निर्माता ठेका लेते हैं और बैंकों पर हंसते हैं।

सरकार का दावा है कि राष्ट्रीयकरण केरल में पूर्ण शराबबंदी की शुरुआत की प्रस्तावना है। यह एक ऐसा सपना है जो तब तक साकार नहीं होगा जब तक कि अन्य राज्य शराब पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून नहीं लाते। पड़ोसी राज्य कर्नाटक शराब पीने वालों के लिए स्वर्ग है क्योंकि निजी दुकानों पर उपभोक्ताओं द्वारा पसंद किए जाने वाले सभी लोकप्रिय ब्रांड बिकते हैं।

जबकि केरल और तमिलनाडु में देशी शराब, अरक प्रतिबंधित है, वहीं देश के बाकी हिस्सों में भी यह उपलब्ध है, जो कि मजदूर वर्ग के लिए बहुत खुशी की बात है। जो लोग सुबह से शाम तक खेतों में काम करते हैं, उन्हें दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद थोड़ा आराम चाहिए होता है और इसलिए सरकार द्वारा इस पर प्रतिबंध लगाना उचित नहीं है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि ताड़ी सबसे पौष्टिक पेय है, शराब नहीं। तमिलनाडु ने ताड़ी निकालने पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे गरीब मजदूरों को शाम के लिए शराब खरीदने के लिए अपनी मेहनत की कमाई के साथ जाना पड़ता है। अगर इन राज्यों में अरक प्रतिबंधित नहीं होता (जहां शराब तस्करों से नकली अरक उपलब्ध है) तो मजदूरों को दिन भर की कमाई सरकारी शराब की दुकानों पर खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती।

यह धारणा खत्म होनी चाहिए कि शराब से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है। वैज्ञानिक शोध के माध्यम से कई निष्कर्षों की पुष्टि हुई है कि मध्यम मात्रा में शराब पीना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। शराब के बारे में एक चीनी कहावत है: एक आदमी एक ड्रिंक लेता है। ड्रिंक और ड्रिंक लेता है। अंत में, ड्रिंक आदमी को ले जाती है। अगर अधिकारी आदमी को कम ड्रिंक पीने के लिए मजबूर कर सकें, तो यह शराब की लत का सबसे अच्छा समाधान होगा। लेकिन यह सोने के अंडे देने वाली मुर्गी को मारकर नहीं किया जाना चाहिए। हम ऐसे युग में रह रहे हैं जब भारत में बनी स्कॉच ने स्कॉटलैंड और अमेरिका में बनी स्पिरिट को पछाड़ दिया है और वैश्विक बाजार में उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरे हैं।

कोलंबो और उपनगर, कोच्चि से मुश्किल से एक घंटे की हवाई यात्रा इसके विपरीत एक अध्ययन है। हालांकि श्रीलंका में कई शराब की दुकानें हैं, लेकिन इन दुकानों के सामने शराब पीने वालों की लंबी कतारें नहीं देखी जा सकती हैं। केरल उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश देवन रामचंद्रन ने हाल ही में कहा कि पीने वालों को क्ष्ध्ड्ढष्ठ्ठ दुकानों से बेहतर व्यवहार की आवश्यकता है। वे सरकार का ध्यान शराब पीने वालों की दुर्दशा की ओर आकर्षित कर रहे थे, जिन्हें शाम को अपनी दैनिक शराब की खुराक लेने के लिए चिलचिलाती धूप और भारी बारिश का सामना करते हुए घंटों कतार में खड़े रहना पड़ता है। साथी पत्रकार सुनील कुमार ने कहा कि सरकार के सख्त और पुराने नियम ही लोगों को अधिक से अधिक शराब पीने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उनका कहना है कि हर महीने की पहली तारीख को शराब की दुकानों के शटर बंद करने का फैसला एक प्रतिगामी कदम है क्योंकि इससे शराब पीने वालों को अगले दिन के लिए स्टॉक करने के लिए पिछली शाम को एक अतिरिक्त बोतल खरीदनी पड़ती है। लेकिन होता यह है कि वे उसी शाम उस अतिरिक्त बोतल को पी जाते हैं और बंद वाले दिन उन्हें बेकार रहना पड़ता है। शराब पीने वालों को अपनी कोटा की शराब पीने की आजादी होनी चाहिए।

देश में पूर्ण शराबबंदी असंभव है। वरिष्ठ सांसद पीलू मोदी ने शराबबंदी पर बहस के दौरान कहा कि वे कितने भी साल शराब से दूर रह सकते हैं। लेकिन मैं शराब पीने के अधिकार के बिना एक मिनट भी नहीं रह सकता, पीलू मोदी ने कहा था। बेहतर समझ की जीत होनी चाहिए।

आप की बात

मोदी का जादू

लोकसभा 2024 में भाजपा की जीत दर्शाती है कि आज भी देश की जनता नरेन्द्र मोदी के अलावा अन्य किसी व्यक्ति को प्रधानमंत्री के रूप में देखना नहीं चाहती। हालांकि भाजपा 400 का आंकड़ा नहीं छू सकी, किन्तु सत्ता में तीसरी बार आने में वह सफ्ल रही। मध्यप्रदेश की सभी 29 सीटों पर भाजपा की जीत ने विपक्षियों के चारों खाने चित कर दिया। असल में भाजपा की यह जीत भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाए जाने की भावना से जुड़ी है। तमाम तरह के वादों-दावों के बाद भी इंडिया गठबंधन सत्ता तक नहीं पहुंच सका। श्रीराम मंदिर, धारा 370 समाप्त करने तथा अन्य प्रभावी मसलों ने देश की जनता को तो एक सीमता तक प्रभावित किया, पर वह जातीय गणित तथा सत्ता तक पहुंचने के लिए मुस्लिम वोटबैंक के प्रयोग को रोक नहीं सकी। अनेक वंशवादी व परिवारवादी राजनेता आज भी सत्ता पाने के लिए विभिन्न हिंदू जातियों को आपस में लड़ा कर तथा मुस्लिम जातियों से गठजोड़ कर सत्ता तक पहुंचने में सफल होते हैं। ऐसे में मोदी के जादू को विस्तार देने के लिए देश में अनेक नए आयामों पर भी विचार करना पड़ेगा क्योंकि सरकारी योजनाओं के लाभार्थी भाजपा को वोट देने के बजाय जातियों, संप्रदायों और स्थानीय नेताओं के गिरोहों में बंट जाते हैं।

-**अंकित सोनी**, मनावर

चुनाव नतीजे के सबक

चुनावी नतीजे में एनडीए की सीटें कम आने में विपक्षी दालों के परिश्रम से अधिक संभवत: भाजपा कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता तथा कहीं-कहीं उसका भीतरघात जवाबदेह है। उत्तर प्रदेश में अति आत्मविश्वासके साथ-साथ कुछ सीटों पर भारी असंतोष के बावजूद उम्मीदवारों को थोपा गया जिससे जमीनी कार्यकर्ता नाराज हुए। भाजपा द्वारा पहले ही अबकी बार चार सौ पार के नारे से कार्यकर्ता जीत पक्की मान कर शिथिल हो गए। लेकिन इसके बावजूद मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ जैसे प्रदेशों की जनता और मतदाताओं ने बिना बहकावे में आए मजबूत राष्ट्र के लिए भाजपा को एकतरफा वोट वोट दिए। आश्चर्य है कि गुजरात में पूरा मंत्रिमंडल और उम्मीदवार बार-बार बदलने वाली भाजपा ने उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य में अनेक नाकारा, अलोकप्रिय तथा मेहनत न करने वाले सांसदों के टिकट नहीं काटे। इसका खामियाजा चुनाव में भुगतना पड़ा। भाजपा और आरएसएस को चुनाव नतीजे से कई सबक लेने होंगे। हिंदूवाद अब भी जातीय विभाजनों को समाप्त करने में सफल नहीं हुआ है तथा अनेक सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले खासकर अल्पसंख्यकों ने भाजपा को वोट नहीं दिए।

- **सुभाष बुड़ावन वाला**, रतलाम

कन्हैया की पराजय

दिल्ली की उत्तर पूर्वी लोकसभा सीट पर कांग्रेस नेता और पूर्व-कम्युनिस्ट कन्हैया कुमार की पराजय उल्लेखनीय घटना है। इस सीट पर भाजपा ने शुरू से ही बढत बना ली थी। लगातार बढ़त को देखकर कन्हैया कुमार ने भी अंदाज लगा लिया कि अब उनकी दाल यहां गलने वाली नहीं है। कन्हैया पर हमेशा बढ़-चढ़ कर बोलने का आरोप लगता रहा है। देश तोड़ने जैसे नारे लगाने वालों से भी उनकी दोस्ती रही है। जनता आज भी यह सब नहीं भूली है। कन्हैया कुमार जैसे लोग जहां से भी जिस भी पार्टी में चुनाव लड़ेंगे, इनका यही हाल होगा। देश का हर व्यक्ति जानता है कि कन्हैया कुमार ने देश के खिलाफ बोलने वालों का साथ दिया है और स्वयं भी उनमें शामिल रहे हैं। भारत तेरे टुकड़े होंगे-इंशाअल्ला इंशाअल्ला जैसे नारे लगाने वालों को भले ही किसी समय में बर्दाश्त कर लिया जाता हो, पर आज भारत बदल गया है और ऐसे लोगों व उनके समर्थकों को स्वीकारने को बिल्कुल तैयार नहीं है। ऐसे में कन्हैया जैसे लोगों को सार्वजनिक जीवन में रहने के लिए जरूरी है कि वे अपने पुराने कृत्यों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। हो सकता है कि देश की जनता अच्छा आचरण करने पर उनके पुराने गुनाह माफ करने पर विचार करे।

- **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

गठबंधन सरकार

लोकसभा चुनाव में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिला है। भाजपा बहुमत का जादूई आंकड़ा छूने से दूर रह गई है । फ्रि भी वह सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर आई है। इसके परिणामस्वरूप 10 वर्ष बाद पुन: गठबंधन सरकार बनने जा रही है। भाजपा को अपने गठबंधन साथियों के साथ कदम मिला कर चलना होगा तथा संतुलन बनाए रखना होगा। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लचीलेपन तथा सबको साथ लेकर चलने की असल अग्निपरीक्षा होगी । जब भाजपा पूरी तरह से अपने दम पर बहुमत में थी तो कोई भी फैसला लेना बहुत ही आसान था। ऐसे में अच्छा होगा कि गठबंधन सरकार जनता के जमीनी मुद्दों पर भी ज्यादा ध्यान दे। गरीबी, महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी, महंगी व बदहाल होती शिक्षा व्यवस्था तथा खराब स्वास्थ्य व्यवस्थायें सुधारने को प्राथमिकता में रखा जाना चाहिए। अधिसंख्य जनता को सार्वजनिक सरकारी स्कूलों व अस्पतालों की अधिक दरकार होती है। स्कूलों और अस्पतालों की हालत सुधारने को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर गठबंधन सरकार देश के साथ ही जनता का विकास सुनिश्चित करेगी।

- **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

खाली पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया तेज करें: योगी

● कहा, गांव हो या नगर, बिजली तभी कटे जब बहुत जरूरी हो

● नया सत्र प्रारंभ होने से पूर्व करें गन्ने का पिछला पूरा भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव संपन्न होने के तत्काल बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शासन स्तर के सभी अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में जारी लोकहित की परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। गुरुवार को हुई इस बैठक में सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने सम्बंधित विभागों में वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभिन्न योजनाओं की प्रगति और भावी कार्ययोजनाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव गण अपने विभाग के शीर्ष अधिकारी हैं। विभाग से जुड़ी हर एक व्यवस्था, हर एक परियोजना, प्रत्येक प्रकरण के लिए आपकी जवाबदेही है। अत: समयबद्धता, गुणवत्ता सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है। विभागीय मंत्रीगणों के साथ बेहतर संवाद-समन्वय बनाये रखें। जनहित के प्रकरणों को अनावश्यक लंबित न रखें।

जिन भी विभागों में रिक्तियां हैं और नियुक्ति की जानी हैं, वहां से तत्काल अधियाचन चयन आयोगों को भेजा जाए। नियुक्ति प्रक्रिया में सरलता के लिए ई-अधियाचन की व्यवस्था लागू की गई है, उसका उपयोग करें। नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजने से पूर्व नियमावली का सूक्ष्मता से परीक्षण कर लिया जाए। चयन आयोगों से संपर्क बनाएं, त्रुटिपूर्ण अधियाचन न भेजें। चयन प्रक्रिया की समय-सीमा तय करें।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही समाप्त होने वाली है। सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में प्राविधानित धनराशि का यथोचित खर्च किया जाना सुनिश्चित किया जाए। समय से आवंटन और समय से खर्च होना चाहिए। वित्त विभाग द्वारा इसकी विभागवार समीक्षा की जाए। बजट आवंटन और खर्च के नियमों का सरलीकरण भी अपेक्षित है, इस पर यथोचित कार्यवाही की जाए।

राजस्व संग्रह के प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता है। फील्ड में तैनात अधिकारियों को टारगेट दें। इनके परफॉर्मेंस को ही इनकी पदोन्नति, पदस्थापना का आधार बनाया जाना चाहिए। तकनीक का प्रयोग बढ़ाएं। कर चोरी किसी भी दशा में न हो। तेज गर्मी/लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में पूरे प्रदेश में गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। बिजली तभी कटे, जब बहुत जरूरी हो। ट्रांसफार्मर जलने/तार गिरने, ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का बिना विलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी फोन अटेंड करें, कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने पाए, यदि ऐसा हो तो वरिष्ठ अधिकारी तत्काल स्वयं मौके पर पहुंचें।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करें। सेफ सिटी परियोजना से जुड़े कार्यों को समय से पूरा कराएं। नगरों में कहीं भी पेयजल का संकट न होने पाए। स्ट्रीट डॉग की समस्या का स्थायी समाधान तलाशें। बरसात के दृष्टिगत नालों की सफाई करा ली जाए। सिल्ट जमा न हो, ताकि बारिश में जलभराव न हो। मलिन बस्तियों में साफ-सफाई की अत्यधिक आवश्यकता है। यहां नियमित फॉगिंग भी कराई जाए। सॉलिड वेस्ट प्रबंधन के लिए ठोस प्रयास करें।

खनन कार्य में संलग्न वाहनों में किसी भी दशा में ओवरलोडिंग न हो। यह नियमविरुद्ध भी है और दुर्घटनाओं का कारक भी बनता है। इस दिशा में सख्ती की जानी चाहिए। बालू, मोरम, गिट्टी जैसे उपखनिजों का आम आदमी से सीधा जुड़ाव है। अब बरसात के मौसम में खनन कार्य स्थगित रहेगा। ऐसे में यह सुनिश्चित कराएं कि इनकी कीमतों में अनावश्यक बढ़ोतरी न हो। विभिन्न विकास परियोजनाएं भी इससे प्रभावित होती हैं। उपखनिजों का कृत्रिम अभाव पैदा करने वाले कालाबाजारियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए।

एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज अभियान के तहत निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में निर्माण कार्य की गुणवत्ता और परियोजना की समयबद्धता सुनिश्चित कराएं। इसकी साप्ताहिक समीक्षा करें। प्राचार्यों व अन्य फैकल्टी स्टाफ के चयन में केवल योग्यता को ही मानक बनाएं। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि गन्ना पेराई का नया सत्र प्रारंभ होने से पूर्व पिछले सत्र का सारा बकाया भुगतान हो जाए। गन्ना, उन्हीं मिलों को उपलब्ध कराया जाए, जिनका भुगतान रिकॉर्ड अच्छा हो।

जहरीली अथवा अवैध शराब बनाने, बेचने और खरीदने के प्रयासों पर लगातार हुई कार्रवाइयों का ही असर है कि इसका पूरा सिंडिकेट समाप्त हो गया है। कार्रवाइयों का क्रम लगातार जारी रखें। यह सुखद है कि लोकसभा चुनाव में कहीं भी जहरीली अथवा अवैध शराब से जुड़ी अप्रिय घटनाएं की सूचना नहीं प्राप्त हुई। प्रयास हो कि ऐसी स्थिति आगे भी बनी रहे। कमिश्नरी स्तर पर महिला संरक्षण गृह क्रियाशील कराएं। चरणबद्ध रूप से इसे सभी 75 जनपदों में विस्तार दिया जाए। यहां वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की जाती रहे। सीएम ने कहा कि पहले बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में शुद्ध पेयजल एक सपना था। आज यह सपना साकार हो रहा है। यह दोनों ही क्षेत्र शीर्ष प्राथमिकता में है। अतिशीघ्र विंध्य-बुंदेलखंड के हर घर में नल से जल की सुविधा होगी। झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, जालौन, बांदा, चित्रकूट, मीरजापुर, सोनभद्र सहित पूरे विंध्य-बुंदेलखंड में जल जीवन मिशन का कार्य आखिरी चरण में प्रवेश कर गया है। अवशेष कार्यों को तेजी के साथ पूरा कराया जाए। हर गांव में प्रशिक्षित प्लम्बर की तैनाती कर दी जाए।

मुख्यमंत्री की दो टूक, आमजन के कार्यों में अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं

● सीएम योगी ने अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन में सुनी जनसमस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के पश्चात गुरुवार को फिर से 'जनता दर्शन' शुरू किया। सीएम के सरकारी आवास पर गुरुवार को काफी संख्या में पीड़ित पहुंचे। इन लोगों ने सीएम से अपनी पीड़ा सुनाई। मुख्यमंत्री ने हर एक फरियादी के पास पहुंचकर उनकी पीड़ा जानी। फिर संबंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन से जुड़े कार्य निश्चित समयसीमा में हों। किसी भी कार्यों में अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं होगी। जनता से जुड़े मुद्दे सरकार की प्राथमिकता में हैं।

जनता दर्शन में गुरुवार को काफी संख्या में युवा भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर युवाओं से न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत परेशानी पूछी, बल्कि उनसे कई मुद्दों पर वार्तालाप भी किया। युवाओं ने विभिन्न मुद्दों पर सीएम से बातें साझा कीं। वहीं मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिया कि जनता से जुड़े जो भी मुद्दे न्यायालय में लंबित हैं, उनमें अपना पक्ष प्रस्तुत करते हुए प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कराई जाए।

स्वामित्व, घरौनी और वरासत जैसे कार्यक्रमों ने आमजनमानस को बड़ी सुविधा प्रदान की है। अब तक 80 लाख से अधिक घरौनी तैयार की जा चुकी है। जहां सर्वेक्षण का कार्य शेष है, इसे भी यथाशीघ्र पूरा कर लिया जाए। गर्मी और बरसात का यह सीजन सतर्क और सावधान रखने के समय है। आग लगने, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सर्प दंश , आकाशीय बिजली जैसी घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ऐसे में यह जरूरी है कि राहत आयुक्त कार्यालय 24 घंटे एक्टिव हो।

बेसिक शिक्षा अधिकारी/ एसडीआई द्वारा अपने क्षेत्र में कस्तूरबा बालिका विद्यालयों का साप्ताहिक निरीक्षण किया जाये। परिषदीय विद्यालयों में प्रत्येक प्रधानाध्यापक और शिक्षक यह सुनिश्चित कराएंगे कि हर छात्र-छात्रा निर्धारित गणवेश में ही विद्यालय आए। योगी ने कहा कि अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरीडोर सरकार का सीधा लाभ उत्तर प्रदेश को भी प्राप्त होगा। इसके अंतर्गत प्रदेश में आगरा और प्रयागराज में दो नोड विकसित किए जाने हैं। परियोजना के लिए भूमि की कमी नहीं होनी चाहिए। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए भारत सरकार के साथ सतत संवाद संपर्क बनाए रखें। यह इंडस्ट्रियल कॉरीडोर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाई देने वाला होगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि विवि, महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई आदि सभी शैक्षिक संस्थानों में शैक्षिक कैलेंडर इस प्रकार तैयार किया जाना चाहिए ताकि 10 मई तक सभी आवश्यक परीक्षाएं सम्पन्न हो जाएं। भीषण गर्मी के मौसम में परीक्षाओं से परहेज किया जाना चाहिए।

आज की तारीख में चुनाव हो जाएं तो बनेगी सपा की सरकार: शिवपाल यादव

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 में सपा के बेहतर प्रदर्शन पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने सभी जाति धर्म का वोट हासिल किया है। सपा अब सर्व समाज को साथ लेकर चल रही है। शिवपाल यादव ने कहा कि इस जीत को देखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने दावा किया है कि आज की तारीख में अगर चुनाव हो जाते हैं तो जितने सपा के सांसद जीते हैं उसको देखते हुए उत्तर प्रदेश में एक तरफ अखिलेश के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी को एक ऐतिहासिक पुन: जीत मिलेगी और सपा की सरकार बन जाएगी। वहीं बसपा के साथ न लड़ने और बसपा सुप्रीमो के मुस्लिम प्रत्याशियों को लेकर दिए बयान पर शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि 2024 के चुनाव में जनता जान चुकी थी कि यह बीजेपी से मिली हुई है। इसलिए जनता ने भाजपा के साथ-साथ बसपा को भी सबक सिखाया है। सपा के पक्ष में वोट देकर इन दोनों पार्टियों को पता चल गया। अयोध्या के साथ-साथ आसपास की सीटों पर भी सपा और गठबंधन की जीत के सवाल पर शिवपाल यादव ने कहा कि हम सब राम को मानने वाले हैं और हम सब के कण-कण में राम है। राम को मानने वाले सेकुलर प्रत्याशी की भी इस बार अयोध्या से जीत हुई है तो इससे बड़ी क्या बात हो सकती है। शिवपाल यादव से अयोध्या में मंदिर में पूजा अर्चना करने जाने के सवाल में कहा कि हम सब हमेशा से राम को मानते रहे हैं।

जोन तीन कार्यालय को नयी बिल्डिंग में शिफ्ट करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बरसात से पूर्व उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ द्वारा नगर निगम जोन तीन की जर्जर बिल्डिंग से कार्यालय को नयी बन चुकी बिल्डिंग में विस्थापित करने की मांग नगर निम प्रशासन से की गयी है। नगर निगम के नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह से भेंट करके पहले भी इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है। नगर निगम जोन तीन अलीगंज के कार्यालय को शिफ्ट करने के लिए पत्र लिखा है। उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ के संगठन के पदाधिकारी रेहान अहमद ने बताया कि नयी बिल्डिंग का कार्य पूरा हो चुका है। वर्षा से पूर्व कार्यालय को नयी बिल्डिंग में शिफ्ट करने की मांग की गयी है। नगर निगम जोन तीन कपूरथला के कार्यालय में कई बार प्लास्टर टूटने की घटना हो चुकी हैं, जिससे कई कर्मी घायल तक हो चुके हैं। लंबे अर्से से कार्यालय को नयी बिल्डिंग में बदलने की मांग उठ चुकी है।

प्रदेश में आचार संहिता समाप्त, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीते मार्च माह की 16 तारीख से प्रदेश में प्रभावी हुई आदर्श आचार संहिता गुरुवार को समाप्त हो गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च 2024 से लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 तथा विधान सभा उप निर्वाचन ददरौल, (शाहजहांपुर), लखनऊ पूर्व, (लखनऊ), गैंसड़ी, (बलरामपुर) और दुद्धी (अ.ज.जा.), (सोनभद्र) के लिए लागू आदर्श आचार संहिता को 6 जून, 2024 को निष्प्रभावी कर दिया गया है।

रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन से 18वें लोकसभा सामान्य निर्वाचन तथा विधानसभा उप निर्वाचन-2024 के सफल और सकुशल समापन हुआ। उन्होंने सभी मतदाताओं, निर्वाचन से जुड़े समस्त कार्मिकों, सुरक्षा कर्मियों तथा चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने मतदाता जागरूकता एवं निर्वाचन से सम्बन्धित गतिविधियों को प्रदेश की जनता तक पहुंचाने के लिए सभी मीडिया संस्थानों एवं उनके प्रतिनिधियों का भी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दौरान नई तकनीकों एवं नवाचारों का समावेश किया गया। वोटर हेल्प लाइन, सी-विजिल, वोटर टर्नआउट, सक्षम, सुविधा, केवाईसी जैसे मोबाइल एप का प्रयोग करके अनेक नवाचार भी किए गये। प्रत्येक मतदाता को अपना मत देने का अवसर मिले इसके लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष, और समावेशी चुनावी प्रक्रिया को बढ़ावा दिया गया। उन्होंने प्रदेश के सभी मतदाताओं का धन्यवाद किया और कहा कि मताधिकार का प्रयोग करके उन्होंने लोकतंत्र की इस परंपरा को समृद्ध एवं मजबूत किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि उप्र मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय सभी मतदाताओं के प्रति बहुत आभारी हैं, जिन्होंने प्रचंड गर्मी में भी कतारों में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान मतदाताओं ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि असली विजेता वास्तव में मतदाता ही है। उन्होंने भीषण गर्मी व लू जैसी चुनौतियों में भी निर्वाचन के दायित्वों का पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से पालन करने वाले मतदान और मतगणना कार्मिकों का भी आभार व्यक्त किया है। सुरक्षा बलों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों ने प्रदेश में मतदाताओं को सुचारू, शांतिपूर्ण और उत्सवी महौल प्रदान करने, भीषण गर्मी व लू जैसी चुनौतियों का सामना करने और कानून व्यवस्था को संभालने में समर्पण और प्रतिबद्धता दिखायी है। इसके साथ ही उन्होंने प्रिन्ट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए धन्यवाद दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के प्रयासों से 18वीं लोकसभा सामान्य निर्वाचन तथा विधानसभा उप निर्वाचन-2024 में लगे प्रदेश भर के सभी निर्वाचन कार्मिकों को पहली बार पारिश्रमिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ई-पेमेन्ट के माध्यम से भेजी गई है। इससे पूर्व यह राशि नकद रूप से दी जाती थी।

प्रभावी पैरवी कर महिला व बाल अपराधों में अभियुक्तों को शीघ्र सजा दिलवाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रभावी पैरवी कर महिला एवं बाल अपराधों में अभियुक्तों को शीघ्र सजा दिलवाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि समाज के पीड़ित वर्ग को समय से न्याय दिलाया जा सके। अपर पुलिस महानिदेशक, अभियोजन दिपेश जुनेजा ने बताया कि अभियोजन निदेशालय द्वारा वीडियो कान्फ्रेंन्सिंग की सुविधा का उपयोग करते हुए साक्षियों का बयान दर्ज करने हेतु प्रयास शुरू किया गए हैं। उन्होने यह भी बताया कि पिछले माह द्वितीय पखवाड़े मे उप्र में 275 साक्षियों का साक्ष्य विभिन्न जनपदों में वीडियों कान्फ्रेंन्सिंग के माध्यम से करवाया गया है। अपर पुलिस महानिदेशक, अभियोजन ने यह भी बताया कि वीडियो कान्फ्रेंन्सिंग के माध्यम से साक्षियों का बयान दर्ज करने पर जन सामान्य की कठिनाइयां दूर होगी। न्यायालय के समय के साथ साथ साक्षियों के समय एवं शासकीय धन की भी बचत होगी, रिटायर्ड सरकारी कर्मियों की गवाही का प्रतिशत और अधिक बढ़ेगा एवं उन्हे अन्य जनपदों में गवाही के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

प्रदेश में दुर्घटनाएं रोकने के लिए नोडल स्तर पर होगी नियमित समीक्षा, मुख्यालय को दी जाएगी रिपोर्ट

● परिवहन निगम के एमडी ने सभी नोडल अधिकारियों को जारी किए निर्देश -दुर्घटनाओं की मुख्य वजहों के साथ-साथ इसमें व्यापक पैमाने पर कमी लाने के उपाय भी सुझाए गए

लखनऊ। रोडवेज की बसों में दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन ने सभी नोडल अधिकारियों को नियमित समीक्षा के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में परिवहन निगम के एमडी की ओर से सभी नोडल अधिकारियों को लेटर जारी किया गया है। इस लेटर में उन्हें दुर्घटनाओं की मुख्य वजहों के साथ-साथ उपाय भी सुझाए गए हैं। चालकों की नियमित काउंसिलिंग के भी निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने प्रदेश में दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए परिवहन निगम को उचित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में परिवहन निगम द्वारा अप्रैल 2023 से मार्च 2024 में हुई दुर्घटनाओं की तुलना एवं समीक्षा में पाया गया है कि इस दौरान फैटल दुर्घटनाओं एवं मृतकों की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट है कि मुख्यालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों का क्षेत्रीय एवं डिपो स्तर के अधिकारियों द्वारा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सार्थक प्रयास किया जाना अत्यंत जरूरी है।

परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने बताया कि ओवरस्पीडिंग, उचित दूरी न बनाकर चलना, गलत एवं लापरवाही से ओवरटेकिंग करने से अधिकांश दुर्घटनाएं होती हैं। यह तीनों मानवीय कारण चालकों के नियंत्रण से बाहर नहीं है। अत: काउंसिलिंग के समय इन तीनों कारणों की ओर प्रमुखता से चालकों का ध्यान आकर्षित किया जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि अपने-अपने नोडल क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान गत माह हुई समस्त दुर्घटनाओं की गहन समीक्षा करें। दुर्घटनाओं का कारण एवं दोषी चालक व वरू के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई, ज्ञात करेंगे। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डिपो एवं क्षेत्र स्तर पर क्या-क्या कार्यवाही एवं निर्धारित हेल्थ कार्ड के द्वारा स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण एवं प्रभावशाली काउंसिलिंग की जा रही है या नहीं, इसकी भी जानकारी देंगे। मुख्यालय आने पर नोडल अधिकारी अपनी निरीक्षण टिप्पणी के साथ गत माह की दुर्घटनाओं की समीक्षात्मक टिप्पणी प्रधान प्रबंधक (संचालन) को प्रस्तुत करेंगे।

पत्र में कहा गया है कि परिवहन निगम की बसों की अधिकांश दुर्घटनाएं मानवीय कारण से हो रही हैं। इसमें ओवर स्पीडिंग, निर्धारित गति से अधिक गति में वाहन चलाना, आगे चल रहे वाहन से उचित दूरी न बनाकर चलना, नशे की हालत में वाहन चलाना, शराब या अन्य मादक पदार्थों के प्रभाव में रहते हुए वाहन चलाना शामिल है। इसके साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करना या ईयर फोन लगाकर संगीत सुनना, सड़क पर लगे संकेतकों की अवहेलना, ट्रैफिक लाइट का उल्लंघन, गलत लेन में चलना, रांग साइड में वाहन चलाना, गलत समय पर गलत ढंग से ओवरटेकिंग करना शामिल है। इसके अलावा घने कोहरे में पार्किंग लाइट का प्रयोग न करना, वाहन में रिफ्लेक्टिव टेप का न लगा होना, मुख्य मार्गों/हाईवेज से जुड़ते हुए शाखा मार्गों से आते हुए बिना दाएं बाएं देखे तीव्र गति से मुख्य मार्ग को ज्वॉइन करना, मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग में जल्दबाजी में क्रॉसिंग पार करना, नींद न पूरी होने या अत्यधिक थकान की दशा में गाड़ी चलाना, टायर की हवा, ब्रेक, क्लच और अन्य आवश्यक यंत्रों की फिटनेस पर ध्यान न देना और असामान्य मनोदशा वाले या मानसिक रूप से अस्वस्थ चालकों द्वारा वाहन चलाना भी शामिल है।

देव दीपावली से वाराणसी में शुरू होगा सिटी रोपवे, ट्रैफिक की समस्या से मिलेगी निजात

● दुनिया का तीसरा और देश का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप-वे काशी में कराएगा सुगम यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

बोलीविया देश के लापाज, मैक्सिको के बाद दुनिया का तीसरा और देश का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप-वे देव दीपावली से काशी में शुरू होना संभावित है। पहले सेक्शन वाराणसी जंक्शन कैंट रेलवे स्टेशन से रथयात्रा तक की सुगम यात्रा काशीवासी कम समय में कर सकेंगे। सिटी रोपवे के संचालन से वाराणसी में यातायात की समस्या से निजात मिलेगी। रोपवे के निर्माण के लिए स्विटज़रलैंड से आये उपकरण इंस्टाल किया जाना शुरू हो गए हैं। 807 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी में रोपवे का निर्माण हो रहा है। यह काम स्विट्जरलैंड आधारित कंपनी बर्थोलेट कर रही है। देव दीपावली में पर्यटक जब वाराणसी आएंगे तो रोपवे से यात्रा कर सकेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना को सीएम योगी आदित्यनाथ तेजी से ज़मीन पर उतार रहे हैं, जिससे वाराणसी में ट्रैफिक की समस्या से काफी राहत मिलेगी। रोपवे के संचालन के लिए स्टेशन और टावर इंस्टॉल करने का काम तेजी से चल रहा है। जल्द ही रोपवे का ट्रायल रन होगा। उसके बाद पर्यटक यात्रा कर सकेंगे। हर डेढ़ से दो मिनट के अंतराल में यात्रियों को गोंडोला उपलब्ध रहेगी। एक दिशा में एक घंटे में 3000 लोग यात्रा कर सकेंगे यानी दोनों दिशाओं में एक घंटे में छह हजार यात्रियों का आवागमन होगा। गोदौलिया से कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचने में लगभग 16 मिनट लगेगा। 45 से 50 मीटर की अनुमानित ऊंचाई से करीब 150 ट्रॉली कार चलेगी। एक ट्रॉली में 10 यात्री सवार हो सकते है। रोपवे का संचालन 16 घंटे होगा। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक प्राइवेट लि. (एनएचएलएमएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश गौड़ ने बताया कि वाराणसी में देव दीपावली पर पूरे विश्व से पर्यटक आते है। एनएचएलएमएल की कोशिश है कि देव दीपावली तक रोपवे का संचालन शुरू हो जाए और काशी आने वाले पर्यटकों को प्रदूषण रहित परिवहन की अच्छी सुविधा मिल सके। कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक विद्यापीठ स्टेशन पर एंकर बोल्ट स्थापित हो गया है। इसके अलावा कई एक्सेलरेशन व डी एक्सेलरेशन कन्वेयर भी स्थापित हो गए हैं। अब जल्द ही रोप लगाने का काम शुरू होगा। वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशन से रथयात्रा तक कुल दो टावर इंस्टॉल हो चुके है। 16 टावर पर तेजी से काम चल रहा है।

भाजपा के अहंकार का पतन हुआ और यूपी में उसके खिलाफ जनादेश आया: अखिलेश यादव

● सपा मुखिया ने कहा, अयोध्या तक में जनता ने भाजपा की आशाओं पर फेर दिया पानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों से जाहिर है कि भाजपा के अहंकार का पतन हुआ है और उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ जनादेश आया है। प्रदेश मंत्रिमण्डल के 16 मंत्री लोकसभा चुनाव में अपनी विधानसभा हार गए हैं। केन्द्र में जो भाजपा 400 पार का नारा दे रही थी वह पूर्ण बहुमत में पाने से ही वंचित रह गई।

अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या तक में जनता ने भाजपा की आशाओं पर पानी फेर दिया। वहां की जनता दुख-दर्द से कराहती रही। भाजपा सरकार ने गरीबों को उजाड़ दिया। उजड़े किसानों को पर्याप्त मुआवजा भी नहीं दिया गया। अपनी जमीन से उजड़े लोगों के पुनर्वास पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजें में जनता ने सबक सिखा दिया। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी पर लगाम नहीं लग रही है। किसान, नौजवान, व्यापारी, शिक्षक, अधिवक्ता सहित समाज का हर वर्ग परेशान है। नौजवानों की एक तिहाई जिंदगी बेकार हो गई है। उनका भविष्य अंधेरे में है। अग्निवीर योजना तुरन्त खत्म होनी चाहिए। जो जवान फौज में जाना चाहते हैं और उनकी उम्र समाप्त हो गई उन्हें फिर मौका मिलना चाहिए।

यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन का जहां तक सवाल है वह अब जनआकांक्षाओं का प्रतीक बन चुकी है। वह जनसेवा के अपने संकल्प पर दृढ़ रहेगा और संविधान बचाने तथा महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के कष्ट और संकट से जनता को मुक्त कराने के अपने प्रयासों को निरन्तर जारी रखेगा। यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन पीडीए का राष्ट्रव्यापी विस्तार करने और पीडीए के लिए लगातार संघर्ष करते रहने के लिए चचनबद्ध है। इंडिया गठबंधन किसान, मजदूर, युवा महिला व्यापारी, कारोबारी, नौकरीपेशा और सरकारी कर्मचारियों के मुद्दों को आधार बनाकर उनकी आवाज बनने का काम करता रहेगा। राजनीति में संभावनाएं कभी खत्म नहीं होती है।

यूपी की जनता ने राजनीति में फिर से पुराना आदर्श स्थापित किया: प्रियंका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी के प्रदर्शन के लिए जनता और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अवाम ने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है। प्रियंका ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किए गए संदेश में कहा, उप्र कांग्रेस के मेरे सभी साथियों को मेरा सलाम। मैंने आपको धूप और धूल में कड़ी मेहनत करते हुए देखा, आप झुके नहीं, आप रुके नहीं, कठिन से कठिन दौर में आपने लड़ने की हिम्मत दिखाई।

आपको प्रताड़ित किया गया, आप पर फर्जी मुकदमे लगाये गये, जेल में डाला गया, बार-बार नजरबंद किया गया, मगर आप डरे नहीं। कई नेता डर के चले गये, आप टिके रहे। इसी संदेश में कहा, मुझे गर्व है आप पर और उप्र की जागरूक जनता पर, जिसने इस देश की गहराई और सच्चाई को समझा और हमारे संविधान को बचाने का ठोस संदेश पूरे भारत को दिया। आपने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है कि जनता के मुद्दे सर्वोपरि हैं, इनको नकारने की कीमत भारी होती है। चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है। कांग्रेस ने पिछले दिनों संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 17 सीट पर चुनाव लड़ा था जिनमें से उसे छह सीट पर कामयाबी मिली जबकि 11 पर वह दूसरे स्थान पर रही। 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में उप्र में मात्र एक सीट जीतने वाली कांग्रेस के लिए इस बार के नतीजे बड़ी कामयाबी के तौर पर देखे जा रहे हैं।

एसबीआई की शाखा में मिले भारी संख्या में नकली नोट, मुकदमा दर्ज

●बैंक में नकली नोट खपा रहे एसबीआई के कर्मचारी

●रिजर्व बैंक कानपुर के अधिकारी ने मुख्य शाखा कर्मियों के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

संवाददाता। फतेहपुर

आम ग्राहकों से बेरुखा व्यौहार कर मनमानी के लिए जाने जाने वाले भारतीय स्टेट बैंक में बड़ा खेल सामने आया है। उपभोक्ताओं को नगदी निकासी व जमा करने में विभिन्न तरीके की हिदायद देने वाले अधिकारी कर्मचारी खुद ही बड़े फर्जीवाड़े में फंसते नजर आ रहे हैं। मामला कोई छोटा-मोटा नहीं है बल्कि नकली नोटों की एक के बाद एक बड़ी खेप निकलने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक कानपुर अनुभव के अधिकारी के द्वारा स्टेट बैंक ऑफ़इंडिया की मुख्य शाखा के अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया कानपुर के दावा अनुभाग प्रबंधक आईपीएस गहलौत ने भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के अधिकारियों कर्मचारियों के विरुद्ध अपराध संख्या 262/24 धारा 489ए, 489बी, 489 सी, 489ड़ी, 489ई आईपीसी के तहत जो मुकदमा दर्ज कराया है। उसमें बड़ी संख्या में जाली नोटों के मिलने की बात कही गई है। दर्ज कराए गए मुकदमें की जांच चौकी प्रभारी आबूनगर को सौंपी गई है लेकिन हुए इस खुलासे के बाद एक बात सामने आई है कि किस तरह से ग्राहकों को बैंकिंग के नियम कायदे बताने और समझने वाले सरकार को ही चूना लगाने में लगे हुए हैं।

सवाल ये उठता है कि जब नकली नोटों को जांचने के लिए इनके पास पर्याप्त संसाधन मुहैया हैं तो फ़िर बैंक में नकली नोट पहुंचे कैसे? इसका मतलब साफ है कि अधिकारियों-कर्मचारियों की मिली भगत से ही सरकारी खजाने को धीरे-धीरे दीमक की तरह चट किया जा रहा है। इतना ही नहीं बैंक से करेंसी गड्डियों को भी खुले बाजार में ज्यादा कीमत में देने में कुछ कर्मचारी लंबे समय से लगे हुए हैं। खबर है कि यहां 10 की गड्डी के बदले 1400 रुपये से 1600 रुपये लिए जाते हैं। इसी का नतीजा है कि आम लोगों तक जरूरतमंद लोगों तक गड्डियां नहीं पहुंच पातीं।

यह मामला अभी जांच के दायरे के बाहर है। पूरे प्रकरण में बैंक का कोई भी अधिकारी कर्मचारी बोलने को तैयार नहीं है। फ़िलहाल मुकदमें के जांच अधिकारी आबूनगर चौकी प्रभारी ने जल्द ही जांच शुरू करने की बात कही है।

खेत में कंकाल मिलने से मचा हड़कंप पुलिस ने शुरू की जांच

मौदहा, हमीरपुर। मौदहा सिसोलर मार्ग स्थित एक खेत में क्षत विक्षिप्त अवस्था में एक कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया,कंकाल महिला का है या पुरुष का इसकी पुष्टि नही हो पायी है। वहीं सूचना पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी सहित कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बिसंडा बाबा आस्ताने के सामने से निकले एक चकमार्ग से जाने पर एक सरसों के खाली खेत में कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया कंकाल दो हिस्सों में बट चुका है जिसके कारण कमर से नीचे का हिस्सा अलग तथा ऊपर का हिस्सा अलग पड़ा हुआ था, वहीं कंकाल के आसपास कुछ कपड़े तथा चप्पलों सहित एक झोला भी मौके पर मौजूद है। कंकाल देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि घटना को लगभग 10 से 15 दिन के बीच में अंजाम दिया गया है जो कि संपूर्ण शरीर तेज धूप और लू लपट से कंकाल में तब्दील हो गया है लेकिन सीने सहित पेट में त्वचा सूख कर चिपक गई है और पैरों में सिर्फ और सिर्फ हड्डियां ही बची हैं।

घटनास्थल पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी श्रीयश त्रिपाठी सहित कोतवाली प्रभारी मय पुलिस बल के घटनास्थल पर पहुंच मामले को गंभीरता से समझने का प्रयास कर रहे हैं तथा कोतवाली प्रभारी राम आसरे सरोज ने बताया कि प्रथमदृष्टया कपड़े तथा बाल देखकर मादा कंकाल प्रतीत हो रहा है और जो भी आवश्यक क्रिया कलाप हैं उन पर कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

बरगद पर धागा लपेटकर सुहागिनों ने की अखंड सौभाग्य की कामना

संवाददाता। फतेहपुर

हरेक साल ज्येष्ठ अमावस्या को मनाए जाने वाले वट सावित्री व्रत की आभा इस त्यौहार भी देखे बनी। सूरज की पौ फटने से पहले बरगद की पूजा के लिए महिलाओं का जत्था पहुंचना शुरू हो गया। यह सिलसिला दोपहर तक निरंतर देखने को मिलता रहा। सुहागिनों ने बरगद के पेड़ में सूत का धागा लपेटकर अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा।

हिंदू धर्म में वट सावित्री व्रत का काफी खास महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि बरगद के दरख्त की ही शरण में सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस ले लिए थे। तभी से वट सावित्री व्रत में वट यानि बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार बरगद के पेड़ में त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना जाता है। इसलिए भी इसकी पूजा का खास महत्व माना गया है। वट सावित्री व्रत के लिए महिलाओं को बरगद के पेड़ के नीचे पूजा अर्चना करते देखा गया। पूजा की थाली में रखे पकवान, फल, फूल को अर्पित करने के साथ बरगद में सूत का धागा लपेटकर पतियों की दीर्घायु की मंगल कामना की। भाव की खाता रहा खरबूजा: वट सावित्री व्रत में फल के तौर पर खरबूजा की पूजा की अहमियत ज्यादा होने के कारण इस त्यौहार भी यह भाव की खाता रहा जो खरबूजा दो दिन पहले 100 का 4 किलो मिल रहा था उसके दाम बढ़कर डेढ़ सौ रुपए हो गए। ठेला वाले महंगे दाम के साथ ग्राहकों से मिठास के नाम पर भाव की लेते दिखाई देते रहे।

पर्यावरण के साथ जिस तरह की छेड़छाड़ जा रही है। उसकी सच्चाई दिन-ब-दिन सामने आती जा रही है। बरगद की पूजा के लिए जिस तरह गुरुवार को महिलाओं के झुंड को इस पेड़ की तलाश में भटकना पड़ा। उसे एक बात साफ हो गई कि अगर यही हाल रहा तो डेढ़ दशक बाद, बरगद खोजना मुश्किल होगा।

पति की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा वट सावित्री का व्रत

पुखरायां, कानपुर देहात। जेठ मास की अमावस्या को सुहागिन महिलाओं ने पति की दीर्घायु की कामना के लिए वट सावित्री व्रत किया। महिलाओं में वट वृक्ष की पूजा की और सावित्री सत्यभान की कथा सुनी। इस दौरान महिलाओं ने वट के वृक्ष पर सात फेरे कलावा लपेटा। जानकार महिलाओं में गीता मिश्रा ने बताया कि वट सावित्री का व्रत बहुत शुभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार ज्येष्ठ महीने की अमावस को वट सावित्री व्रत किया जाता है। इस दिन किया गया व्रत पूजा पाठ,स्नान दान आदि का फल पति की दीर्घायु के लिए लाभकारी माना जाता है। पूजन करने आई रेनू दुबे ने बताया कि जिस तरह सावित्री यमराज से अपने पति सत्यभान के प्राण वापस ले कर आई और सुहाग की रक्षा की उसी तरह हम भी व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु की कामना कर रही हैं। पुखरायां के जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, मंडी रोड स्थित कृषि रक्षा ईकाई, श्याम नगर मंडी समिति स्थित टैगोर बाल मंदिर, भोगनीपुर स्थित नहर विभाग के डाक बंगला अमरौधा के नगर पंचायत कार्यालय के मैदान में खड़े विशालकाय बरगद वृक्षों में दोपहर 12 बजे सुहागिन महिलाओं की पूजा अर्चना के लिए भीड़ लगी रही।

नगर पंचायत सरीला के आडिट में मिलीं भारी अनियमितताएं, भेजी गई रिपोर्ट

●आउट सोर्सिंग कर्मियों के ईपीएफ व ईएसआई की धनराशि का नही है अता पता

●फर्मों को अधिक भुगतान कर शासनादेश का उल्लंघन

संवाददाता। हमीरपुर

पिछले साल हुए नगर पंचायत सरीला के आडिट में ढेर सारी अनियमितताएं पायी गयी है। यह जानकारी नगर विकास अनुभाग को भेज दी गयी है। जानकारी के मुताबिक आडिट में आउट सोर्सिंग कर्मचारियों के ईपीएफ व ईएसआई का जमा चालान आडिट में प्रस्तुत नही किया गया जिससे तीन लाख 58 हजार दस रुपये की धनराशि संदिग्ध प्रतीत होती है,यह धनराशि आउटसोर्सिंग कर्मियों के मानदेय के काटी जाती है उतनी ही धनराशि नगर पंचायत जमा करती है। ताकि कर्मियों को किसी संकट के समय यह धनराशि सहारा बन सके।

मगर आडिट में इस धनराशि में सब गोलमाल प्रतीत हो रहा है। आडिट में पाया गया है कि मिट्टी भराई कार्य में पांच लाख 59 हजार 678 रुपये का भुगतान अधिक किया गया है। यही नही फर्मों के विलों से जो कटौती की गयी थी व रायल्टी धनराशि दो लाख 78 हजार 520 रुपये जमा नही किया गया है। जो भारी अनियमतिता में आती है। इसी प्रकार कान्हा पशु योजना में काजी हाउस का निर्माण कार्य को लंबित रखा गया जो शासन से धनराशि 92 लाख 98 हजार 858 रुपये खर्च नही की गयी है जिससे किसानो को कोई लाभ नही मिला है। यह भी अनियमितता की श्रेणी में आता है। जो निर्माण कार्य कराये गये है उसमे शासनादेश का पूरी तरह उल्लंघन किया गया है। जो विद्युत सामग्री खरीदी गयीहै। वह किस स्थान पर लगायी गयी है।

इसका कही विवरण प्रस्तुत नही किया गया है। यह भी धांधली की श्रेणी में आता है। इससे साफ होता है कि इससे चार लाख एक हजार 785 रुपये का गोलमाल किया गया है। नगर पंचायत में विद्युत सब स्टेशनों व अन्य विद्युत उपक्रमों पर करो का आरोपण न किये जाने से चार लाख एक हजार 785 रुपये की धनराशि के दुरुपयोग की संभावना बढ़ गयी है। नगर पंचायत में मचे घमासान व विवाद के चलते कई ठेके नही उठाये गये है,जिससे एक लाख आठ हजार रुपये का नुकसान हुआ है। आडिट में पाया गया है कि ठेकेदारों से ठेके की बकाया धनराशि न वसूल किये जाने से 18 लाख दो हजार 163 रुपये का नगर पंचायत का नुकसान हुआ है। यही नही गुरुखुर तालाब के ठेके की बकाया धनराशि का वसूली न किये जाने से नगरपंचायत को पांच लाख 32 हजार 810 रुपये की धनराशि का नुकसान हुआ है।

अधिवक्ता पर दर्ज मुकदमा स्पंज कराए जाने की मांग

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। सीएचसी अधीक्षक डॉ गणेश कुमार के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने को लेकर और अधिवक्ता के ऊपर दर्ज मुकदमा स्पंज कराने की मांग को लेकर वकीलों का क्रमिक अनशन चौथे दिन भी जारी है। अधिवक्ताओं ने डॉक्टर के खिलाफ हुंकार भरी है। कहा है जब तक दोषी डॉक्टर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं होती वह चुप बैठने वाले नहीं हैं। अधिवक्ताओं की मांग है कि अधिवक्ता मनोज श्रीवास्तव पर डॉ गणेश कुमार द्वारा दर्ज कराए मुकदमे को स्पंज करने और डॉ गणेश कुमार पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज किया जाए। इसी मांग को लेकर अधिवक्ता मनोज श्रीवास्तव ने तहसील परिसर में क्रमिक अनशन शुरू कर दिया था जो चैथे दिन भी जारी है। बीती चार मई को तहसील परिसर में डॉ गणेश और अधिवक्ता मनोज श्रीवास्तव के बीच पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हो गई थी। जिसमें पुलिस ने डॉ गणेश की तहरीर पर सरकारी दस्तावेज फाड़ने और मारपीट का आरोप लगा मनोज श्रीवास्तव पर मुकदमा दर्ज कर लिया था।

क्विक न्यूज

शनि महाराज के जन्मोत्सव पर विशाल भंडारा

फर्रुखाबाद। जेष्ठ अमावस्या को मार्तण्ड पुत्र श्री शनि महाराज के जन्म उत्सव पर विशेष पूजा सनकादेश्वर मंदिर पर महाकाल की प्रमुख महंत साध्वी सुश्री अर्चना दीक्षित के द्वारा दीप प्रगवलित कर की गई। मंदिर में सभी 108 देव प्रतिमाओ का पूजन के साथ शनि के विग्रह को तेल से स्नान कराकर नूतन वस्तुओं से अलंकृत किया गया, इनकी पूजा में तेल, गुण, तिल, लोहे का छगा, काले वस्त्र, काली मिष्ठान (रसगुगा), काली उदर की दाल चावल मिश्रित पुष्प चढ़ाने से ढैया साडे साती का प्रकोप दूर हो जाता है तथा शनि की कृपा हमेशा बनी रहती है शनि की छाया 18 वर्ष की आयु से लेकर 60 वर्ष की आयु तक रहती है। प्रत्येक शनिवार के दिन तेल गुड़ चना खिचड़ी आदि वस्तुएं अवश्य चढ़ाएं जो भक्त प्रत्येक शनिवार को उपरोक्त वस्तुओं दान नहीं करता वह भक्त शनि के जन्मोत्सव पर इनका पूजन अवश्य कर दे।

ट्रेन से कटकर राजमिस्त्री की दर्दनाक मौत

कायमगंज, फर्रुखाबाद। जिला बदायूं के थाना उसैत के गाँव गड़िया उसैत निवासी रविशंकर पुत्र गंगाचरन उम्र 35 वर्ष अपने परिवार के साथ कायमगंज क्षेत्र के महोगा महेंदीवाग में अपनी ससुराल में किराए पर रहता है मृतक का साला फूलचन्द ने बताया कि उसका बहनोई शराब पीने का आदी था वुधवार की देर शाम को भी उसने शराब पी रखी थी और अपनी पत्नी चाँदनी की पिटाई करते हुए थाने भी ले गया था। पति पत्नी में झगड़ा आये दिन होता रहता था। किसी बात पर क्षुब्ध होकर देर रात चीनी मिल रोड पर सीओ ऑफिस के पास रेलवे के पास गुमटी नंबर 169ई3 के पास पहुँचा और ट्रेन की पटरी पर लेट गया जिससे ट्रेन से कट कर उसकी मौत हो गयी। घटना की जानकारी आरपीएफको दी गयी जिसपर आरपीएफके एसआई सुशील कुमार पुनिया भी मौके पर पहुँचे पर मामला सिविल का होने पर कोतवाली पुलिस को सूचना दी गयी जिसपर मंडी चौकी प्रभारी के के कस्यप अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुँचे और मृतक का पंचनामा भरकर उसका शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

82 दिन बाद फिर मिल सकेगी विकास को गति

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव के परिणाम देश भर में सामने आ गए हैं। लोकतंत्र का महापर्व का कार्यक्रम पूरा हो गया है। ऐसे में लोकसभा चुनाव के चलते आदर्श आचार संहिता 82 दिनों बाद यानी आज हट जाएगी। इसके साथ ही जिले के कलेक्ट्रेट में आम जनता की शिकायत सुनने के लिए जनसुनवाई शुरू हो जाएगी। शहर से धारा 144 हट जाएंगी। विवाह समारोह समेत अन्य कार्यक्रम के लिए बैंड बाजा के लिए एसडीएम से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके साथ ही कर्मचारियों के अवकाश, नगर निकाय, लोक निर्माण समेत विधायकों और निकायों की निधि से नए काम कराएं जा सकेंगे। इससे लोगों को राहत मिलेगी। गरीब परिवारों को अनाज गेहूं-चावल और एक किलो नमक के लिए पात्रता पर्चा जारी करने का काम भी शुरू होगा। इधर, शहर में भी पीडब्ल्यूडी व पालिका मिलकर खराब सड़कों का नवीनीकरण भी शुरू कराएगी। बिजली व जलनिगम के कर्मी भी नए प्रस्ताव के बजट इंतेजाम कर इसे धरातल पर उतारने की तैयारी शुरू कर चुके हैं।

डीएम ने निर्माणाधीन गौ आश्रय का किया निरीक्षण

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के द्वारा मैथा तहसील अंतर्गत निर्माणाधीन वृहद गौ आश्रय स्थल अन्ने प्रथम एवं द्वितीय का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यदाई संस्था यू0पी0 सी0एल0डी0एफ0 द्वारा वृहद गौशाला के निर्माण कार्य में शिथिलता पर नाराजगी जताई और मानक के अनुरूप कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित को दिए। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता पर भी रोष व्यक्त किया तथा निर्माण सामग्री का सैंपल मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को एकत्र करने के निर्देश दिए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा सैंपल एकत्र भी किया गया। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन गौ आश्रय स्थल में सभी आवश्यक सुविधाएं निर्धारित स्थानों पर बनाई जाए, जिससे आने वाले समय में पशुओं को आश्रय स्थल में संरक्षित कर उनका भरणपोषण सुचारू रूप से किया जा सके।

जानलेवा साबित हो रहे पाइप लाइन के खोदे गए गड्ढे

फतेहपुर। नगर पंचायत खखरेरू कस्बा के मुख्य मार्गों में जल निगम पाइप लाइन डालने का कार्य कर रहीं है। इधर काफी दिनों से निर्माण कार्यदायी संस्था ने काम ठप गायब सा हो गया है जिससे पाइप लाइन लोगों के लिए जनलेवा साबित हुई। खोदे गए गड्ढों में मिट्टी की पुराई न कराये से जाने आय दिन राहगीर गड्ढे में गिरकर चुटहिल हो रहें है। इससे नगरवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और हर समय जान जोखिम में बनी रहती है। गड्ढो की चपेट में आये करीब दो दर्जन बाइक सवार गिर कर गंभीर घायल हो चुके जिन्हे आसपास के लोगों ने किसी तरह बाहर निकाला।

तंबाकू-पान मसाले का लाइसेंस लेना उचित नहीं, व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। फर्रुखाबाद

फतेहगढ़ स्थित कलेक्ट्रेट में उद्योग व्यापार मंडल मिश्रा गुट के सभी घटकों ने मिलकर संयुक्त रूप से माननीय मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश शासन को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा, जिसमें आयुक्त खाद्य सुरक्षा द्वारा एक ही दुकान से पान मसाला और तंबाकू की एक साथ बिक्री पर रोक संबंधी अधिसूचना का हवाला देते हुए कहा गया है कि यह आदेश पूर्ण रूप से अव्यवहारिक है क्योंकि पान मसाला और तंबाकू का व्यवसायहरगली, नुक्कड़ ,चौक और चौराहों पर होता है जिसे कि ज्यादातर गरीब वर्ग के व्यापारी व्यापार करके अपने परिजनों का भरण पोषण करते हैं। पान मसाला और तंबाकू एक साथ बेचने वाले दुकानदारों को अब फूड लाइसेंस लेना पड़ेगा ।इसके लिए कई बार उनको सरकारी विभाग के चक्कर लगाने पड़ेंगे। इससे अफसरशाही को ही मात्र बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय पुलिस भी दुकानदारों को परेशान कर कर सकती है क्योंकि इन छोटे-छोटे दुकानदारों के द्वारा यह लाइसेंस बनवाना बहुत मुश्किल होगा।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि उत्तर प्रदेश में पान मसाला और तंबाकू की बिक्री पर या तो पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए अन्यथा इस नियम को संज्ञान में लेते हुए इसका निरस्तीकरण कराने का कष्ट करें । जिलाधिकारी को ज्ञापन देने में मुख्य रूप से संगठन के जिला अध्यक्ष संजीव मिश्रा बॉबी, जिला महामंत्री प्रमोद गुप्ता, जिला मंत्री एवं जिला मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता ,तहसील अध्यक्ष राजू गौतम रहे।

इस ज्ञापन को देने के लिए संगठन की तरफ से जिला चेयरमैन सर्वेशअग्रवाल ,जिला महामंत्री महिला इकाई श्रीमती अर्चना द्विवेदी, अशोक कनौजिया लिंजी गंज व्यापार मंडल अध्यक्ष, रविकांत गुप्ता नगर अध्यक्ष फतेहगढ़, आदि शामिल रहे।

हाईटेंशन लाइन से लगी आग में हजारों का सामान जला

सुमेरपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के चंदौखी गांव में हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से आग लग गई। जिससे हजारों का नुकसान हो गया। फायर बिग्रेड ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। चंदौखी के मइयादीन खेत में कई सालों रह रहे हैं। शारीरिक बीमारी के कारण कुछ समय से बाहर इलाज करा रहे हैं। वृहस्पतिवार को दोपहर में इनके खेत से निकली हाईटेंशन लाइन के तारों से निकली चिंगारी से खेत में आग लग गई। यह आग कुछ देर में खेत मे बने मकान तक पहुंच गई। जिससे वहां रखा गल्ला,भूसा, अरहर की कई ट्राली अरहर की खाड़ी जल गई। घटना की सूचना पाकर फायर बिग्रेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक सब कुछ जलकर स्वाहा हो गया। इसके पहले महावीर पुत्र रामनाथ खेत पर घर बनाकर परिवार सहित रहते हैं। जिनके घर में भी आग लग जाने के गृहस्थी का सामान व कई बकरियां भी जलकर मर गई थी। लेकिन प्रशासन से कोई मदद नहीं मिली है।

हैट्रिक लगाने की खुशी में मुकेश राजपूत को किया गया सम्मानित

फर्रुखाबाद। तहसील में आज फर्रुखाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीत कर हैट्रिक लगाने की खुशी में फूल माला पहना कर सांसद मुकेश राजपूत एक कुंतल दो किलो 980 ग्राम लड्डुओं से तौला गया। सूत्रों के अनुसार भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबू कल्याण सिंह की कृपा पात्रता से वर्ष 2014 में भाजपा के टिकट पर पहली बार फर्रुखाबाद लोकसभा से सांसद चुने गए मुकेश राजपूत ने पीछे मुड़कर नहीं देखा औरइसके बाद बाबूजी की कृपा से ही वर्ष 2019 में इसी लोकसभा से पुन: टिकट पाए मुकेश राजपूत दूसरी बारभी सांसद चुने गए और तीसरी बार 2024 में भाजपा के टिकट पर मुकेश राजपूत ने फर्रुखाबाद लोकसभा से चुनाव जीत कर हैट्रिक लगाई। इसी खुशी में आज गुरुवार को फर्रुखाबाद तहसील सदर सभागार में अधिवक्ता उमाशंकर सक्सेना ने अपने घर पर अनुमानित 30 हजार रुपए की लागत से लड्डू बनवाकर, भाजपा के नवनिर्वाचित संसद सदस्य मुकेश राजपूत को फूल माला पहनाकर इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन पर वजन एक कुंतल, दो किलो 980 ग्राम लड्डुओं से तौलकर हैट्रिक लगाने की खुशी जाहिर की।

अनियमितताओं के आरोप में पूर्व प्राचार्या को किया गया निलंबित

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

डॉ. अपर्णा मिश्रा संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा कृते शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा प्रयागराज डॉ0 सुरचना त्रिवेदी सहयुक्त आचार्य संस्कृत विभाग (कार्यवाहक प्राचार्या को वित्तीय अनिमियत्ता के चलते निलम्बित कर दिया है। डॉ0 सुरचना त्रिवेदी कार्यवाहक प्रचार्य दिनांक 09.09.2018 से 31.10.2021 तक) के विरुद्ध भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखीमपुर-खीरी की विशेष सम्परीक्षा की आख्या में गम्भीर वित्तीय अनियमितताओं एवं दुर्विनियोजन का संज्ञान आने आने पर राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 57 की उपधारा (ट) में दिए गए प्रावधानों के अधीन प्रबन्धतन्त्र को अपवर्जित करते हुए अपर जिलाधिकारी को प्राधिकृत नियन्त्रक बनाया गया है।

तत्कालीन कार्यवाहक प्राचार्या डा0 सुरचना त्रिवेदी द्वारा मुदित दीक्षित प्रशासक आर्य प्रतिनिधि सभा लखनऊ के नमूना हस्ताक्षर स्वयं ही सत्यापित कर विभिन्न बैंक शाखाओं को खाता संचालन हेतु भेज दिए गए। खातों का संचालन भी किया गया। मुदित दीक्षित न तो महाविद्यालय के प्रबन्धक थे न ही प्राधिकृत नियंत्रक। नियमानुसार प्रबन्धक प्राधिकृत नियंत्रक के नमूना हस्ताक्षर क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी द्वारा सत्यापित किये जाने के बाद ही विभिन्न बैंक शाखाओं में भेजे जाते है। संयुक्त खातों का सचालन आरम्भ होता है। उक्त कृत्य उ0प्र0 विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 का पूर्णतया उल्लंघन है। डा0 सुरचना त्रिवेदी द्वारा 2018-19 से 30 अक्टूबर 2021 तक वह कार्यवाहक प्रचार्य रही। डा0 वीणा गोपाल मिश्रा प्रचार्य आर्यकन्या महाविद्यालय द्वारा फर्जी भुगतान का मामला पकड़ा गया।

शासन से नामित जांच टीम द्वारा जांच करायी गई। जॉच में काशनमनी मद कोष से 67,000, पत्रिका कोष से 5,89,767, निर्धन छात्रा सहायता कोष से 90,910, चिकित्सा कोष से रू0 89,200,प्रयोगशाला कोष से रू0 9,32,060, कैपिटल कोष से 11.29.917, अध्ययन कोष से 68,000, अनियमित पुताई पर 2,53,444, विभिन्न कोषों से अंशकालिक शिक्षक दैनिक भोगी कर्मियों को अनियमित भुगतान रू0 5.67.700ध्- अमान्य व्यय रू0 4,06,526ध्, डीजल उपभोग हेतु ब्लॉग बुक न बनाया जाना 61,621-02 लैपटॉप महाविद्यालय में उपलब्ध न होना 85,500 तथा कम्प्यूटर प्रोसेसिंग शुल्क 5.90,400 की गम्भीर वित्तीय अनियमितत्ताएं शासन द्वारा नामित टीम द्वारा पायी गई। जिसके लिए मुदित दीक्षित, प्रबन्धक एवं कार्यवाहक प्राचार्या, डॉ0 सुरचना त्रिवेदी (वर्तमान में एसोसिएट प्रोफेसर- संस्कृत) उत्तरदायी हैं।

जमीनी विवाद में हुआ खूनी संघर्ष, चाचा-भतीजा गंभीर

फतेहपुर। राधानगर थाने के सथरियांव गांव निवासी राजाराम का पुत्र गोविंद साहू व चाचा शिवशंकर पुत्र कामता प्रसाद निवासी विष्णुपुरी कालोनी से जमीनी विवाद चल रहा है। बताते हैं कि आज सुबह पीएसी गेट के सामने किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई जिस पर गोविंद साहू, उसका भाई श्याम बाबू उर्फ राजन एवं चाचा शिवशंकर के बीच खूनी संघर्ष हो गया और एक-दूसरे पर चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे चाचा शिवशंकर व गोविंद साहू गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सदर अस्पताल भेजा, जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने गोविंद साहू व शिवशंकर की हालत गंभीर देखते हुए कानपुर के लिए रेफर कर दिया। घटना के बाबत बताया जा रहा है कि सथरियांव में स्थित जमीन का काफी दिनों से चाचा-भतीजों के बीच विवाद चला आ रहा है।

गंगा में डूबकर दो युवकों की मौत, दो को बचाया

कायमगंज, फर्रुखाबाद। थाना कादरी गेट क्षेत्र में पिछले 24 घंटो में गंगा पांचाल घाट पर स्नान करने के दौरान डूबे चार युवको में दो को बचा लिया गया और दो युवकों की मौत हो गई। इधर गंगा पांचाल घाट पुलिस चौकी इंचार्ज अमित शर्मा ने बताया कि पांचाल घाट पर पिछले 24 घंटे के दौरान कल बुधवार को गंगा स्नान करते समय कादरी गेट थाना क्षेत्र के ग्राम नरायनपुर का निवासी रितिक उम्र करीब 17 वर्ष डूब गया था। उन्होंने बताया कि आज गुरुवार प्रात करीब 7. 30 बजे शाहजहांपुर जिले के ग्राम रेती का निवासी राज त्रिवेदी उम्र 18 वर्ष जो मोहगा भगुआनगला मे अपने मौसा के यहां आया था ।आज प्रात: मोहगे के प्रांशु ब चन्दन नामक युवकों के साथ गंगा पांचाल घाट पर पीपा पुल के पास स्नान करते समय तीनों गहरे जल में डूब गए।

इस दौरान मची चीख पुकार पर पुलिस ने गोताखोरों के सहयोग से चंदन एवं प्राशु को डूबने से बचा लिया तथा राज त्रिवेदीका शव गंगा जल के बाहर निकल गया । पुलिस ने बताया कि राज त्रिवेदी के शब का पंचनामा भरकर उसके परिवारी जनों को सौंप दिया गया तथा रितिक के शब का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल फतेहगढ़ को भिजवाया गया।

महिला के साथ सामूहिक बलात्कार पति ने किया आत्महत्या का प्रयास

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर के एक मोहल्ला निवासी विवाहित महिला के साथ गैंगरेप का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित महिला एक सप्ताह से कोतवाली के चक्कर लगा रही थी। कार्रवाई न होने से आहत पति ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया था। हालत गंभीर होने के कारण युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। बुधवार को विवाहिता ने तहरीर देकर कुम्हारन टोला निवासी अमन गुप्ता,अंकुर, अमित सहित दो अज्ञात व्यक्तियों पर सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 24 मई की शाम को उसके भाई की पत्नी शहर के बांकेगंज मार्ग स्थित एक व्यक्ति के यहां किसी काम से गई थी। वहीं मौजूद तीन युवक पैसों का लालच देकर विवाहिता को कार में बैठाल कर रात लगभग ग्यारह बजे तहसील के पीछे स्थित एक गांव ले गए। जहां पांचों युवकों ने विवाहिता के साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान युवकों और तहसील में चैकीदार के बीच झड़प भी हुई। जिसके बाद मामला कोतवाली पहुंचा था और पुलिस ने मामला रफा - दफा कर महिला और युवकों को घर भेज दिया था। 31 मई शुक्रवार को नामजद तीनों युवकों ने विवाहिता के पति के साथ अभद्रता कर मारपीट की। जिससे उसके शरीर पर काफी चोटे आई हैं।

मारपीट की तहरीर लेकर विवाहिता का पति जब कोतवाली पहुंचा, तो पुलिस ने उसे ही बैठा लिया था और काफी देर बाद छोड़ा। जिसके कारण महिला के पति ने कार्रवाई न होने से आहत होकर जहरीला पदार्थ खा लिया था। जिसके कारण उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल में भर्ती युवक द्वारा वीडियो वायरल करके पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप भी लगाया गया था। जिसके बाद पुलिस हरकत में आई और उसने युवक के भाई की तहरीर पर तीनों नामजद युवकों पर मारपीट का मामला दर्ज कर लिया था। मामला तूल पकड़ते देख पुलिस ने लगभग एक पखवाड़े के बाद सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया। कोतवाल इंद्रजीत सिंह ने बताया महिला की तहरीर पर सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है।

पीड़ित को मुआवजा सजा कम करने का आधार नहीं हो सकता

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि पीड़ित को मुआवजा देना सजा कम करने का आधार नहीं हो सकता। न्यायालय ने कहा कि यदि सजा कम करने के लिए मुआवजे का भुगतान एक विकल्प बन जाता है, तो इसका आपराधिक न्याय व्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।न्यायालय ने कहा कि आपराधिक मामले में पीड़ित को मुआवजा देने का उद्देश्य उन लोगों का पुनर्वास करना है जिन्हें अपराध के कारण नुकसान उठाना पड़ा हो या उन्हें चोट पहुंची हो और यह सजा कम करने का आधार नहीं हो सकता। अदालत ने कहा कि इसका नतीजा यह होगा कि अपराधियों के पास न्याय से बचने के लिए बहुत सारा पैसा होगा, जिससे आपराधिक कार्यवाही का मूल उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा।

दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 357 न्यायालय को दोषसिद्धि का निर्णय सुनाते समय पीड़ितों को मुआवजा देने का अधिकार देती है।न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, पीड़ित को मुआवजा देना अभियुक्त पर लगाए गए दंड को कम करने का आधार नहीं हो सकता है, क्योंकि पीड़ित को मुआवजा देना दंडात्मक उपाय नहीं है और इसकी प्रकृति केवल प्रतिपूरक है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 357 का उद्देश्य पीड़ित को आश्वस्त करना है कि उन्हें आपराधिक न्याय प्रणाली में भुलाया नहीं गया है। न्यायालय ने यह टिप्पणी राजेंद्र भगवानजी उमरानिया नामक एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याचिका में गुजरात उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें एक आपराधिक मामले में दो व्यक्तियों की पांच साल की सजा को घटाकर चार साल कर दिया गया था। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि यदि दोषी पीड़ित को 2.50 लाख रुपए का भुगतान कर दें तो उन्हें चार साल की सजा भी नहीं काटनी होगी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि घटना को 12 वर्ष बीत चुके हैं और दोषियों ने पहले ही पांच लाख रुपए जमा कर दिए हैं। पीठ ने कहा, हम उन्हें चार वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतने का निर्देश देने के पक्ष में नहीं हैं। उच्चतम अदालत ने कहा, हम हालांकि प्रत्एक प्रतिवादी को निचली अदालत में पहले से जमा की गई राशि के अलावा और पांच लाख रुपए, यानी कुल 10 लाख रुपए जमा करने का निर्देश देते हैं।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के आरोपों को लेकर चिंता जताई

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बाद कुछ स्थानों पर हुई कथित हिंसा पर बृहस्पतिवार को चिंता जताते हुए निर्देश जारी किया कि प्रभावित लोग राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को ईमेल के माध्यम से अपनी शिकायत दे सकते हैं। यह आदेश उच्च न्यायालय में एक याचिका के बाद आया है जिसमें चुनाव के बाद राज्य के कुछ स्थानों पर कथित चुनाव बाद हिंसा के मद्देनजर विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। यह टिप्पणी करते हुए कि इसी तरह के आरोप 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद भी सामने आए थे अदालत ने पूछा कि क्या चुनाव बाद हिंसा की घटनाएं किसी अन्य राज्य में हुई हैं। आम चुनावों के बाद हिंसा होने की खबरों पर निराशा व्यक्त करते हुए अदालत ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की राज्य सरकार की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। न्यायमूर्ति कौशिक चंदा और न्यायमूर्ति अपूर्व सिन्हा रॉय की खंडपीठ ने निर्देश दिया कि चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं से कथित रूप से प्रभावित व्यक्ति ई-मेल के जरिए डीजीपी को शिकायतें भेज सकते हैं। खंडपीठ ने कहा कि यदि शिकायत में संज्ञेय अपराध का संकेत मिलता है, तो डीजीपी इसे प्राथमिकी दर्ज करने के लिए संबंधित स्थानीय पुलिस थाने को भेज देंगे। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि प्रभावित व्यक्ति शिकायत दर्ज कराने के लिए स्थानीय पुलिस थाने जाने में झिझक रहे हैं। अदालत ने डीजीपी को 10 दिनों के भीतर एक रिपोर्टदेने का निर्देश दिया, जिसमें प्राप्त शिकायतों की संख्या, दर्ज की गई प्राथमिकी और इस संबंध में की गई कार्वाई का विवरण हो। देने का निर्देश दिया, जिसमें प्राप्त शिकायतों की संख्या, दर्ज की गई प्राथमिकी और इस संबंध में की गई कार्वाई का विवरण हो। अदालत में राज्य सरकार के वकीलों ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता द्वारा जिन घटनाओं का उल्लेख किया है, वह सीधे तौर पर चुनावों से जुड़ी नहीं हो सकती हैं। लोकसभा चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद निर्वाचन आयोग ने राज्य में कुछ और समय तक केंद्रीय बलों की पर्याप्त मौजूदगी बनाए रखने का निर्णय लिया है।

ऑपरेशन ब्लूस्टार की बरसी पर पंजाब में खालिस्तान के समर्थन में नारे लगे

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में ऑपरेशन ब्लूस्टार की 40वीं बरसी पर बृहस्पतिवार को कट्टरपंथी सिख संगठनों के समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाए। सिमरनजीत सिंह मान के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) और पूर्व सांसद ध्यान सिंह मंड के गुट समेत विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने, सिखों की सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त में ए नारे लगाए। हाल ही में संगरूर लोकसभा सीट से चुनाव हारने वाले मान भी इस दौरान मौजूद थे।कट्टरपंथी संगठन दल खालसा के नेतृत्व में कुछ सिख युवा हाथों में खालिस्तानी झंडे और क्षतिग्रस्त अकाल तख्त की तस्वीरें लिए हुए नजर आए। इसके साथ ही, दल खालसा के कार्यकर्ताओं ने मारे गए चरमपंथी जरनैल सिंह भिंडरावाले और खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की फोटो वाली तख्तियां हाथों में ली हुई थीं। पिछले साल कनाडा में निज्जर की हत्या कर दी गई थी। अकाल तख्त के नजदीक, सबसे पवित्र सिख तीर्थस्थल स्वर्ण मंदिर के परिसर में खालिस्तान समर्थक नारे सुनाई दिए। कुछ सिख युवाओं ने खालिस्तान जिंदाबाद लिखे बैनर और तख्तियां पकड़ी हुई थीं। ऑपरेशन ब्लूस्टार की बरसी पर आयोजित कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके, यह सुनिश्चित करने के लिए अमृतसर में सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने सिख समुदाय के लिए अपने संदेश में कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह खालसा का उल्लेख करते हुए कहा कि निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लोकसभा चुनाव जीतने वाले दोनों सिखों को बंदी सिंहों (सिख कैदी जिन्होंने जेल में सजा पूरी कर ली है) की रिहाई के लिए संसद में आवाज उठानी चाहिए।

नीट परीक्षा:परीक्षार्थियों ने अंक बढ़ाए जाने का आरोप लगाया

एनटीए ने अनियमितताओं से किया इनकार

भाषा। नई दिल्ली

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा) के कई परीक्षार्थियों ने छात्रों के अंक बढ़ाए जाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसके कारण रिकॉर्ड 67 परीक्षार्थियों ने शीर्ष रैंक हासिल की और इनमें से छह अभ्यर्थी एक ही परीक्षा केंद्र से हैं।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने किसी भी प्रकार की अनियमितता होने से इनकार किया है। उसने कहा कि छात्रों द्वारा अधिक अंक प्राप्त करने के पीछे राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर समय बर्बाद होने की स्थिति में दिए गए अतिरिक्त अंक कारण रहे। एनटीए द्वारा बुधवार शाम घोषित परिणामों में 67 छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिनमें से छह विद्यार्थी हरियाणा के एक ही परीक्षा केंद्र से हैं। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, नीट परीक्षा के बाद अब नीट का परिणाम भी विवादों में है। नीट का परिणाम आने के बाद एक ही परीक्षा केंद्र के छह छात्रों के 720 में से 720 अंक प्राप्त करने पर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा, नीट परीक्षा से जुड़ी कई और धांधलियां भी सामने आई हैं। पार्टी ने कहा, पहले प्रश्न पत्र लीक होने और अब परिणाम में गड़बड़ी से देश के लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। साफ है कि यह सरकार कोई भी परीक्षा, प्रश्न पत्र लीक किए बिना नहीं करा सकती। साहेब का दावा तो विदेशों में युद्ध रुकवाने का होता है लेकिन वह देश में प्रश्न पत्र लीक भी नहीं रुकवा पा रहे। एनटीए ने अंक बढ़ने का कारण बताते हुए कहा कि उसे परीक्षा के संचालन के दौरान समय बर्बाद होने के बारे में कई शिकायतें मिली थीं। उसने एक बयान में कहा, एनटीए ने ऐसे मामलों और अभ्यावेदनों पर विचार किया और उच्चतम न्यायालय ने 13 जून 2018 के अपने निर्णय के तहत जो सामान्ईकरण फार्मूला तैयार किया और अपनाया था, उसे नीट (यूजी) 2024 के परीक्षार्थियों के लिए लागू किया गया ताकि समय बर्बाद होने के कारण उन्हें हुए नकुसान की भरपाई की जा सके। बयान में कहा गया, परीक्षा के दौरान समय के नुकसान का पता लगाया गया और कुछ अभ्यर्थियों को इसकी भरपाई के लिए अतिरिक्त अंक दिए गए, इसलिए उनके अंक 718 या 719 भी हो सकते हैं। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अतिरिक्त अंकों के अस्पष्ट कार्यान्वयन के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर पीटीआई-भाषा से कहा कि प्रश्नपत्र एनसीईआरटी की नई पाठ्यपुस्तक के आधार पर तैयार किया गया था लेकिन कुछ छात्रों के पास पुरानी एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें थीं।अधिकारी ने कहा, हमें इस मामले में अभ्यावेदन मिला था जिसके कारण एनटीए को उन सभी छात्रों को पांच अंक देने पड़े जिन्होंने दो विकल्पों में से एक को चुना था। इस कारण कुल 44 छात्रों के अंक 715 से बढ़कर 720 हो गए, जिससे शीर्ष स्थान पर रहने वाले छात्रों की संख्या बढ़ गई। अधिकारी ने बताया कि परीक्षा के दौरान समय की बर्बादी को लेकर चिंता जताने वाले कई अभ्यावेदन और कई अदालती मामलों के बाद जांच के लिए एक समिति गठित की गई जिसने सभी पहलुओं की जांच की और समय की बर्बादी होने का पता लगाया। अधिकारी ने कहा, ऐसे परीक्षार्थियों को अतिरिक्त अंक दिए गए। कुछ केंद्रों पर छात्रों के अंक अधिक हैं क्योंकि यह संभावना है कि उन सभी को अतिरिक्त अंकों का लाभ मिला हो। विशेषज्ञों के अनुसार, नीट-यूजी 2024 के परिणाम में अंकों की वृद्धि से इस वर्ष मेडिकल स्कूल में स्थान प्राप्त करना और भी कठिन हो सकता है। कुछ परीक्षार्थियों ने परिणाम रद्द करने और फिर से परीक्षा कराने की ऑनलाइन मंचों के जरिए मांग की है।

मानहानि मामले में राहुल गांधी बेंगलुरु की अदालत में पेश होंगे

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा की कर्नाटक द्वारा दायर मानहानि के मामले में शुक्रवार को यहां एक विशेष अदालत के समक्ष पेश होंगे।भाजपा की कर्नाटक इकाई ने कांग्रेस पर मुख्यधारा के समाचार पत्रों में कथित रूप से झूठे विज्ञापन जारी करने का आरोप लगाया था। पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले विज्ञापन में राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार पर 2019-2023 के शासनकाल के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया गया था। कांग्रेस की राज्य इकाई ने बृहस्पतिवार को कहा, कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कल (शुक्रवार) पूर्वाह्न साढ़े दस बजे शहर दीवानी न्यायालय में पेश होंगे। पार्टी की राज्य इकाई ने बताया कि इसके बाद वह साढ़े 11 बजे क्वींस रोड स्थित भारत जोड़ो भवन में राज्य से कांग्रेस के नवनिर्वाचित सांसदों के साथ चर्चा करेंगे। इसने बताया कि इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार भी मौजूद रहेंगे। अदालत ने इस मामले में एक जून को सिद्धरमैया तथा शिवकुमार को जमानत दे दी थी। मामले में राहुल गांधी को सात जून को अदालत में पेश होने को कहा गया था। भाजपा ने यह आरोप लगाते हुए मानहानि का मामला दर्ज कराया था कि इन कांग्रेस नेताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा नेताओं के खिलाफ झूठे विज्ञापन दिए। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा था कि सभी लोक निर्माण कार्यों में 40 प्रतिशत कमीशन लेने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने पिछली सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार रेट कार्ड भी प्रकाशित किया था।शिकायतकर्ता ने कांग्रेस पार्टी पर पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के खिलाफ बदनाम करने वाला अभियान चलाने का आरोप लगाया था।

आंकड़े उत्साहजनक

सुप्रिया सुले ने विपक्षी गठबंधन की सरकार की संभावना पर कहा

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) नेता सुप्रिया सुले ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा द्वारा अगली सरकार बनाए जाने की तैयारियों के बीच इंडिया गठबंधन ने प्रतीक्षा करो और देखो की नीति पर चलने फैसला किया है किंतु उम्मीद हमेशा बनी रहेगी क्योंकि नई लोकसभा में विपक्षी गठबंधन का संख्या बल उत्साहजनक है। सुले ने अपनी भाभी को हराकर चौथी बार बारामती लोकसभा सीट जीत के बाद पहली बार पुणे पहुंचने पर पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। जब उनसे विपक्षी गठबंधन के सरकार बनाने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हम हमेशा आशान्वित हैं और आंकड़े बहुत उत्साहजनक है। इससे पहले मार्केट यार्ड इलाके में अपने कार्यालय में सुले ने कहा कि विपक्षी गठबंधन ने प्रतीक्षा करो और देखो की नीति पर चलने का फैसला किया है क्योंकि उसके पास जादुई आंकड़ा (लोकसभा में बहुमत साबित करने के लिए) नहीं है। सुले ने बुधवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक में भाग लिया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने नियमों के अनुसार सबसे बड़ी पार्टी भाजपा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है, लेकिन इंडिया गठबंधन भी तैयारै है। सुप्रिया सुले ने कहा कि मतदाताओं ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दमन को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, इस चुनाव में राज्य के मतदाताओं ने आईसीई (आयकर, सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय) और उनके दमन को नकार दिया है और यही महाराष्ट्र की असली ताकत है। सुले ने कहा कि मतदाताओं ने महंगाई और बेरोजगारी को नकार दिया और इस बात पर जोर दिया कि देश संविधान के ढांचे के भीतर चलेगा। चौथी बार सांसद बनीं सुले ने कहा, मैं इस जीत के लिए अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और महाविकास अघाड़ी के घटकों की आभारी हूं।

दिलीप घोष के बयान से भाजपा की बंगाल इकाई में गुटबाजी की अटकलें तेज

कोलकाता। (भाषा)। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई में दिख रही दरार के बीच दिग्गज नेता दिलीप घोष के बयान ने पार्टी में पुराने बनाम नए को लेकर नई बहस शुरू होने की अटकलें तेज कर दी है। घोष ने बृहस्पतिवार को एक्स पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के बयान का हवाला देते हुए लिखा, एक चीज हमेशा ध्यान रखिए कि पार्टी के पुराने से पुराने कार्यकर्ता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर जरूरत पड़े तो दस नए कार्यकर्ताओं को अलग कर दीजिए क्योंकि पुराने कार्यकर्ता हमारी जीत की गारंटी हैं। नए कार्यकर्ताओं पर बहुत जल्दी विश्वास नहीं करना चाहिए। बर्धमान-दुर्गापुर सीट पर तृणमूल कांग्रेस के कीर्ति आजाद ने घोष को करीब 1.38 लाख मतों से हराया है, जिसके बाद भाजपा नेता ने यह टिप्पणी की है। पार्टी की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष और मेदिनीपुर से सांसद रहे घोष को बर्धमान-दुर्गापुर सीट से टिकट दिया गया था, जहां तृणमूल कांग्रेस से उनके कड़े मुकाबले की उम्मीद थी। घोष को बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट से सांसद एस.एस. अहलूवालिया की जगह चुनाव मैदान में उतारा गया था। अहलूवालिया को आसानसोल से टिकट दिया गया था। भाजपा ने आसनसोल दक्षिण से मौजूदा विधायक अग्निमित्र पॉल को घोष की जगह मेदिनीपुर से लोकसभा प्रत्याशी घोषित किया था। भाजपा के तीनों प्रत्याशियों को हाल ही में संपन्न चुनावों में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवारों के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा।

टीएमसी समर्थकों ने प्रदेश भाजपा प्रमुख की कार को रोका, नारे लगाए

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने उत्तर 24 परगना के मिनखा गांव जा रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार की कार को रोक लिया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। मजूमदार चुनाव के बाद कथित तौर पर तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा की गई हिंसा से प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने जा रहे थे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि चार जून को आए चुनाव नतीजों के बाद भाजपा ने इन घटनाओं को उठाया था जिसके बाद मजूमदार का दौरा हुआ। उन्होंने दावा किया कि जय बांग्ला के नारे लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने मजूमदार की कार को रोक लिया। चुनाव के बाद क्षेत्र में भय पैदा करने का टीएमसी कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाते हुए मजूमदार ने कहा कि उनके दौरे का उद्देश्य प्रभावित लोगों की सहायता करना है। उन्होंने कहा, मैं क्षेत्र के प्रभावित लोगों से मिलने आया हूं। आज रात मैं दिल्ली जा रहा हूं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात करूंगा तथा उनसे राज्य में केंद्रीय बलों की मौजूदगी की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करूंगा। इसके अतिरिक्त, भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी ने राज्यपाल सी वी आनंद बोस से अशांत क्षेत्रों का दौरा करने का आग्रह किया। हाल में हुए लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा को 12 सीट मिलीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 29 सीट जीतीं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री के बेटे यतींद्र और भाजपा नेता सी.टी. रवि विधान परिषद सदस्य निर्वाचित

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धरमैया और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि समेत सभी 11 उम्मीदवार बृहस्पतिवार को निर्विरोध विधान परिषद सदस्य निर्वाचित हो गए। निर्वाचन अधिकारी ने यह जानकारी दी। विधान परिषद की 11 सीट के लिए 13 जून को मतदान होना था। विधान परिषद चुनाव में विधानसभा सदस्य मतदान करते हैं। आज उम्मीदवारी वापस लेने का अंतिम दिन था। विधानसभा में दलों के मौजूदा संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस ने सात, भाजपा ने तीन और जद (एस) ने एक सीट पर जीत हासिल की। इस चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी और कर्नाटक विधानसभा की महासचिव एम. वी. विशालाक्षी ने कहा, आज (नाम वापसी के अंतिम दिन) अपराह्न तीन बजे तक किसी ने उम्मीदवारी वापस नहीं ली। 11 सीट के लिए 11 उम्मीदवार थे, लिहाजा इन सभी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

पेज 1 का शेष

नायडू...

जीती गई सीटों के अनुपात में मंत्री पद बांटना पड़ सकता है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नवनिर्वाचित सांसद नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुनने के लिए शुक्रवार को बैठक करेंगे, जिससे उनके तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। सूत्रों ने कहा कि मोदी के एनडीए सांसदों के नेता के रूप में चुने जाने के बाद, टीडीपी के एन चंद्रबाबू नायडू और जेडी (यू) के नीतीश कुमार जैसे गठबंधन के वरिष्ठ सदस्य राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ बैठक में प्रधानमंत्री के साथ शामिल होंगे और उन्हें सांसदों की सूची सौंपेंगे। उसका समर्थन कर रहे हैं। बीजेपी के एक अन्य सहयोगी और एलजेपी (आर) नेता चिराग पासवान, जिन्हें कैबिनेट में जगह पाने के दावेदार के रूप में देखा जाता है, ने कहा कि उनकी पार्टी का मोदी को बिना शर्त समर्थन है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके नेतृत्व में ही एनडीए ने बहुमत हासिल किया है। उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी घटक दल शुक्रवार को नए प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के लिए राष्ट्रपति को अपना समर्थन पत्र सौंप सकते हैं। अग्निपथ योजना की समीक्षा की जद (यू) की मांग के बारे में पूछे जाने पर, पासवान ने बुधवार को एनडीए की बैठक में मोदी द्वारा कही गई बात का हवाला देते हुए कहा कि वह विभिन्न मुद्दों पर सहयोगियों के सुझावों के लिए खुले हैं।

इंडिया...

बंटवारे के बाद बिहार को जिस स्थिति का सामना करना पड़ा है, उसे विशेष राज्य का दर्जा दिये बिना ठीक नहीं किया जा सकता है। जेडी (यू) और चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी जैसे सहयोगियों का समर्थन भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लोकसभा चुनाव में वह अपने दम पर बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच सकी। भाजपा को 240 सीटें मिलीं, जो पूर्ण बहुमत से 32 कम है। इसके सहयोगियों में, एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और नीतीश कुमार की जेडी (यू), जिसने आंध्र प्रदेश और बिहार में क्रमश: 16 और 12 सीटें जीतीं, और अन्य गठबंधन सहयोगियों के साथ, एनडीए के पास 293 सीटें हैं। 12 सांसदों के साथ जद (यू) तेलुगु देशम पार्टी के 16 सांसदों के बाद भाजपा की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी है। नीतीश कुमार के एक अन्य करीबी सहयोगी ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा, अब हमारी नजर तीन कैबिनेट सीटों पर है...। पार्टी के एक अन्य शीर्ष नेता ने कहा कि उन्हें केंद्रीय मंत्रिपरिषद में सम्मानजनक प्रतिनिधित्व की उम्मीद है। जद (यू) नेता और बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, कैबिनेट बर्थ का मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारी पार्टी के प्रमुख नीतीश कुमार द्वारा तय किया जाएगा। लेकिन, यह सम्मानजनक होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व का मामला 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए तय किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पार्टी में मंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे राज्यसभा सांसद संजय झा, राजीव रंजन सिंह ललन, कौशलेंद्र कुमार, रामप्रीत मंडल और लवली आनंद शामिल हैं।

कंगना...

में तो किसी तरह की लिखित शिकायत नहीं दी और वह फ्लाइट से दिल्ली रवाना हो गई। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने वाली कंगना ने कांग्रेस के प्रत्याशी को 74 हजार मतों से शिकस्त दी थी।

विस चुनाव..

गठबंधन पर उन्होंने कहा कि इससे सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि हार का अंतर कम हो गया। उन्होंने कहा, कांग्रेस के साथ लड़ने का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर काफी कम हो गया। उन्होंने कहा कि जिन परिस्थितियों में गठबंधन हारा, वे बहुत अलग थीं। दिल्ली में 70 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनमें 13 एससी आरक्षित हैं और सात लोकसभा क्षेत्र हैं। प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में 10 विधानसभा सीटें हैं।

निर्वाचन...

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों का विवरण प्रस्तुत किया। यह बैठक अगली या 18वीं लोकसभा के गठन की प्रक्रिया का हिस्सा है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ शाम साढ़े चार बजे राष्ट्रपति से मिले। बयान में कहा गया है, भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 73 के अंतर्गत जारी अधिसूचना की एक प्रति, जिसमें 18वीं लोकसभा के आम चुनावों के बाद लोकसभा के लिए निर्वाचित सदस्यों के नाम शामिल हैं, राष्ट्रपति को सौंपी गई। बयान के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मू ने मानव इतिहास की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया, चुनाव प्रक्रिया के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों को बधाई दी। इसमें कहा गया है, उन्होंने पूरे देश की ओर से निर्वाचन आयोग, उसके अधिकारियों और कर्मचारियों, अभियान और मतदान के प्रबंधन में शामिल अन्य सरकारी अधिकारियों, पुलिस और सुरक्षा कर्मियों (केंद्र और राज्य) के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए पूरी मेहनत और लगन से काम किया। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने उन करोड़ों मतदाताओं की भी सराहना की, जिन्होंने बड़ी संख्या में चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। इसमें कहा गया है, राष्ट्रपति ने कहा कि यह पूरी तरह से हमारे संविधान और भारत की महान लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने बुधवार को 17वीं लोकसभा को भंग करने का आदेश दिया था।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बहुमत हासिल करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की राह पर हैं। लोकसभा चुनाव में राजग को 293 सीट मिली हैं, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) को 234 सीट मिली हैं।

बिहार में विभिन्न पदों पर 45 हजार नियुक्ति करेगा स्वास्थ्य विभाग

भाषा। पटना

लोकसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद बिहार के स्वास्थ्य विभाग ने विभिन्न पदों पर 45 हजार नियुक्तियां करने का निर्णय लिया है। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने स्वास्थ्य विभाग एवं राज्य स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारियों के साथ बृहस्पतिवार को बैठक की। विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री द्वारा राज्य की जनता को बेहतर एवं गुणात्मक स्वास्थ्य एवं विशिष्ट चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने की सरकार की प्राथमिकता को ध्याने में रखते हुए विभाग में मुख्यालय स्तर से लेकर क्षेत्रीय एवं स्वास्थ्य उपकेन्द्र स्तर तक की सभी रिक्त पदों पर चार माह के अंदर नियुक्ति करने का निर्देश विभागीय पदाधिकारियों को दिया।

विज्ञप्ति के मुताबिक, इसके तहत विभिन्न पदों पर 45 हजार नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। विज्ञप्ति में बताया गया कि जिन रिक्त पदों पर ए नियुक्तियां की जाएंगी उनमें सहायक प्राध्यापक के 13,319 पद, विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी के 3,523 पद, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी के 396 पद, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी (संविदा) के 1290 पद, दंत चिकित्सक के 64 पद, सिस्टर ट्विटर के 365 पद, नर्स के 6298 पद, एएनएम के 15089 पद, फार्मासिस्ट के 3637 पद, एक्स-रे टेक्नीशियन के 803 पद, ओटी असिस्टेंट के 1326 पद, ईसीजी टेक्नीशियन के 163 पद, लैब टेक्नीशियन के 3080 पद, ड्रेसर के 1562 पद और सीएचओ (संविदा) के 4500 पद शामिल हैं।

नागांव और धुबरी के परिणाम खतरनाक : हिमंत

भाषा। गोलपाड़ा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि नागांव और धुबरी लोकसभा क्षेत्र के चुनाव परिणाम इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि राज्य के सामाजिक तानेबाने की बुनियाद बहुत कमजोर है। धुबरी सीट से कांग्रेस विधायक रकीबुल हुसैन ने 10 लाख वोट के रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की है, वहीं नागांव से पार्टी सांसद प्रद्युत बोरदोलोई 2,12,231 मतों के अंतर से विजई हुए हैं। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, नागांव और धुबरी के खतरनाक चुनाव परिणामों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि असम के सामाजिक तानेबाने की बुनियाद बहुत कमजोर है। रकीबुल हुसैन 10 लाख वोट से जीत गए। यह क्या बताता है? यह हमारे समाज और राष्ट्रीय जीवन के सामने खतरे को दिखाता है। उन्होंने दावा किया, आप सोचिए कि 10 लाख से ज्यादा वोट से जीत हुई और एक भी हिंदू ने वहां मतदान नहीं किया। हमारे सामाजिक तानेबाने के सामने कैसा खतरा है? शर्मा ने यह भी कहा कि बोरदोलोई ने भी नागांव में मुस्लिम बहुल विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा ने सभी हिंदू बहुल विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल की। हुसैन ने निवर्तमान सांसद और एआईयूडीएफ अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल को 10,12,476 वोट के बड़े अंतर से हराया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जोरहट से कांग्रेस उम्मीदवार और निवर्तमान सांसद गौरव गोगोई की जीत को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि वह अपने हैं और उनकी जीत में कुछ भी सांप्रदायिक नहीं है।

असम में 15 अगस्त तक मंत्रिमंडल फेरबदल होगा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 15 अगस्त तक अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल करेंगे और कम से कम तीन नए चेहरों को इसमें शामिल किया जाएगा, ताकि 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले नई टीम तैयार की जा सके। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने इस बारे में केंद्रीय नेतृत्व से बात नहीं की है और राज्य में बाढ़ से उत्पन्न हालात बेहतर होने के बाद एक महीने में मंत्रिमंडल में फेरबदल की प्रक्रिया पर विचार करेंगे।

उन्होंने कहा, हम मंत्रिमंडल में बदलाव कर इसे नया रूप देंगे। हमें 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए टीम तैयार करनी है, जो नई ऊर्जा के साथ काम करेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है, क्योंकि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से बात नहीं की है। शर्मा ने कहा, बाढ़ से उत्पन्न हालात भी सामने हैं। लिहाजा, हम एक महीने बाद शुरू करेंगे। 15 अगस्त तक हम नया मंत्रिमंडल तैयार करेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कम से कम तीन नए चेहरों को कैबिनेट में शामिल किया जाएगा। शर्मा ने कहा, मंत्रिमंडल में दो पद पहले ही खाली हैं। हमारे मंत्री परिमल शुक्ला वैद्य ने लोकसभा चुनाव जीत लिया है, लिहाजा वह पद भी खाली होगा। असम के आबकारी, परिवहन और मत्स्य पालन मंत्री परिमल शुक्लावैद्य ने सिलचर से 2,64,311 मतों के अंतर से जीत हासिल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मौजूदा मंत्रियों को बदला नहीं जा सकता, लेकिन उनके विभागों में फेरबदल किए जाने की संभावना है।

हमने प्रधानमंत्री मोदी को बिना शर्त समर्थन दिया है: चिराग

भाषा। नई दिल्ली

लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बिना शर्त समर्थन दिया है, क्योंकि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत उनके नेतृत्व की जीत है। राजग के नेताओं ने बुधवार को सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री मोदी को सत्तारूढ़ गठबंधन का नेता चुना और गरीबों, महिलाओं, युवाओं, किसानों व समाज के वंचित वर्गों की सेवा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। लोकसभा चुनावों में राजग को बहुमत मिलने के एक दिन बाद पासवान ने प्रधानमंत्री मोदी के आवास पर उनसे मुलाकात की थी।

बुधवार की बैठक के बारे में पूछे जाने पर पासवान ने पत्रकारों से कहा, हमने कल की बैठक में प्रधानमंत्री और उनके नेतृत्व को अपना समर्थन दिया। हमने बिना किसी शर्त के विनम्रतापूर्वक उनका नेतृत्व स्वीकार कर लिया। लोजपा (रामविलास) प्रमुख ने कहा, और इसमें कोई शर्त नहीं हो सकती। यह प्रधानमंत्री के नेतृत्व की जीत है। वह राजग को साथ लेकर चले, जिसकी वजह से गठबंधन को जीत मिली है।

श्रीनगरः ईशनिंदा वाली पोस्ट डालने के लिए मेडिकल छात्र पर मामला दर्ज

श्रीनगर। श्रीनगर, छह जून (भाषा) जम्मू-कश्मीर स्थित श्रीनगर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे गैर स्थानीय छात्र के खिलाफ एक कॉलर ऐप पर कथित तौर पर धार्मिक रूप से संवेदनशील सामग्री पोस्ट करने को लेकर पुलिस ने बृहस्पतिवार को आपराधिक मामला दर्ज किया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, श्रीनगर पुलिस ने जीएमसी श्रीनगर के एक छात्र द्वारा एक विशेष समुदाय की धार्मिक भावनाओं के खिलाफ संवेदनशील सामग्री पोस्ट करने की घटना का संज्ञान लिया है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी के बिरधी के अनुसार, आरोपी श्रीनगर के राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में पढ़ रहा था। उसने कथित तौर पर पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ पोस्ट किया था। दर्जनों छात्रों और कई जूनियर चिकित्सकों ने जीएमसी परिसर में छात्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।

राजस्थान : वॉटर पार्क में प्रवेश शुल्क को लेकर विवाद, लोगों ने पार्क में तोड़फोड़ की

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में बृहस्पतिवार को एक वॉटर पार्क मे प्रवेश शुल्क को लेकर विवाद मे कुछ लोगों ने पार्क के एक हिस्से में तोड़फोड़ की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी वॉटर पार्क मे निशुल्क प्रवेश चाहते थे क्योंकि उनका तर्क था कि वे स्थानीय है और उन्हें बिना शुल्क के प्रवेश की अनुमति दी जाए। पुलिस के मुताबिक, जब संचालक ने निशुल्क प्रवेश के लिए मना किया तो उन्होंने हाथापाई शुरू कर दी।पुलिस ने बताया कि इस बीच, आरोपियो ने जेसीबी मशीन लेकर कुछ अन्य स्थानीय लोगों को मौके पर बुला लिया और स्विमिंग पूल की बाउंड्री समेत पार्क के कुछ हिस्से में तोड़फोड़ की।

मणिपुरः उग्रवादियों ने की एक व्यक्ति की हत्या, जिरीबाम में तनाव

इंफाल। जातीय संघर्ष से जूझ रहे मणिपुर के जिरीबाम जिले मे बृहस्पतिवार शाम को उस समय तनाव पैदा हो गया, जब एक समुदाय के 59-वर्षीय व्यक्ति की दूसरे समुदाय के कथित उग्रवादियो ने हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोइबाम सरतकुमार सिंह नामक व्यक्ति सुबह अपने खेत जाने के बाद से लापता था।अधिकारी ने बताया कि बाद में उसका शव मिला, जिस पर किसी नुकीली चीज से किए गए घाव के निशान थे। उन्होने बताया कि इस घटना से नाराज स्थानीय लोगो ने एक खाली पड़े ढांचे में आग लगा दी। स्थानीय लोगों ने जिरीबाम पुलिस थाने के सामने विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि चुनाव के मद्देनजर उनसे लिए गए उनके लाइसेंसी हथियार उन्हें लौटा दिए जाएं। जिरीबाम में मेइती, मुस्लिम, नगा, कुकी और गैर-मणिपुरी लोग रहते है।

सूरज सिह ने नीट 2024 में मारी बाजी

नोएडा। अनएकेडमी के स्टूडेंट सूरज सिंह ने नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) 2024 में 705 अंकों के साथ अपने शहर और माता-पिता को गर्व महसूस कराया है। उत्तर प्रदेश के इस होनहार युवा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया है, जो पेशे से एक डॉक्टर हैं जिनकी मदद और मार्गदर्शन से सूरज ने अपने सपनों को साकार किया है।सूरज के दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता ने उन्हें ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया, जिसके कारण उन्होंने नीट 2024 की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत की। उनकी तैयारी की रणनीति में रोजाना चार से पांच घंटे की पढ़ाई शामिल थी। साथ ही, अनएकेडमी के शिक्षकों के मार्गदर्शन, दैनिक अभ्यास प्रश्न और डाउट सॉल्विंग सेशंस ने उनकी तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ज़रूर से जुड़ेंगी भावनाएं

मुंबई। बहुआयामी प्रतिभाशाली अपरशक्ति खुराना और उभरती हुई कलाकार सावी कहलों अपने नए प्रेमगीत ज़रूर् के लिए एक दूसरे के साथ आए हैं। दिल के तार छेड़ने के लिए भावनाओं से ओतप्रोत गीत ज़रूर् में बिछड़ने के बाद एक नई शुरुआत करने के नाजुक सफर का विश्लेषण किया गया है। ज़रूर क भावनाशील गीत है, जिसे सावी कहलों ने लिखा व कंपोज़ किया है। इसमें अपरशक्ति खुराना की मधुर आवाज ने यादों के कड़वे.मीठे अनुभवों को जगा दिया हैए और एक बार फिर से खुद की तलाश करने का साहस प्रदान किया है। अपनी मौलिक और भावनाशील कहानी से श्रोताओं के दिल में उतरते हुए इस ट्रैक में मानवीय भावनाओं की जटिलता को बहुत ही उत्कृष्टता एवं प्रामाणिकता के साथ खंगाला गया है। इस सहयोग के बारे में गायक.अभिनेताए अपरशक्ति खुराना ने कहा कि ज़रूर के लिए काम करने का अनुभव बिल्कुल अलग और संतोष प्रदान करने वाला था। सावी पाजी के गीत और कंपोज़िशन ने मेरे हृदय को छू लिया और एक कलाकार के रूप में मुझे नए आयामों को खोजने में समर्थ बनाया।

भाजपा 2025 का बिहार विस चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ेगा

भाषा। पटना

बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने 2025 का राज्य विधानसभा चुनाव अपनी सहयोगी पार्टी जद(यू) के अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ने के संकेत दिए हैं। राजधानी पटना में बृहस्पतिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान चौधरी से 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ने को लेकर पूछे गए एक प्रश्न पर कहा, इसमें दिक्कत कहां है। भाजपा उनके नेतृत्व में 1996 से चुनाव लड़ रही है और आगे भी लड़ेगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ लोकसभा चुनाव की समीक्षा के बाद उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता ने राजग को 75 प्रतिशत अंक दिए हैं। हम लोग जिन सीटों पर चुनाव हारे हैं, उसकी समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम इस चुनाव में और बेहतर कर सकते थे। हमें भरोसा था कि बिहार की 40 में से 40 सीटें जीतेंगे, लेकिन हम 25 प्रतिशत सीट हारे, इसकी समीक्षा की जाएगी। पिछले आम चुनाव की तुलना में, बिहार में राजग की सीटों की संख्या में नौ की कमी आई है। जद(यू) ने कटिहार, पूर्णिया और जहानाबाद में तीन सीटें खो दीं, जबकि भाजपा को पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, औरंगाबाद और सासाराम में हार का सामना करना पड़ा। वहीं काराकाट सीट जहां से पिछले चुनाव में जद(यू) उम्मीदवार विजय हुए थे, राजग में सीट बंटवारे के तहत इस बार यह सीट पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के खाते में गई थी लेकिन वह चुनाव हार गए। कुशवाहा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपनी हार को लेकर कहा, चूक हुई या क्या हुआ, यह सबको मालूम है। इसमें हमें कहने की जरूरत नहीं है। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह के निर्दलीय चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, फैक्टर बना या बनाया गया यह सब को पता है मुझे बताने की जरूरत नहीं। यह पूछे जाने पर की क्या आप भितरघात के शिकार हुए, कुशवाहा ने कहा कि अब इस बारे में कुछ कहने की आवश्यकता है क्या, मैं फिर कह रहा हूं कि यह सबको मालूम है। हालांकि, इस चुनाव में चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपनी सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की। इस चुनाव में विपक्षी इंडिया गठबंधन पिछले चुनाव की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हुए नौ सीट जीतने में सफल रहा, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव पूर्णिया सीट जीतने में सफल रहे। पिछले चुनाव में विपक्षी महागठबंधन बिहार की कुल 40 लोकसभा सीटों में से मात्र एक सिटी जीत पाया था।

क्विक न्यूज

उमर अब्दुल्ला ने इंजीनियर रशीद की जीत से जुड़ा लेख साझा किया, खड़ा हुआ विवाद

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक समाचार लेख साझा किया, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस लेख में कहा गया है कि बारामूला लोकसभा सीट से इंजीनियर राशिद की जीत से अलगाववादियों को बढ़ावा मिलेगा। विवाद उस समय खड़ा हुआ जब निजी समाचार एजेंसी ने एक्स पर लेख का कुछ हिस्सा लिया और उसके साथ लिखा कि उमर अब्दुल्ला ने ऐसा कहा है। इसके बाद पीडीपी के वहीद पर्रा समेत जम्मू - कश्मीर के मुख्यधारा के नेताओ ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया दी। अब्दुल्ला को इंजीनियर राशिद के नाम से लोकप्रिय शेख अब्दुल राशिद के सामने दो लाख से अधिक वोट से हार का सामना करना पड़ा है। राशिद आतंकवाद के आरोपो मे जेल मे बंद है। अब्दुल्ला ने हार स्वीकार करते हुए राशिद को जीत की बधाई दी। समाचार लेख साझा करने के लिए अब्दुल्ला पर कटाक्ष करते हुए पीडीपी की युवा शाखा के अध्यक्ष पर्रा ने लिखा, उमर अब्दुल्ला के प्रतिगामी रुख से बेहद निराशा हुई, जो 1987 की विभाजनकारी राजनीति को प्रतिध्वनित करता है। उन्होंने लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति को इस्लामी लहर करार दिया है। उन्होंने कहा, महबूबा मुफ्ती की तरह इंजीनियर रशीद की रिहाई की गुहार लगाना जनादेश की स्वीकृति होती।

एनआईए ने आतंकवादी गोल्डी बराड़ से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कनाडा से काम कर रहे आतंकवादी गोल्डी बराड़ के सहयोगियो के पंजाब स्थित विभिन्न ठिकानों की बृहस्पतिवार को तलाशी ली। रंगदारी और गोलीबारी मामले से जुड़ी जांच के तहत यह कार्वाई की गई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति मे यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक आंतकवाद रोधी एजेंसी ने सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ और उसके गिरोह से जुड़ी जानकारी देने को लेकर लोगो से मदद की अपील की है। विज्ञप्ति मे कहा गया है कि चंडीगढ़ मे दर्ज रंगदारी और गोलीबारी के मामले मे बराड़ और उसके सहयोगियो के नौ ठिकानो की तलाशी ली गई। एनआईए की यह कार्रवाई करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या के सिलसिले मे बराड़ और 11 अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए जाने के एक दिन बाद सामने आई है। गोगामेडी की पिछले साल हत्या कर दी गई थी। एनआईए ने टेलीफोन नंबर भी जारी किए है, जहां लोग आतंकवादी और उसके सहयोगियो के बारे मे जानकारी या गिरोह से प्राप्त किसी भी धमकी भरे फोन कॉल का विवरण साझा कर सकते है।विज्ञप्ति के मुताबिक जानकारी लैंडलाइन नंबर 0172-2682901 या मोबाइल नंबर 7743002947 (टेलीग्राम/व्हाट्सएप्प के लिए) पर साझा की जा सकती है। एजेंसी ने भरोसा दिया है कि जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। विज्ञप्ति के मुताबिक बृहस्पतिवार की कार्वाई चंडीगढ़ मे एक पीड़ित के घर पर जबरन वसूली की मांग और गोलीबारी से संबंधित मामले मे एनआईए की जांच का हिस्सा थी। यह मामला शुरुआत मे स्थानीय पुलिस द्वारा इस वर्ष 20 जनवरी को दर्ज किया गया था और एनआईए ने 18 मार्च को जांच अपने हाथ में ले ली थी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर इकोड्यूर थर्मल पर जोर

मुंबई। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत के पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह, ने इस विश्व पर्यावरण दिवस पर अपना एक नए और बेहतरीन उत्पाद, इकोड्यूर थर्मल इंसुलेटेड कंक्रीट को लॉन्च किया। यह बेहतरीन और मजबूत निर्माण सामग्री ऊर्जा कुशलता को बढ़ाकर और इमारतों को ठंडा रखने में आने वाली एनर्जी की लागत को कम करके ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते इनडोर तापमान की चुनौतियों का पर्यावरण के अनुकूल समाधान प्रदान करता है। प्रशांत झा, चीफ, रेडी-मिक्स (आरएमएक्स) कंक्रीट, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने हाल ही में लॉन्च किए गए इकोड्यूर थर्मल इंसुलेटेड कंक्रीट को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। इस को लेकर उन्होंने कहा कि न्युवोको में, सस्टेनेबिलिटी पहली प्राथमिकता है, और एक बार फिर इस विश्व पर्यावरण दिवस पर हमारे इनोवेटिव उत्पाद इकोड्यूर थर्मल इंसुलेटेड कंक्रीट के लॉन्च द्वारा इसका प्रदर्शन किया गया है। यह इनोवेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इकोड्यूर ऊर्जा खपत और इनडोर तापमान रेगुलेशन के महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करके हमारे ग्राहकों और पर्यावरण दोनों को लाभ पहुंचाने वाले समाधान प्रदान करने के हमारे दृष्टिकोण का उदाहरण है।

सन मोबिलिटी व इंडियन ऑयल में समझौता

नई दिल्ली। सन मोबिलिटी, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सर्विसेज के अग्रणी प्रदाता और ऊर्जा क्षेत्र में डाईवर्सिफाईड, इंटीग्रेटेड दिग्गज, इंडियन ऑयल ने अपने रणनीतिक सहयोग और संयुक्त उपक्रम की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य 2030 तक एक बहुत विशाल बैटरी स्वैपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क की स्थापना करना है। इस संयुक्त उपक्रम में दस लाख से ज्यादा ग्राहकों को सेवाएं देने के उद्देश्य से 3 सालों की अवधि में 40 से अधिक शहरों में 10,000 से ज्यादा बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इस संयुक्त उपक्रम द्वारा एक सुविधाजनक ''बैटरी ए ए सर्विस'(बास) मोबिलिटी समाधान उपलब्ध होगा, जिससे टूव्हीलर, थ्रीव्हीलर, और छोटे फोरव्हीलर वाहनों की मदद से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा मिलेगा। सन मोबिलिटी द्वारा वर्तमान में भारत के 20 शहरों में 25,000 से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों को सपोर्ट मिलती है। यह टू और थ्री व्हीलर ग्राहकों को सेवाएं देते हुए अपने 630 स्टेशनों और 50,000 से ज्यादा स्मार्ट बैटरी? द्वारा प्रतिमाह दस लाख से अधिक बैटरी की स्वैपिंग संभव बनाता है। सन मोबिलिटी के को-फाउंडर एवं चेयरमैन, चेतन मैनी ने कहा, ''सन मोबिलिटी की स्थापना सात साल पहले इलेक्ट्रिक वाहनों को किफायती बनाने, उनसे जुड़ी रेंज की चिंता को दूर करने, और इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने में लगने वाले समय को कम करने के लिए की गई थी।

अन्नामलाई के कारण ही मेरी पार्टी ने भाजपा से संबंध तोड़े : अन्नाद्रमुक नेता वेलुमणि

कोयंबटूर (तमिलनाडु)। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नेता और पूर्व राज्य मंत्री एस पी वेलुमणि ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई को लोकसभा चुनाव से पहले दोनो दलो के संबंधो मे दरार के लिए जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि अगर चुनावी गठबंधन बरकरार रहता तो वह 30-35 सीटें जीत सकता था। वही अन्नामलाई ने वेलुमणि के इस तर्क पर सवाल उठाया और आश्चर्य जताते हुए कहा कि यह तर्क कैसे स्वीकार किया जा सकता है, जब अन्नाद्रमुक अपने दम पर एक भी सीट जीतने मे विफल रही। वेलुमणि ने संवाददाताओ से कहा कि अन्नाद्रमुक ने गठबंधन धर्म का पालन किया लेकिन अन्नामलाई ने सी एन अन्नादुरई, जे जयललिता और यहां तक कि एडप्पादी के पलानीस्वामी सहित अन्नाद्रमुक नेताओ की अनावश्यक आलोचना की। वेलुमणि ने कहा, अन्नामलाई ने ही ज्यादा टीका-टिप्पणी की, हमने नही। गठबंधन से हटने का कारण वही थे। उन्होने कहा कि उनका मानना है कि अगर भाजपा हमारे साथ गठबंधन में होती, तो गठबंधन 30-35 सीटे जीत सकता था। उन्होने कहा कि डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन और एल मुरुगन जैसे नेताओ ने भाजपा का नेतृत्व करते हुए कभी भी अन्नाद्रमुक के नेताओ का अपमान नही किया। वेलुमणि ने कहा कि कम से कम अब अन्नामलाई को अन्नाद्रमुक की आलोचना करना बंद कर देना चाहिए और चुनाव के दौरान लोगो से किए गए वादो को पूरा करने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अन्नामलाई को भाजपा नेता सी पी राधाकृष्णन से भी कम वोट मिले जिन्होंने इससे पहले चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा, "हमने सबक सीखा है। हम कड़ी मेहनत करेंगे और 2026 के विधानसभा चुनाव मे अन्नाद्रमुक की जीत सुनिश्चित करेंगे।

एसटी निगम घोटाला मामले में कांग्रेस सरकार को झटका

मंत्री बी नागेन्द्र ने इस्तीफे की घोषणा की

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक में एक सरकारी निगम से जुड़े अवैध धनराशि अंतरण मामले में आरोपों से घिरे अनुसूचित जनजाति (एसटी) कल्याण मंत्री बी. नागेन्द्र ने मंत्री पद से इस्तीफे की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इसे सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली एक वर्ष पुरानी सरकार के लिए करारा झटका माना जा रहा है। मंत्री ने कहा कि वह अपना इस्तीफा शाम साढ़े सात बजे मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को सौंपेंगे। बावन-वर्षीय नागेन्द्र ने कहा, इस्तीफे के लिए किसी ने मेरे ऊपर दबाव नहीं बनाया। मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर खुद से इस्तीफा देने का फैसला किया है, ताकि लोगों को मेरे बारे में गुमराह नहीं किया जाए। मैंने मुख्यमंत्री से मुलाकात का समय मांगा है और उन्होंने मुझे शाम साढ़े सात बजे बुलाया है। मैंने उन्हें अभी तक नहीं कहा है कि मैं इस्तीफा दूंगा। युवा सशक्तीकरण एवं खेल मंत्रालय का भी प्रभार देख रहे नागेन्द्र ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह किसी भी रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री (सिद्धरमैया) या उपमुख्यमंत्री (डी के शिवकुमार) या पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे को शर्मिंदा नहीं करना चाहते हैं। विधानसभा में बेल्लारी ग्रामीण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक नागेन्द्र ने कहा, मैं अपनी इच्छा से इस्तीफा दे रहा हूं। एसआईटी (विशेष जांच दल) मामले की जांच कर रही है और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि जांच के दौरान मैं मंत्री पद पर रहा तो इससे समस्या हो सकती है। इसके मद्देनजर मैंने (इस्तीफा देने का) फैसला किया है। उन्होंने अपने खिलाफ लगे आरोपों को निराधार करार दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में निर्दोष साबित होंगे। इससे पहले, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा था कि एक सरकारी निगम से जुड़े अवैध धनराशि अंतरण मामले में आरोपों से घिरे मंत्री बी नागेंद्र ने इस्तीफा नहीं दिया है। उसके कुछ ही मिनट पहले उन्होंने घोषणा की थी कि नागेंद्र ने अपना पद छोड़ दिया है।

ओडिशा में राज्यपाल को अधिसूचना सौंपी गई

सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा में चुनाव अधिकारियों ने राजभवन में राज्यपाल रघुबर दास को चुनाव परिणाम की राजपत्र अधिसूचना सौंप दी जिसके बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को शुरू हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) निकुंज बिहारी धाल ने राज्यपाल को राजपत्र अधिसूचना सौंपी। अधिकारी ने बताया कि अधिसूचना अगली विधानसभा के नए सदस्यों के चुना चुने जाने को लेकर है और इससे सदन के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्यपाल सचिवालय ने राज्य संसदीय विभाग को इसकी सूचना दे दी है। सीईओ के साथ निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।अधिकारी ने बताया कि नवनिर्वाचित विधायकों के संबंध में आयोग की अधिसूचना और ओडिशा की राजपत्र अधिसूचना राज्यपाल को सौंपी गई है।राज्यपाल ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और राज्य की समस्त चुनाव मशीनरी को बधाई दी।राज्य में हाल में हुए चुनाव में बीजू जनता दल (बीजद) की हार हुई है जिसके बाद नवीन पटनायक ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और इस तरह उनके 24 साल के शासन का अंत हो गया।

लोकसभा में पहली बार चुनकर आए हैं 280 सदस्य

कुल संख्या बल का 52 प्रतिशत

भाषा। नई दिल्ली

लोकप्रिय टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल, दलित अधिकार कार्यकर्ता चंद्रशेखर आजाद और पूर्ववर्ती राजपरिवार के यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार उन 280 सदस्यों में शामिल हैं जो लोकसभा का चुनाव जीतकर पहली बार संसद पहुंचे हैं।पूर्व मुख्यमंत्रियों, राज्यसभा सदस्यों, उद्यमियों और यहां तक कि उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश ने हाल ही में संपन्न आम चुनावों में जीत हासिल कर संसद के 543 सदस्ईय निचले सदन में प्रवेश किया है। पहली बार लोकसभा सदस्य बने सदस्यों की संख्या कुल सदस्यों का 52 प्रतिशत है।लोकसभा में 80 सदस्यों को भेजने वाले सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से 45 सदस्य ऐसे हैं जो पहली बार संसद पहुंचे हैं। इनमें मेरठ सीट से भाजपा के गोविल, अमेठी से भाजपा की स्मृति ईरानी को हराने वाले कांग्रेस के किशोरीलाल शर्मा और नगीना सीट से आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद शामिल हैं। महाराष्ट्र से पहली बार संसद पहुंचने वाले सदस्यों की संख्या 33 हैं। इनमें स्कूल शिक्षक भास्कर भागरे भी शामिल हैं, जिन्हें डिंडोरी की आदिवासी सीट से राकांपा-शरदचंद्र पवार ने मैदान में उतारा था। भागरे ने भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री भारती पवार को हराया है। महाराष्ट्र में इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। महाराष्ट्र से पहली बार चुने गए सदस्यों में भाजपा के पीयूष गोयल भी शामिल हैं, जो मुंबई उत्तर से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। अमरावती से भाजपा की नवनीत राणा को हराने वाले बलवंत वानखेड़े, अकोला से पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय धोत्रे के बेटे अनूप धोत्रे और सांगली से निर्दलीय उम्मीदवार विशाल पाटिल भी पहली बार लोकसभा सदस्य के लिए चुने गए हैं।

लोस चुनाव में डाक मत पत्र को छोड़ कर 65.79 प्रतिशत मतदान हुआ

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में 65.79 प्रतिशत मतदान हुआ लेकिन अंतिम आंकड़ों में बदलाव हो सकता है क्योंकि इसमें डाक मतपत्र शामिल नहीं हैं।मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि इस लोकसभा चुनाव में कुल 64.2 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था।साल 2019 के संसदीय चुनावों में 67.40 प्रतिशत मतदान हुआ था। साल 2019 में भारत में 91.20 करोड़ मतदाता थे और इनमें से 61.5 करोड़ ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। 2024 के चुनावों में, मतदाताओं की संख्या बढ़कर 96.88 करोड़ हो गई।

ट्रेन चलाते समय लोको पायलट और सहायक को झपकी लग गई थी

सरहिंद ट्रेन दुर्घटना

भाषा। नई दिल्ली

पंजाब में मालवाहक ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने के चार दिन बाद जांच में पता चला है कि लोको पायलट और उसके सहायक को झपकी लग गई थी, जिसके चलते लाल बत्ती आने पर ब्रेक नहीं लग पाया। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पीटीआई-भाषा को मिली जांच रिपोर्ट की एक प्रति के अनुसार दुर्घटना दो जून को अपराह्न करीब 3:15 बजे सरहिंद जंक्शन और साधूगढ़ रेलवे स्टेशन के बीच हुई जब यूबी जीवीजीएन का इंजन पटरी से उतरकर मुख्य यात्री ट्रेन की लाइन पर चला गया।रिपोर्ट में कहा गया है कि उसी समय बगल वाली पटरी से गुजर रही जम्मू तवी समर स्पेशल ट्रेन पटरी के पास पड़े मालवाहक ट्रेन के इंजन से टकराई, जिसके बाद उसका इंजन पूरा पटरी से उतर गया। जांच रिपोर्ट से पता चलता है कि सैकड़ों यात्री बाल-बाल बच गए, क्योंकि जम्मू तवी ट्रेन पीली बत्ती के कारण 46 किलोमीटर प्रति घंटे की धीमी गति से चल रही थी।

भाजपा ने अन्नामलाई की फोटो पहनाकर बकरे की बलि वाले वीडियो की कड़ी निंदा की, कार्रवाई की मांग

भाषा। चेन्नई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु ईकाई ने प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की फोटो पहनाकर सड़क पर एक बकरे का सिर सरेआम धड़ से अलग करने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना संबंधी वीडियो के वायरल होने के बाद पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि यह कथित घटना कहां हुई और वीडियो को किसने साझा किया। वीडियो की सत्यता का तुरंत पता नहीं चल पाया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्नामलाई ने कहा कि अगर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कार्यकर्ता उनसे नाराज हैं तो वे उन पर हमला कर सकते हैं। भाजपा के तमिलनाडु के उपाध्यक्ष और पार्टी प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह वीडियो साझा कर इसकी कड़ी निंदा की। तमिलनाडु भाजपा ने इसे अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दोबारा साझा किया। उन्होंने कहा, सड़क के बीच में एक बकरे को मार कर अन्नामलाई के खिलाफ नारे लगाना और लोकसभा चुनाव में उनकी हार का जश्न मनाना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि राजनीतिक दल तमिलनाडु में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से डरे हुए हैं। यह कृत्य विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति के निम्नतम स्तर को दिखाता है। तिरुपति ने कहा, वीडियो में सुना जा सकता है कि छोटे बच्चों से अन्नामलाई के खिलाफ नारे लगवाए गए।

गाजा के स्कूल पर इजराइली हमले में 30 से अधिक मरे

भाषा। देर अल-बला (गाजा पट्टी)

मध्य गाजा में एक स्कूल पर बृहस्पतिवार को तड़के इजराइली द्वारा किए गए हमले में 14 बच्चों और नौ महिलाओं सहित 30 से अधिक लोग मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फलस्तीनी अधिकारियों के मुताबिक स्कूलों में विस्थापितों ने शरण ले रखी थी जबकि इजराइली सेना का दावा है कि हमास के आतंकवादी स्कूल से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। अस्पताल के रिकॉर्ड और अस्पताल में एसोसिएटेड प्रेस के एक रिपोर्टर ने बताया कि इस हमले में कम से कम 33 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 14 बच्चे और नौ महिलाएं शामिल हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, रात में एक घर पर हुए हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी। दोनों हमले नुसेरात में हुए, जो गाजा में बने कई शरणार्थी शिविरों में से एक है।सोशल मीडिया में प्रसारित तस्वीरों में दिख रहा है कि अस्पताल के प्रांगण में कंबल या प्लास्टिक की थैलियों में लिपटे शवों को कतारों में रखा गया है। अस्पताल के पास शरण लिए हुए एक विस्थापित फलस्तीनी मोहम्मद अल-करीम ने कहा कि उसने लोगों को शवों के बीच अपने प्रियजनों को तलाशते हुए देखा, और एक महिला चिकित्साकर्मियों से शवों का चेहरा दिखाने की गुहार लगा रही थी क्योंकि हमले के बाद से उसका बेटा लापता है। इजराइली सैनिकों ने गाजा पट्टी के इस हिस्से में बार-बार वापसी की है और वे पहले भी यहां पर हमले पर कर चुके हैं। चश्मदीदों और अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि अल-सरदी स्कूल पर तड़के हमला किया गया। इस स्कूल का संचालन फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी करती है जिसे यूएनआरडब्ल्यूए के नाम से जाना जाता है।

स्पेन अंतरराष्ट्रीय अदालत में इजराइल के खिलाफ जनसंहार के मुकदमे में पक्षकार बनने की अर्जी देगा

मैड्रिड। स्पेन अंतरराष्ट्रीय अदालत में अर्जी देकर दक्षिण अफ्रीका द्वारा इजराइल के खिलाफ दायर मुकदमे में पक्षकार बनने की अनुमति मांगेगा। स्पेन के विदेश मंत्री ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। दक्षिण अफ्रीका ने अंतरराष्ट्रीय अदालत में दाखिल याचिका में इजराइल पर गाजा में जनसंहार करने का आरोप लगाया है। स्पेन पहला यूरोपीय देश है जिसने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत में दाखिल याचिका से जुड़ने की पहल की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इजराइल ने गाजा पर सैन्य कार्रवाई के दौरान जनसंहार संधि का उल्लंघन किया है और बड़ी संख्या में आम लोगों की जान गई है। मैक्सिको, कोलंबिया, निकारगुआ, लीबिया और फलस्तीन पहले ही मुकदमे से जुड़ने की अर्जी दे चुके हैं। अदालत ने इजराइल को दक्षिणी गाजा के शहर रफह में सैन्य कार्वाई तत्काल रोकने का आदेश दिया है लेकिन इजराइल ने आदेश का अनुपालन नहीं किया है।

ताइवान के राष्ट्रपति के बधाई संदेश पर मोदी की टिप्पणी को लेकर चीन ने जताया विरोध

भाषा। बीजिंग

चीन ने ताइवान को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट के संबंध में बृहस्पतिवार को भारत के समक्ष विरोध जताते हुए कहा कि नई दिल्ली को ताइवान के अधिकारियों की राजनीतिक चालों का विरोध करना चाहिए। चीन के मुताबिक ताइवान उसका एक विद्रोही और अभिन्न प्रांत है तथा इसे मुख्य भूमि के साथ पुनः एकीकृत किया जाना चाहिए, भले ही बलपूर्वक ही क्यों न किया जाए। मोदी ने अपने बयान में कहा था कि वह ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए उत्सुक हैं। मोदी ने यह टिप्पणी लोकसभा चुनाव में मिली जीत पर ताइवान के राष्ट्रपति के बधाई संदेश में की थी। पिछले महीने निर्वाचित हुए ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने मोदी को बधाई देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनाव में जीत पर मेरी हार्दिक बधाई। हम तेजी से बढ़ती ताइवान-भारत साझेदारी को और आगे ले जाने, व्यापार, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करने के लिए उत्सुक हैं, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए योगदान दिया जा सके।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलीवन भारत जाएंगे: व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरी बार शपथ लेने की तैयारी के बीच अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन अमेरिका-भारत साझा प्राथमिकताओं पर नई सरकार के साथ चर्चा करने के लिए नई दिल्ली जाएंगे। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री मोदी को फिर से चुने जाने पर बधाई देने के लिए बुधवार को फोन किया और इसी दौरान दोनों नेताओं के बीच सुलीवन की यात्रा पर चर्चा की गई। व्हाइट हाउस ने कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की और उन्हें तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को भारत के आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी।

यूक्रेन ने रूस के तेल शोधन संयंत्र और ईंधन डिपो पर हमला किया

भाषा। कीव

कीव द्वारा क्रेमलिन के युद्ध करने के तरीके को बाधित करने के चल रहे प्रयास और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े युद्ध में पश्चिमी देशों के समर्थन की मांग के बीच यूक्रेनी ड्रोन ने रूसी सीमा क्षेत्रों में एक तेल शोधन संयंत्र और एक ईंधन डिपो पर हमला किया। निशाना बनाए गए क्षेत्रों के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जेलेंस्की बृहस्पतिवार को फ्रांस में डी-डे स्मरणोत्सव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सहित विश्व नेताओं के साथ शामिल होने वाले हैं। शुक्रवार को उन्हें फ्रांसीसी अधिकारियों से मिलना है।जेलेंस्की की यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चेतावनी के एक दिन बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि रूस अन्य देशों को लंबी दूरी के हथियार मुहैया करा सकता है ताकि वे पश्चिमी लक्ष्यों पर हमला कर सकें। यह धमकी तब आई जब उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन नाटो के सहयोगियों ने कहा कि वे यूक्रेन को रूसी क्षेत्र पर हमला करने के लिए कीव को दिए जाने वाले हथियारों का इस्तेमाल करने की अनुमति देंगे। यूक्रेन की सेना पूर्वी क्षेत्रों में हाल ही में रूस के हमले को रोकने के लिए लड़ रही है। रूस दो साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध के बाद लगभग 1,000 किलोमीटर की सीमा रेखा पर गोला-बारूद और सैनिकों की कमी का फायदा उठाना चाहता है।रूस की सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि बुधवार को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में की गई पुतिन की टिप्पणी "हमारी विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव" है। मेदवेदेव ने अपने मैसेजिंग ऐप चैनल पर लिखा, "अमेरिका और उसके सहयोगियों को दूसरों द्वारा रूसी हथियारों के सीधे इस्तेमाल के प्रभाव को महसूस करने दें।

जेलेंस्की ने शांति समझौते के लिए भारत की भागीदारी की उम्मीद जताई, मोदी को यूक्रेन आमंत्रित किया

लंदन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर स्विट्जरलैंड में आगामी शांति समझौते पर चर्चा की। जेलेंस्की ने उम्मीद जताई कि समझौते में भारत अहम भूमिका निभाएगा।जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री मोदी को उचित समय पर यूक्रेन का दौरान करने के लिए आमंत्रित भी किया।यूक्रेन के राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा, मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात कर उन्हें चुनावों में मिली जीत पर बधाई दी। मैं उन्हें जल्द से जल्द सरकार के गठन तथा भारतीय जनता के लाभ के लिए निरंतर सकारात्मक कार्य करने की शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, हमने आगामी वैश्विक शांति समझौते पर चर्चा की। हम भारत की अहम भूमिका पर भरोसा करते हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी को उचित समय पर यूक्रेन का दौरा करने के लिए आमंत्रित करता हूं। जेलेंस्की ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी को संसदीय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन को लगातार तीसरी बार मिली जीत के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें अगले सप्ताह स्विट्जरलैंड में होने वाले शांति समझौते में भारत के शामिल होने की उम्मीद है।

हजयात्रियों को इस बार करना पड़ेगा भीषण गर्मी का सामना

काहिरा। मक्का के सबसे गर्म महीने में ही इस बार हज यात्रा भी आयोजित हो रही है और ऐसे में लाखों हज यात्रियों को लू लगने का खतरा है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्ग हजयात्रियों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों को है।इस महीने लाखों मुसलमान हज यात्रा करने वाले हैं, लेकिन मक्का में भीषण गर्मी के कारण हजयात्रियों में गर्मी से संबंधित बीमारियों के बढ़ने की आशंका बढ़ गई है।दुनिया भर से 20 लाख से अधिक मुसलमान हज के लिए यहां आते हैं। इस साल वार्षिक हजयात्रा 14 जून से 19 जून के बीच छह दिनों तक चलने की उम्मीद है। मक्का में इस दौरान तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। इसकी वजह से हजयात्रियों, विशेष रूप से वृद्धों और विभिन्न बीमारियों से पहले से ही पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो सकता है। पिछले साल हज यात्रा के दौरान 2,000 से अधिक हजयात्रियों पर गर्मी का असर पड़ा था। औद्योगिक काल से पहले की तुलना में वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने से हाजियों को लू लगने का जोखिम पांच गुना बढ़ गया था। सऊदी अरब सरकार तीर्थयात्रियों की सुविधा और भीषण गर्मी से राहत के लिए अत्यधिक गर्मी को कम करने के मकसद से क्लाउड सीडिंग जैसी उन्नत वर्षा वृद्धि तकनीकों का उपयोग करने की नई रणनीतियों पर विचार कर रही है।

डेनमार्क, यूनान, पाकिस्तान, पनामा और सोमालिया को संरा सुरक्षा परिषद में मिलेगी सीट

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

डेनमार्क, यूनान, पाकिस्तान, पनामा और सोमालिया को बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में गुप्त मतदान के बाद सुरक्षा परिषद में सीट मिलेगी। कुल 193 सदस्यों वाले विश्व निकाय (यूएन) की सुरक्षा परिषद में दो साल के कार्यकाल के लिए पांच देशों को चुनने के वास्ते मतदान होना है। 15 सदस्ईय परिषद में दस अस्थाई सीट क्षेत्रीय समूहों को आवंटित की जाती हैं जो आमतौर पर अपने उम्मीदवारों का चयन करते हैं, लेकिन कभी-कभी किसी एक पर सहमत नहीं हो पाते हैं। इस साल ऐसा कुछ नहीं है।पिछले साल स्लोवेनिया ने पूर्वी यूरोपीय क्षेत्रीय समूह का प्रतिनिधित्व करने वाली सीट के लिए रूस के करीबी सहयोगी बेलारूस को आसानी से हरा दिया था। इस वोट ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के खिलाफ वैश्विक विरोध को दर्शाया था। इस बार क्षेत्रीय समूहों ने एक अफ्रीकी सीट के लिए सोमालिया, एशिया-प्रशांत की एक सीट के लिए पाकिस्तान, लातिन अमेरिका और कैरेबिया की एक सीट के लिए पनामा और दो मुख्य रूप से पश्चिमी सीट के लिए डेनमार्क और यूनान का प्रस्ताव रखा। बृहस्पतिवार को चुने जाने वाले परिषद के पांच सदस्य एक जनवरी से अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। वे उन सदस्यों की जगह लेंगे जिनका दो साल का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

दुनियाभर में पांच साल से कम उम्र के 25 प्रतिशत बच्चे गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे : संरा

कलटुंगो (नाइजीरिया)। दुनिया भर में पांच साल से कम उम्र के करीब 25 प्रतिशत बच्चे खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनीसेफ ने एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया। बच्चों के लिए काम करने वाली संस्था यूनीसेफ द्वारा बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में पांच वर्ष से कम आयु के18 करोड़ 10 लाख बच्चे इस आयुवर्ग के बच्चों का 27 प्रतिशत) गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं। लगभग 100 निम्न और मध्यम आय वाले देशों पर केंद्रित रिपोर्ट गंभीर खाद्य संकट को एक दिन में कुछ भी नहीं खाने या एजेंसी द्वारा मान्यता प्राप्त आठ खाद्य समूहों में से दो का उपभोग करने के रूप में परिभाषित करती है। अफ्रीका की 130 करोड़ से अधिक की आबादी मुख्य रूप से संघर्ष, जलवायु संकट और बढ़ती खाद्य कीमतों के कारण सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक है।

विश्व नेताओं ने पीएम मोदी की जीत का किया अभिवादन

कैनबरा। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देने का सिलसिला जारी है और ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, न्यूजीलैंड और फिलीपीन सहित दुनियाभर के कई नेताओं ने उनके नेतृत्व में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने का संकल्प लिया। मोदी रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने लोकसभा चुनाव में 293 सीट पर जीत दर्ज की है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मोदी से बात कर उन्हें चुनाव में जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया और भारत करीबी मित्र है। दोनों के बीच मजबूत रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध है। हम 2024 और उसके बाद भी अपनी साझेदारी को प्रगाढ़ करने को प्रतिबद्ध है। फिलीपीन के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस ने भी मोदी को नया जनादेश हासिल करने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा, पिछले दशक ने भारत को फलीपीन का सच्चा मित्र साबित किया है और मैं आने वाले वर्षों में हमारी द्विपक्षीय और क्षेत्रीय साझेदारी को और मजबूत बनाने की आशा करता हूं। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने बधाई देते हुए कहा कि मोदी का तीसरा कार्यकाल सतत विकास को बढ़ावा देने, असमानताओं को दूर करने और दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने में सफल होगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, ब्राजील और भारत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अन्याय का सामना करने और भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई में सहयोगी है। आइए हम ब्राजील में जी20 और आईबीएसए शिखर सम्मेलनों में मिलें और साथ मिलकर काम करना जारी रखें। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लुक्सन ने मोदी को बधाई देते हुए कहा, भारतीय चुनाव परिणाम में जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक बधाई। दुनिया के सबसे बड़े मतदान में लोकतंत्र का जश्न देखना अद्भुत है। मैं न्यूजीलैंड-भारत संबंधों में सार्थक वृद्धि के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में करेंगे शिरकत

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड नई दिल्ली में इस साप्ताहांत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संभावित शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने जा रहे प्रधानमंत्री प्रचंड की आगामी दिल्ली यात्रा की तैयारी में व्यस्त है। सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्रालय में प्रधानमंत्री प्रचंड की भारत यात्रा की तैयारी चल रही है, लेकिन यात्रा की तारीख की औपचारिक घोषणा की जानी बाकी है। सूत्रों ने बताया कि तारीख तय हो जाने के बाद उसकी औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी। इससे पहले मंगलवार को चुनाव परिणाम की घोषणा के शीघ्र बाद प्रचंड ने मोदी को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी थी। दाहाल ने एक्स पर लिखा था, हम भारत के लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सफलतापूर्वक पूरा होने पर खुश है। मोदी की भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में 543 में से 240 सीट जीती है। प्रधानमंत्री प्रचंड ने टेलीफोन पर मोदी से बातचीत भी की। वर्ष 2014 में तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री सुशील कोइराला ने मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। तब मोदी पहली बार प्रधानमंत्री निर्वाचित हुए थे।

मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकती हैं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना

ढाका। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के नई दिल्ली में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथग्रहण के लिए आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए शुक्रवार को ढाका से रवाना होने की उम्मीद है। हसीना के एक सहयोगी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राजनयिक सूत्रों ने बताया कि हसीना ने बुधवार को मोदी से फोन पर बात की थी। इस दौरान मोदी ने हसीना को शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया। सरकारी बीएसएस ने हसीना के भाषण लेखक एम नजरुल इस्लाम के हवाले से खबर दी कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए शुक्रवार को शाम चार बजे ढाका से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगी। हसीना उन पहले विदेशी नेताओं है जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को आम चुनाव में जीत की बधाई दी। यह दोनों नेताओं के व्यक्तिगत संबंधों में गर्मजोशी को इंगित करता है। इस साल जनवरी में हसीना द्वारा लगातार चौथी बार संसदीय चुनाव जीतने पर मोदी ने उन्हें बधाई दी थी। मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में श्रीलंका, भूटान , नेपाल और मॉरीशस के शीर्ष नेताओं के भी शामिल होने की उम्मीद है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे शामिल होंगे प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे जो इस सप्ताहांत नई दिल्ली में आयोजित होगा। मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने लोकसभा चुनाव में 293 सीट पर जीत दर्ज की है। विक्रमसिंघे ने बुधवार शाम को टेलीफोन पर मोदी को भाजपा नीत राजग की जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा, यह जीत भारत की जनता का मोदी के नेतृत्व में प्रगति और समृद्धि के प्रति विश्वास को इंगित करता है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, करीबी पड़ोसी होने के नाते श्रीलंका, भारत के साथ साझेदारी को और मजबूत करने को इच्छुक है। श्रीलंकाई राष्ट्रपति कार्यालय के मीडिया प्रभाग ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति विक्रमसिंघे को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जिसे राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया।

नए कार्यकाल में पहली बार पुतिन ने दिए अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के सवालों के जवाब

सेंट पीटर्सबर्ग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए कार्यकाल के लिए अपने शपथग्रहण के बाद, बुधवार को सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच से इतर आयोजित गोलमेज सत्र में पहली बार अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के वरिष्ठ पत्रकारों के सवालों का सामना किया। रूसी नेता ने इस वार्षिक फोरम का इस्तेमाल रूस के विकास को बढ़ावा देने और अपने देश के लिए निवेशकों की तलाश करने के वास्ते किया। इससे पहले के सत्र में भी पत्रकारों के साथ बैठकें नियत थीं, लेकिन यूक्रेन में सेना भेजने और युद्ध के ऐलान के बाद से ही पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों से दूरी बना रखी थी। देशों के पत्रकारों को आमंत्रित नहीं किया गया था, जिनसे रूस की मित्रता नहीं थी। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ सहित अन्य देश शामिल थे। यूक्रेन के मुद्दे पर रूस द्वारा मास्को पर व्यापक प्रतिबंध लगाए जाने के बाद पश्चिमी अधिकारियों और निवेशकों ने अपने आप ही इस सत्र से दूरी बना ली थी।

महाराज चार्ल्स तृतीय ने नॉरमेंडी की लड़ाई में जान गंवाने वाले सैनिकों को फ्रांस में श्रद्धांजलि दी

वेर सुर मेर (फ्रांस)। ब्रिटेन के महाराज चार्ल्स तृतीय द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नॉरमेंडी की लड़ाई में जान गंवाने वाले 22,442 ब्रिटिश सैनिकों को श्रद्धांजलि देने बृहस्पतिवार को उत्तरी फ्रांस पहुंचे। फ्रांस को नाजियों के कब्जे से छुड़ाने के लिए छह जून, 1944 को नॉरमेंडी नामक स्थान पर लड़ाई शुरू हुई थी। चार्ल्स ने नवनिर्मित ब्रिटिश नॉरमेंडी मेमोरियल में बृहस्पतिवार को आयोजित समारोह के दौरान सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके लापता साथियों का आभार व्यक्त किया। यह स्मारक उन समुद्र तटों के पास स्थित है जहां 80 वर्ष पहले ब्रिटेन के सैनिक पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि यद्यपि जीवित पूर्व सैनिकों की संख्या कम होती जा रही है, लेकिन हम यह कभी नहीं भूल सकते कि वे किसके लिए खड़े हुए और उन्होंने हम सबके लिए क्या हासिल किया।

सूड़ान : सेना और अर्धसैनिक बल के संघर्ष में कम से कम 100 लोगों की मौत

काहिरा। सूडान के गेजीरा प्रांत के एक गांव पर बुधवार को अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में कम से कम 100 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दारफूर के गवर्नर मिनी अर्को मिनावी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में बताया कि आरएसएफ द्वारा गेजीरा के वाद-अल- नोरा गांव पर किए गए हमले में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग हताहत हुए है। गेजीरा की राजधानी वाद मदानी के लोगों को बचाने के लिए गठित समिति ने देर रात बुधवार को सोशल मीडिया पर बताया कि अर्धसैनिक बल सालों से सूडान की सेना से लड़ रहा है और गांव पर हमला करने के लिए उसने भारी हथियारों का इस्तेमाल किया।

फिलिपीन: मछली पकड़ने वाली नाव में विस्फोट होने से लगी आग, चालक दल के छह सदस्यों की मौत

मनीला। फिलिपीन के सूबू प्रांत में समुद्र में मछली पकड़ने वाली एक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई, जिससे चालक दल के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य छह को सुरक्षित बचा लिया गया। तटरक्षक अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात सेबू प्रांत के नागा शहर के पास एफबी किंग ब्रायन नामक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई थी। उन्होंने बताया कि नाव के कप्तान सहित जीवित बचे चालक दल के सदस्यों का अस्पताल में इलाज जारी है। अधिकारियों ने कहा कि वे इतने सदमे में है कि जांचकर्ताओं को यह नहीं बता पा रहे है कि नाव में आग कैसे लगी।

म्यांमा की सैन्य सरकार ने 76 ग्रामीणों की हत्या करने के आरोपों को किया खारिज

बैंकॉक। म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रवक्ता ने, सेना के जवानों और उनके स्थानीय सहयोगियों द्वारा पिछले सप्ताह पश्चिमी राज्य रखाइन के एक गांव में घुसकर 76 लोगों को मार डालने के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। रखाइन म्यांमा में चल रहे गृह युद्ध का केंद्र बन गया है। दक्षिण एशियाई देश में लोकतंत्र समर्थक गुरिल्ला और जातीय अल्पसंख्यक सशस्त्र बल देश के सैन्य शासकों से लड़ रहे है, जिन्होंने 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की निर्वाचित सरकार का तख्तापलट करने के बाद सत्ता संभाली थी।

पाक पीएम बीजिंग पहुंचे, निवेश बढ़ाने और संबंध मजबूत करने पर शी से चर्चा करेंगे

भाषा। बीजिंग

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए और सहायता के अनुरोध तथा निवेश की संभावनाओं चर्चा करने के लिए बीजिंग पहुंच चुके हैं और उपरोक्त मुद्दों को लेकर वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। चार जून से चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए शरीफ ने बुधवार को अत्याधुनिक शहर शेनझेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठक को संबोधित किया। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी एपीपी की खबर के अनुसार यहां अपने प्रवास के दौरान शरीफ शी चिनफिंग, प्रधानमंत्री ली क्यांग और अन्य नेताओं से मुलाकात करेंगे। वह पाकिस्तान-चीन संबंध और व्यापार कार्यक्रम में भी भाग लेंगे और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं पर काम कर रही प्रमुख चीनी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ बैठक करेंगे। खबर में बताया गया कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को लेकर कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। नकदी की कमी से जूझ रही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है और उसने औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से छह अरब से आठ अरब अमेरिकी डॉलर के बीच राहत राशि मुहैया कराने का अनुरोध किया है।

भाई ने सार्वजनिक तौर पर कबूला- लिट्टे संस्थापक प्रभाकरण और उसका पूरा परिवार 2009 में मारा जा चुका

भाषा। कोलंबो

लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के संस्थापक वेलुपिल्लई प्रभाकरण के भाई ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भाई और उसका पूरा परिवार 2009 में मारा गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ तमिल लोग यह दावा करके लोगों को धोखा दे रहे हैं कि प्रभाकरण और उसके परिवार के कुछ सदस्य, विशेषकर उसकी एक बेटी जीवित हैं। लंकाएफटी (एफटी.एलके) पोर्टल की खबर के अनुसार वेलुपिल्लई प्रभाकरण के भाई वेलुपिल्लई मनोहरन ने कहा, वेलुपिल्लई प्रभाकरन, उसकी पत्नी और उसके तीन बच्चे मर चुके हैं और वे सभी 2009 में श्रीलंका युद्ध के अंतिम चरण में मारे गए थे। पोर्टल के अनुसार मनोहरन ने सार्वजनिक तौर पर पहली बार यह बात स्वीकार की है। लिट्टे ने श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में एक अलग तमिल मातृभूमि के लिए लगभग 30 वर्ष तक सैन्य अभियान चलाया था। मई 2009 में श्रीलंकाई सेना की कार्वाई में वेलुपिल्लई प्रभाकरन मारा गया था। मनोहरन इस समय डेनमार्क में है। एफटी.एलके पोर्टल की खबर में कहा गया है कि यह एक बहुत बड़ा घोटाला है जिसे तमिल प्रवासियों के एक वर्ग द्वारा तमिलों से पैसे ठगने के लिए अंजाम दिया गया है। तमिल प्रवासियों के एक वर्ग ने दावा किया है कि प्रभाकरण और उसके परिवार के कुछ सदस्य अभी भी जीवित हैं।

टॉयलेट पेपर व गेम शो से महामारी के बारे में मिलेगी जानकारी

भाषा। कैनबरा

हम मानव व्यवहार की व्याख्या और भविष्यवाणी कैसे कर सकते हैं? क्या गणित और संभाव्यता से इसे समझा जा सकता है, या मनुष्य बहुत जटिल और तर्कहीन हैं? अक्सर, लोगों की हरकतें हमें आश्चर्यचकित कर देती हैं, खासकर जब वे तर्कहीन लगती हैं। कोविड महामारी को ही लें: एक चीज़, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा था, वह थी टॉयलेट पेपर पर भारी भीड़ जिसने कई देशों में सुपरमार्केट को खाली कर दिया।लेकिन गणित, अर्थशास्त्र और व्यवहार विज्ञान के विचारों को मिलाकर, शोधकर्ता अंततः गणितीय मॉडल बनाने में सक्षम हुए कि लोगों के बीच घबराहट कैसे फैलती है, जिससे टॉयलेट पेपर से होने वाली घबराहट का अर्थ समझ में आया।रॉयल सोसाइटी इंटरफ़ेस के जर्नल में प्रकाशित नए शोध में, हमने बीमारी के प्रसार के लिए एक समान दृष्टिकोण अपनाया – और दिखाया कि बीमारी के फैलने पर मानवीय प्रतिक्रियाएँ उतनी ही महत्वपूर्ण हो सकती हैं जितना कि खुद बीमारी का व्यवहार, जब यह निर्धारित करने की बात आती है कि प्रकोप कैसे विकसित होता है।संदर्भ की शक्तिःएक बात जो हम जानते हैं वह यह है कि संदर्भ लोगों के व्यवहार को आश्चर्यजनक तरीके से आकार दे सकता है। इसका एक उदाहरण लोकप्रिय टीवी गेम शो डील या नो डील है, जिसमें प्रतियोगी नियमित रूप से मुफ्त पैसे की पेशकश को ठुकरा देते हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि बाद में उन्हें बड़ी रकम मिलेगी।यदि आप संभावनाओं की तर्कसंगत गणना करते हैं, तो अधिकांश समय प्रतियोगी का "सर्वोत्तम" कदम प्रस्ताव स्वीकार करना होता है। लेकिन व्यवहार में, लोग अक्सर एक उचित प्रस्ताव को ठुकरा देते हैं और बड़ी रकम के एक छोटे से मौके का इंतज़ार करते हैं।यदि किसी व्यक्ति को किसी अन्य संदर्भ में 5,000 डॉलर की पेशकश की जाए तो क्या वह इसे अस्वीकार कर देगा? इस स्थिति में, सीधा गणित यह अनुमान नहीं लगा सकता कि लोग कैसा व्यवहार करेंगे।अतार्किकता का विज्ञान-अगर हम गणित से आगे बढ़ें तो क्या होगा? व्यवहार विज्ञान इस बारे में बहुत कुछ कहता है कि लोगों को विशिष्ट कार्य करने के लिए क्या प्रेरित करता है। इस मामले में, यह लोगों को अधिक तर्कसंगत व्यवहार करने का सुझाव दे सकता है यदि वे एक यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करते हैं (जैसे कि 5,000 डॉलर प्राप्त करना) और लक्ष्य को एक शक्तिशाली प्रेरक संदर्भ में रखें (जैसे कि छुट्टियों के लिए भुगतान करने के लिए पैसे का उपयोग करने की योजना बनाना)।फिर भी बार-बार स्पष्ट, प्राप्त करने योग्य लक्ष्य वाले लोग भी भावनाओं और संदर्भ से बह जाते हैं। सही समय और स्थान पर, उन्हें विश्वास हो जाएगा कि भाग्य उनके साथ है और कुछ बड़ी उम्मीद में 5,000 डॉलर के प्रस्ताव को अस्वीकार कर देंगे।

त्वचा को फिट रखते हैं बिटामिन

क्या आप अपने सेल्फ-केयर रूटीन प्रोडक्ट्स की प्रीमियम रेंज चाहते हैं? तो अपग्रेड करें अपने ग्रूमिंग रूटीन को बाथ एंड बॉडी वर्क्स के मैन्स प्रोडक्ट्स की शानदार रेंज के साथ। बाथ एंड बॉडी वर्क्स की ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स की रेंज को मॉडर्न पुरुषों की तमाम जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य यही ही है कि आप सबसे खास दिखें और सबसे अच्छा महसूस करें।तो फिर देर किस बात की? अपने सेल्फ-केयर रूटीन को नया रूप देकर बाथ एंड बॉडी वर्क्स के मैन्स ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स का अनुभव करें। अपनी त्वचा के लिए ब्रैंड के उच्च गुणवत्ता वाले प्रोडक्ट्स को चुनें और इसकी देखभाल को बढ़ावा दें।. एलोए और विटामिन ई से भरपूर डेली शैम्प, विटामिन बी5 युक्त हेयर क्ले , . अल्टीमेट आफ्टर शेव बाम , बम्बू एक्सट्रेक्ट और विटामिन बी5 युक्त हेयर जेल, फ्रेशवॉटर 3-इन-1 हेयर, फेस और बॉडी वॉश और लेदर और ब्रांडी अल्टीमेट हाइड्रेशन बॉडी क्रीम एक हजार से लेकर 3 हजार तक उपलब्ध हैं। त्वचा को बेहद सौम्यता से क्लींज और हाइड्रेट करता है, जिससे त्वचा कोमल और चमकदार बनती है। इसे प्राकृतिक तेलों, विटामिन ई, एलोए और विटामिन बी5 का उपयोग करके तैयार किया गया है, जो सभी प्रकार के बालों, यहाँ तक कि रंगे हुए बालों के लिए भी उपयुक्त है।

तालिबान ने महिलाओं समेत 63 लोगों को मारे कोड़े, संयुक्त राष्ट्र ने की कड़ी निंदा

भाषा। इस्लामाबाद

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने बुधवार को सारी पुल प्रांत में तालिबान द्वारा एक दर्जन से अधिक महिलाओं सहित 60 से अधिक लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाने की निंदा की। यूएनएएमए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान के अधिकारियों ने मंगलवार को कम से कम 63 लोगों को कोड़े मारे। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का सम्मान करने के लिए कहा। तालिबान के उच्चतम न्यायालय ने एक बयान में 14 महिलाओं समेत 63 लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाने की पुष्टि की।

हरफनमौला स्टोइनिस के खेल से आस्ट्रेलिया जीता

● टी20 विश्वकप में ओमान को हराया

भाषा। ब्रिजटाउन

मार्कस स्टोइनिस के आक्रामक अर्धशतक और तीन विकेट की बदौलत गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज बृहस्पतिवार को ओमान पर 39 रन से जीत के साथ किया। स्टोइनिस ने 36 गेंद में नाबाद 67 रन बनाए जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 164 का स्कोर बनाया। डेविड वॉर्नर ने भी 56 रन की पारी खेली। इसके बाद स्टोइनिस ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। ओमान की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 125 रन ही बना सकी। आस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस ने 28 रन देकर और आईपीएल स्टार मिचेल स्टार्क ने 20 रन देकर दो दो विकेट लिए। स्टार्क ने ओमान की पारी की तीसरी गेंद पर प्रतीक अठावले (0) को आउट कर दिया। मैदानी अंपायर द्वारा नॉट आउट दिए जाने के बाद आस्ट्रेलिया ने डीआरएस लिया जिसमें फैसला उसके पक्ष में रहा। एलिस ने कश्यप प्रजापति (सात) को पगबाधा आउट किया जिस पर ओमान ने रिव्यू लिया लेकिन नाकामी हाथ लगी। स्टोइनिस ने पावरप्ले की आखिरी गेंद पर ओमान के कप्तान आकिब इलयास (18) को आउट किया जिनका कैच विकेट के पीछे मैथ्यू वेड ने लपका। स्टोइनिस ने जीशान मकसूद (1) को आठवें ओवर में पवेलियन भेजा। अयान खान ने 30 गेंद में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाए और सातवें विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की। इससे पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 164 रन बनाए। ट्रेविस हेड (12) और कप्तान मिचेल मार्श (14) सस्ते में आउट हो गए। अनुभवी हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल का खराब फॉर्म जारी रहा जो खाता भी नहीं खोल सके। मेहरान की गेंद पर इलयास ने उनका बेहतरीन कैच लपका। स्टोइनिस और वॉर्नर ने चौथे विकेट के लिए 64 गेंद में 102 रन जोड़े। आस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय तीन विकेट पर 50 रन था जिसके बाद इन दोनों ने पारी को संभाला। वॉर्नर 56 रन की पारी के साथ ही टी20 क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन (3,120) बनाने वाले बल्लेबाज हो गए जिन्होंने पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पछाड़ा। दूसरी ओर स्टोइनिस ने 36 गेंद की अपनी पारी में दो चौके और छह छक्के लगाए। ओमान के लिए मेहराल खान ने दो विकेट लिए जबकि बिलाल खान और कलीमुल्लाह को एक एक विकेट मिला।

युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को हराया

प्रोविडेंस। युगांडा ने टी20 विश्व कप में पहली जीत दर्ज करते हुए पापुआ न्यू गिनी को कम स्कोर वाले मैच में तीन विकेट से हराया। युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को 77 रन पर आउट कर दिया लेकिन जवाब में उसके पांच विकेट 26 रन पर गिर गए थे। उसने हालांकि 10 गेंद बाकी रहते सात विकेट खोकर 78 रन बना लिए। रियाजत अली ने 33 रन बनाए लेकिन कोई और बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका। उन्हें अपनी पारी में दो जीवनदान मिले और टीम के जीत से तीन रन दूर रहते वह आउट हो गए। उन्हे पहला जीवनदान उस समय मिला जब युगांडा का स्कोर तीन विकेट पर आठ रन था। इसके बाद पांच विकेट पर 35 रन पर भी उन्हें जीवनदान मिला जब चार्ल्स अमीनी ने उनका कैच छोड़ा। रियाजत और जुमा मियागी (13) ने छठे विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी की।

धीमी पिचों और कम स्कोर पर मार्कस स्टोइनिस ने कहा, टूर्नामेंट की थीम यही लगती है

ब्रिजटाउन (बारबडोस)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने गुरुवार को कहा कि कम स्कोर और धीमी पिचें मौजूदा टी20 विश्व कप की थीम (आम तौर पर होने वाली चीज) लगती है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा विकेट बेहतर होते जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में ओमान को 39 रनों से हराया। टीम ने टूर्नामेंट के मानकों के हिसाब से पांच विकेट पर 164 रन का अपेक्षाकृत बेहतर स्कोर बनाया था जिसमें स्टोइनिस ने 36 गेंद में 67 रन की पारी खेली और तीन विकेट भी चटकाए जिसके लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से बात करते हुए स्टोइनिस से पूछा गया कि क्या टूर्नामेंट में कम स्कोर ने उन्हें चौंकाया जो पिछले महीने आईपीएल के दौरान प्रशंसकों द्वारा देखे गए नियमित रूप से 200 रन से अधिक के स्कोर से बहुत अलग है। उन्होंने कहा, हां, मुझे लगता है कि अब तक के मैचों को देखने से मुझे कोई झटका नहीं लगा, ऐसा लगता है कि यह टूर्नामेंट की थीम होने जा रही है। लेकिन इसे बाहर से देखना एक अलग बात है और फिर मैदान पर खुद को ढालना दूसरी बात है। टूर्नामेंट के अमेरिकी चरण की पहले से ही नासाउ काउंटी मैदान की पिच के असमान उछाल के लिए आलोचना हो रही है जहां बुधवार को भारत और आयरलैंड के बीच कम स्कोर वाला मैच खेला गया था। आयरलैंड की टीम 96 रन पर आउट हो गई और असमान उछाल के कारण भारत के कप्तान रोहित शर्मा और ऋषभ पंत को चोट भी लगी। चौंतीस वर्षीय स्टोइनिस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ-साथ बल्लेबाजों के लिए पिचें बेहतर होती जाएंगी। हां, यह थोड़ा मुश्किल है, दूसरी पारी में गेंद थोड़ी रुककर आती है। और स्पिनर की गेंद भी भी कभी-कभी रुककर आती है और गेंद नीची भी रहती है।

दीक्षा की खराब शुरुआत

हेल्सिंगबर्ग (स्वीडन)। भारत की दीक्षा डागर ने गुरुवार को यहां वॉल्वो स्कैंडिनेवियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में खराब शुरुआत करते हुए तीन ओवर 75 का स्कोर बनाया।पुरुष वर्ग में शुभंकर शर्मा ने अच्छी शुरुआत करते हुए सात होल तक दो अंडर का स्कोर बना लिया है। लगातार चौथे साल इस मिश्रित टूर्नामेंट में खेलते हुए दीक्षा ने एक बर्डी की लेकिन वह चार बोगी भी कर गईं जिससे उनका स्कोर तीन ओवर रहा। स्कैंडिनेवियन ओपन मिश्रित स्पर्धा है जिसमें डीपी विश्व टूर के 78 पुरुष और लेडीज यूरोपीय टूर की 78 महिला खिलाड़ी एकसाथ मिलकर समान पुरस्कार राशि के लिए चुनौती पेश करते है।

सहरावत बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज के फाइनल में

बुडापेस्ट। भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने गुरुवार को यहां 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग मे आर्यन सियुट्रनि को तकनीकी दक्षता के आधार पर 14-4 से हराकर बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज के फाइनल में जगह बनाई। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष पहलवान अमन स्वर्ण पदक के मुकाबले में जापान के विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जापान के रेइ हिगुची से भिड़ेंगे।इस टूर्नामेंट से अमन को अपनी रैंकिंग में सुधार करने का मौका मिलेगा जिससे वह पेरिस ओलंपिक में बेहतर ड्रॉ हासिल कर पाएंगे।

खेल के लीजैंड हो आप, लुका मोडरिच ने की सुनील छेत्री की तारीफ

कोलकाता। क्रोएशिया के कप्तान और रीयाल मैड्रिड के सुपरस्टार लुका मोडरिच ने भारतीय कप्तान सुनील छेत्री की तारीफ करते हुए उन्हे फुटबॉल का लीजैंड बताया। उन्होंने भारतीय टीम से छेत्री के आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच को यादगार बनाने का भी आग्रह किया। छेत्री कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के साथ ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह देंगे। भारतीय टीम के कोच इगोर स्टिमक ने मोडरिच का वीडियो मैसेज साझा किया है जिसमे उन्होने कहा है , हैलो सुनील। मै बस तुमको हैलो बोलना और आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए शुभकामना देना चाहता हूं।

छेत्री का फैसला बिल्कुल सही : सुब्रत

कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व डिफेंडर और सुनील छेत्री के ससुर सुब्रत भट्टाचार्य का मानना है कि इस स्टार फुटबॉलर का अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने का फैसला सही है लेकिन उन्हें लगता है कि वह अभी लंबे समय तक क्लब फुटबॉल मे खेलते रहेंगे। छेत्री का कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर्स मैच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतिम मैच होगा। भट्टाचार्य ने पीटीआई से कहा, यह बहुत अच्छा फैसला है। उसे (छेत्री) लगा कि अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने का समय आ गया है और उन्होने सही समय पर यह फैसला किया। प्रत्एक खिलाड़ी को एक दिन संन्यास लेना होता है और यह नया नही है लेकिन यह अच्छी बात है कि वह क्लब स्तर पर खेलते रहेगा। उन्होंने कहा, उसकी फिटनेस बहुत अच्छी है और मुझे लगता है कि वह क्लब स्तर पर लंबे समय तक खेलेगा।

खिताब जीतना निश्चित तौर पर मानसिक्ता से जुड़ा है: पोंटिंग

नई दिल्ली। रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम को आईसीसी टूर्नामेंटो मे सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का शऊर बखूबी आता था और दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि भारत को भी आईसीसी खिताब का सूखा दूर करने के लिए मानसिक बाधाओं से पार पाकर ऐसा ही कुछ करना होगा। क्रिकेट की महाशक्ति भारत ने आखिरी बाद 2013 मे चैम्पियंस ट्रॉफी के रूप मे आईसीसी खिताब जीता था।

रोहित की चोट गंभीर नही, न्यूयॉर्क पिच की हो रही है आलोचना

● ड्रॉप इन की समस्या पर आईसीसी मौन

भाषा। न्यूयॉर्क

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की बाजू पर लगी चोट पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले मैच से पहले ठीक होने की उम्मीद है लेकिन अमेरिका में क्रिकेट के प्रचार के लिए अहम माने जा रहे टी20 विश्व कप के इस मुकाबले से पहले नासाउ काउंटी की खुली दरारों वाली खतरनाक पिच सभी के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन समेत कई दिग्गजों ने पिच पर सवाल उठाए हैं। यह भी कहा जा रहा है कि विश्व कप मैच कराने से पहले इस पर कुछ अभ्यास मैच क्यो नहीं खेले गए। रोहित को आयरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान तेज गेंदबाज जोश लिटिल की गेंद दाहिनी बाजू के ऊपरी हिस्से में लगी थी। उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा। ऋषभ पंत को भी बाईं कोहनी में बाउंसर लगा था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया , रोहित की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने खुद कहा है कि यह मामूली घाव है। वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच तक ठीक हो जाएंगे। उससे पहले दो अभ्यास सत्र भी खेले जाने हैं। एडीलेड से खास विश्व कप के लिए यहां लाई गई पिच की काफी आलोचना हो रही है। भारत को इस स्टेडियम में दो मैच और खेलने हैं। भारत की टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में फाइनल में प्लेयर आफ द मैच रहे इरफान पठान ने पिच को असुरक्षित बताया। उन्होंने कहा , हम अमेरिका में क्रिकेट को बढावा देना चाहते हैं लेकिन यह पिच खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर भारत में इस तरह की पिच होती तो लंबे समय तक वहां दोबारा मैच नहीं खेला जाता। उन्होंने कहा , पिच अच्छी नहीं है। हम विश्व कप की बात कर रहे हैं, किसी द्विपक्षीय श्रृंखला की नहीं।

भारत के पास पर्याप्त अनुभव और कौशल

न्यूयॉर्क। भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि उनकी टीम के पास नासाउ काउंटी मैदान की चुनौतीपूर्ण पिच से निपटने के लिए पर्याप्त अनुभव और कौशल है। आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जोश लिटिल की गेंद दाहिने हाथ के ऊपरी हिस्से मे लगने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। वही असमान उछाल वाली पिच पर ऋषभ पंत को भी बाई कोहनी में बाउंसर लगा। राठौड़ ने कहा , हम उसी पर नियंत्रण कर सकते है जो हमारे बस में है।

पूर्व क्यूरेटर ने न्यूयॉर्क की पिचों की आलोचना की

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व मुख्य क्यूरेटर दलजीत सिंह टी20 विश्व कप के लिए न्यूयॉर्क मे उपयोग लाई जा रही ड्रॉप इन पिचों की खराब स्थिति से हैरान हैं। भारत को न्यूयॉर्क मे विश्व कप के तीन मैच खेलने है जिनमे पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून को होने वाला मैच भी शामिल है। भारत और आयरलैंड के बीच खेले गए मैच के दौरान पिच से मिल रही असमान उछाल और दरारों ने लोगों का ध्यान खींचा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जोश लिटिल की तेजी से उठती गेंद पर घायल होने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। ऐसे में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। बीसीसीआई के साथ दो दशक से भी अधिक समय तक काम करने वाले दलजीत ने कहा, पिच बेहद खराब हैं। ड्रॉप इन पिच को काफी पहले लगाया जाना चाहिए। इस पर अलग-अलग तरह के रोलर का उपयोग किया जाना चाहिए था।

कोको गॉफ को हराकर स्वियातेक फ्रेंच ओपन के फाइनल में

भाषा। पेरिस

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराकर गुरुवार को यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। फ्रेंच ओपन में अपना चौथा खिताब जीतने की कवायद में लगी स्वियातेक ने तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ को 6-2, 6-4 से पराजित किया। इस तरह से वह जस्टिन हेनिन (2007 से 2009) के बाद रोलां गैरा पर लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने से अब केवल एक कदम दूर है। अब तक चार ग्रैंड स्लैम जीत चुकी स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन में अपने विजय अभियान को 20 मैच तक पहुंचा दिया है। शनिवार को होने वाले फाइनल में उनका मुकाबला रूस की गैरवरीयता प्राप्त 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा और इटली की 12वीं वरीय जैस्मीन पाओलिनी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। स्वियातेक ने गॉफ के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 11-। कर दिया है। उन्होंने इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार अमेरिकी खिलाड़ी को हराया। इनमें 2022 के फाइनल और पिछले साल के क्वार्टर फाइनल में दर्ज की गई जीत भी शामिल हैं।

एडवर्ड रोजर-वेसेलिन और लॉरा सिगेमुंड ने फ्रेंच ओपन का मिश्रित युगल खिताब जीता

पेरिस। एडवर्ड रोजर-वेसेलिन और लॉरा सिगेमुंड ने गुरुवार को यहां नील स्कुपस्की और डिजायर क्रॉजिक की जोड़ी को सीधे सेट मे हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का मिश्रित युगल का खिताब जीता। पहली बार किसी टूर्नामेंट में जोड़ी बनाकर खेल रहे फ्रांस के रोजर-वेसेलिन और जर्मनी की सिगेमुंड ने स्कुपस्की और क्रॉजिक की जोड़ी को 6-4, 7-5 से हराया। सिगेमुंड इससे पहले 2016 मे अलग जोड़ीदार के साथ अमेरिकी ओपन का मिश्रित युगल ओर 2020 मे महिला युगल खिताब जीत चुकी हैं।चालीस साल के रोजर-वेसेलिन का यह पहला मिश्रित युगल खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2014 मे फ्रेंच ओपन का पुरुष युगल खिताब जीता था जो उनका एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब था। अमेरिका की क्रॉजिक और ब्रिटेन के स्कुपस्की एक साथ मिलकर 2021 और 2022 मे दो विंबलडन मिश्रित युगल खिताब जीत चुके है। पुरुष युगल फाइनल शनिवार को जबकि महिला युगल फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में हारी

पेरिस। भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन गुरुवार को यहां सेमीफाइनल में इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावस्सोरी की जोड़ी से हारकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। बोपन्ना और एबडेन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को बोलेली और वावस्सोरी की इटली की 11वी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 5-7, 6-2, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। बोपन्ना और एबडेन की ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता जोड़ी ने पहले दौर में ब्राजील के मार्सेलो ज़ोरमैन और ऑरलैंडो लूज़ को 7-5, 4-6, 6-4 से हराया था। इसके बाद उन्होंने अगले दौर में एन श्रीराम बालाजी और मिगुएल एंजेल रेएस वरेला की जोड़ी को 6-7 (2-7), 6-3, 7-6 (10-8) और क्वार्टर फाइनल में सैंडर गिले और जोरन व्लिगेन की बेल्जियम की जोड़ी को 7-6 (7-3), 5-7, 6-। से पराजित किया था।

लक्ष्य इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

भाषा। जकार्ता

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंता निशिमोतो को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जबकि देश के अन्य खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। सेन ने प्री क्वार्टर फाइनल में निशिमोतो के खिलाफ 21-9, 21-15 से जीत दर्ज की। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद हालांकि महिला युगल में हारकर बाहर हो गई। उन्हें जापान की मायु मत्सुमोतो और वाकाना नागाहारा के हाथों 21-19, 19 -21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को भी दक्षिण कोरिया की हा ना बाएक और सो ही ली ने 21-13, 19-21, 21-13 से हराया जिससे महिला युगल में भारत की चुनौती खत्म हो गई। मिश्रित युगल में बी सुमीत रेड्डी और सिक्की रेड्डी को सिवेइ झेंग और याकिओंग हुआंग की चीन की जोड़ी के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 9-21, 11- 21 से हार का सामना करना पड़ा। पुरूष एकल में प्रियांशु राजावत को भी कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद थाईलैंड के गत विश्व चैंपियन कुंलावुत वितिदसर्न के खिलाफ 10 - 21, 17- 21 से हार झेलनी पड़ी।

हमारे गेंदबाजी कोर ग्रुप में काफी अनुभव और ईमानदारी हैः पंड्या

न्यूयॉर्क। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण में काफी अनुभव और ईमानदारी है तथा उन्हें विश्वास है कि टी20 विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। भारत ने बुधवार को आयरलैंड को 8 विकेट से हराकर विश्व कप में अपने अभियान का शानदार आगाज किया। हार्दिक ने बीसीसीआई टीवी से कहा, हमें आज बताया गया कि हमारी टीम के पास कुल 892 टी20 मैच खेलने का अनुभव है जो बहुत अधिक है। इस तरह से हमारे पास काफी अनुभव है विशेष कर गेंदबाजी में जिसमें हमारे पास जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज है जो अभी नंबर एक गेंदबाज है। हमारे पास मोहम्मद सिराज है जिसने हाल के बरसों में शानदार प्रदर्शन किया है। हार्दिक ने कहा, हमारे पास अर्शदीप सिंह है जो पिछले दो विश्व कप में खेल चुका है और उसने शानदार प्रदर्शन किया है तथा उनके खेल में लगातार सुधार होता जा रहा है।

प्रज्ञानानंदा का सामना नौवे दौर में कारूआना से

भाषा। स्टावेंजर (नॉर्वे)

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के नौवे दौर में अमेरिका के फेबियानो कारूआना से खेलेंगे। भारत के प्रज्ञानानंदा ने क्लासिकल से दो मैच और आर्मागेडोन से दो मैच जीते और वह तीसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट के दो ही दौर बाकी हैं। उन्होंने क्लासिकल में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को और कारूआना को हराया था। आर्मागेडोन में हालांकि उन्हें तीन पराजय भी झेलनी पड़ी। कार्लसन 14 . 5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि अमेरिका के हिकारू नकामूरा उनसे एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है और फ्रांस के फिरोजा अलीरजा उनसे एक अंक पीछे हैं। ऐसा लग रहा है कि कार्लसन और नकामूरा के बीच सीधा मुकाबला है लेकिन हाल ही में विश्व रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंचे प्रज्ञानानंदा भी आखिरी दोनों दौर में जीत दर्ज करके इसे बरकरार रखना चाहेंगे।

सरबजोत ने म्यूनिख निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता

म्यूनिख। सरबजोत सिंह ने गत विश्व चैंपियन और चार बार के ओलंपियन की मौजूदगी वाली पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर गुरुवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदक का खाता खोला। भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए। उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा। जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता। सरबजोत ने बुधवार को क्वालीफाइंग में 588 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में गत विश्व चैंपियन चीन के बोवेन झेंग और तुर्की के चार बार के ओलंपिक यूसुफ डिकेक भी चुनौती पेश कर रहे थे। सरबजोत ने हालांकि फाइनल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में अपना दूसरा व्यक्तिगत पदक जीता। इससे पहले उन्होंने पिछले साल भोपाल में भी स्वर्ण पदक जीता था।

क्विक न्यूज

भारत के लिए टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर खेलेंगे पंत : राठौड़

न्यूयॉर्क। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि टी20 विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते रहेंगे। उन्होंने पूरी तरह फिट हार्दिक पंड्या के प्रदर्शन पर भी खुशी जताई। पंत और पंड्या ने आईपीएल के जरिए वापसी की है और लंबे ब्रेक के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे है। आयरलैंड पर पहले मैच में आठ विकेट से मिली जीत में दोनों ने अहम भूमिका निभाई। राठौड़ ने मैच के बाद मीडिया से कहा , पंत शानदार बल्लेबाजी कर रहा है। दोनो मैचो (अभ्यास मैच और आयरलैंड मैच) में उसने अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा , इस समय हमारे लिए तीसरे नंबर का बल्लेबाज वही है और उसके खब्बू बल्लेबाज होने से फायदा मिल रहा है। अक्टूबर 2023 के बाद पहला मैच खेल रहे पंड्या ने चार ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट लिए। विश्व कप 2023 मे बांग्लादेश के खिलाफ पुणे मे पंड्या का टखना मुड़ गया है जिससे भारतीय टीम एक अदद हरफनमौला के बिना खेल रही थी।

आयरलैंड को नवोदित कनाडा के खिलाफ अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा

न्यूयॉर्क। भारत के खिलाफ पहले मैच में मिली हार के बाद आयरलैंड को कनाडा जैसी खतरनाक टीम के खिलाफ शुक्रवार को टी20 विश्व कप मे अपने अभियान को र्ढे पर लाना है तो एंडी बालबर्नी, पॉल स्टर्लिंग और हैरी टेक्टर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।आयरलैंड को पहले मैच में भारत ने आठ विकेट से हराया जबकि कनाडा को सह मेजबान अमेरिका ने सात विकेटसे मात दी। आठवी बार टी20 विश्व कप खेल रही आयरलैंड टीम अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही है हालांकि उसके कई प्रमुख खिलाड़ी इंग्लिश काउंटी क्रिकेट खेलते है। अभी तक आयरलैंड एक ही बार 2009 मे सुपर 8 चरण में पहुंचा। बालबर्नी और कप्तान स्टर्लिंग के पास कुल मिलाकर 250 टी20 मैचो का अनुभव है लेकिन वे टीम को नासाउ काउंटी स्टेडियम पर अच्छी शुरूआत नही दिला सके।

टी20 विश्व कप : बराबरी के मुकाबले में स्कॉटलैंड और नामीबिया आमने सामने

ब्रिजटाउन। ओमान के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में सुपर ओवर में मिली जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत नामीबिया का सामना अब शुक्रवार को स्कॉटलैंड से होगा। स्कॉटलैंडऔर इंग्लैंड के बीच मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। स्कॉटलैंड ने हालांकि गत चैम्पियन टीम के खिलाफ अपनी प्रतिभा की बानगी दी थी लेकिन बारिश के कारण अंक बांटने पड़े। नामीबिया का भरोसा कप्तान गेरहार्ड इरास्मस और हरफनमौला डेविड वीसे जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर रहेगा। उनके पास पिछले दो टी20 विश्व कप का अनुभव है। इसके अलावा नामीबिया ने स्कॉटलैंड के खिलाफ पिछले तीन टी20 मैच भी जीते हैं जिससे उसे मनोवैज्ञानिक बढत मिलेगी।

स्पोर्ट्स फुटवियर्स के मिलेंगे कई विकल्प

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी फुटवियर निर्माता कंपनी रिलेक्सो फुटवियर्स लिमिटेड के ब्राण्ड फ्लाइट ने अपने स्प्रिंग-समर 2024 (एसएस'24) कलेक्शन का लॉन्च किया है। इस नई रेंज में 100 से अधिक रिफ्रैशिंग डिजाइन शामिल हैं, जिन्हें हर डीटेल को ध्यान में रखते हुए बारीकी से तैयार किया गया है। गौरव दुआ, एक्ज्यूक्टिव डायरेक्टर, रिलेक्सो फुटवियर्स लिमिटेड ने एसएस'24 कलेक्शन पर बात करते हुए कहा, ''फ्लाइट के नए स्प्रिंग-समर 2024 कलेक्शन लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, जो आगामी सीजन के लिए अपनी कूल वाइब्स, गुणवत्तापूर्ण कारीगरी और बेजोड स्टाइल लेकर आया है। हम हमेशा से अपने उपभोक्ताओं के लिए स्पोर्ट्स फुटवियर्स के भी शानदार विकल्प लाते रहे हैं जो न सिर्फ स्टाइलिश बल्कि ट्रेंडी भी हों। यह कलेक्शन परिवार के हर सदस्य की जरूरत को पूरा करते हुए सुनिश्चित करता है कि वे स्टाइल और आत्मविश्वास के साथ अपना हर कदम आगे बढ़ाएं।' वाइब्रेन्ट कलर कॉम्बिनेशन्स से लेकर विभिन्न प्रकार के बेस मटीरियल तक, फ्लाइट के फुटवियर की रेंज पुरूषों एवं महिलाओं दोनों की जीवनशैली संबंधी जरूरतों को पूरा करती है। गुणवत्ता, आराम और किफायती दामों के लिए विख्यात फ्लाइट उपभोक्ताओं की जीवनशैली की जरूरतों पर खरा उतरते हुए उनका पसंदीदा ब्राण्ड बना हुआ है।

गेम परफॉर्मेंस पर रखा जाएगा ध्यान

नई दिल्ली। नार्ज़ो एन सीरीज़ में एन् उन टेक्नोलॉजी प्रेमियों की अगली जनरेशन को प्रदर्शित करता है,जो अपने स्मार्टफोन की जरूरतों को गहराई से समझते हैं। स्मार्टफोन की यह अग्रणी सीरीज़ इन यूज़र्स को सर्वोत्तम टेक्नोलॉजी और शानदार फंक्शनैलिटी के साथ बेहतर टेक केंद्रित लाईफस्टाईल प्रदान करती है। यह सभी को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रियलमी नार्ज़ो एन63 अपने सेगमेंट में खास है क्योंकि इसमें सबसे थिन और सेगमेंट का एकमात्र प्रीमियम वैगन लैदर डिज़ाईन है, जो अद्वितीय एवं स्टाईलिश लुक प्रदान करता है। इसके एआई बूस्ट मोड में स्मूथ बूस्ट और गेम बूस्ट हैं, जिससे सिस्टम की स्मूथनेस और गेम परफॉर्मेंस में सुधार आता है। इसका 50 मेगापिक्सल का एआई कैमरा अपने मूल्य वर्ग में सबसे ज्यादा पिक्सल परफॉर्मेंस प्रदान करता हैए जिससे स्पष्ट फोटो विवरण मिलता है। रियलमी नार्ज़ो एन 63 90 हट्ज़ के आई कम्फर्ट डिस्प्लेए राईडिंग मोड, और अल्ट्रा.लीनियर स्पीकर200 अल्ट्राबूम जैसे फीचर्स के साथ इंटेलिजेंट अनुभव प्रदान करता है।

डगमगाती सीम से गेंद डालने की पूरी कोशिश की लेकिन गेंद बहुत स्विंग ले रही थी : अर्शदीप

न्यूयॉर्क। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ मैच में उन्होने अपनी रणनीति पर अडिग रहने पर ही फोकस किया चूंकि ड्रॉप इन पिच पर गेंद पर नियंत्रण रख पाना कठिन हो रहा था। भारत ने आयरलैंड को 16 ओवर में 96 रन पर समेटने के बाद 12 . 2 ओवर मे लक्ष्य हासिल किया। अर्शदीप ने स्वीकार किया कि स्विंग पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो रहा था और उन्होंने इसके लिए जसप्रीत बुमराह से सलाह ली। उन्होने कहा , मैने डगमगाती सीम से गेंद डालने की पूरी कोशिश की लेकिन गेंद इतनी स्विंग हो रही थी कि यह हो नही पा रहा था।

यूपी कबड्डी लीग के पहले सीजन की घोषणा, 8 टीमें लेंगी हिस्सा

लखनऊ । यूपी कबड्डी एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग का पहला सीज़न 11 जुलाई से 25 जुलाई तक नोएडा इंडोर स्टेडियम में होगा। यह घोषणा यूपीकेएल के संस्थापक संभव जैन और एकेएफआई के संयुक्त सचिव और उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन के सदस्य विनय कुमार सिंह ने दी। संभव जैन ने कहा ष्हम इस प्रतिष्ठित लीग को लेकर रोमांचित हैं। हमारा लक्ष्य कबड्डी को बढ़ावा देना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है।श्श् उन्होंने ने बताया कि लीग में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगीए जिनमें यमुना योद्धाए नोएडा निन्जाए काशी किंग्सए अवध रामदूतए ब्रज स्टार्सए संगम चैलेंजर्सए अयोध्या वॉरियर्स और गंगा किंग्स ऑफमिर्ज़ापुर शामिल हैं। प्रत्येक टीम में 15 खिलाड़ी होंगेए जिसमें पूरे उत्तर प्रदेश और भारत के अन्य क्षेत्रों से कुल 120 प्रतिभागी शामिल होंगे। संभव जैन ने बताया कि यूपीकेएल ने राष्ट्रीय प्रसारण भागीदार के रूप में सोनी स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी की हैए जिसका मकसद कबड्डी को भारत के हर कोने में पहुंचाना है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।